हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, बुधवार 29 अप्रैल 2026

Learn with Global Leaders.
Get Placed with Top Recruiters

RUNGTA INTERNATIONAL SKILLS UNIVERSITY
Approved by UGC U/s 2(F)

27 YEARS OF DEVELOPING BRIGHT FUTURES

RUNGTA UNIVERSITY

Our Industry-Integrated Programmes are more than a curriculum - they are a career blueprint. Designed alongside the world's top companies, these programmes immerse you in live projects, global exposure, and hands-on training that transforms students into industry-ready professionals from day one.

From **Chhattisgarh** to the **Global AI Stage**

Rungta University student shares screen with

Google CEO
Sundar Pichai

Joint Degrees with Global Leaders

Get real-world skills and global recognition. Our programmes, created with industry leaders, help you build a degree that matters to your future.

Google | IBM | Apple | Microsoft | EC-Council | ACCA | Meta | Harvard Business School | University of Cambridge | University of London | coursera | NVIDIA | University of Michigan | Duke University | tableau | IE Business School | University of Minnesota | Tally

COURSES OFFERED

School of Computer Science and Engineering
- **B.Tech.** (Computer Science & Engineering) in association with **Google**
- **B.Tech.** CSE (AIML) in association with **IBM**
- **B.Tech.** CSE (AI / AIML / Data Science) in association with **Google**
- **B.Tech.** (Cyber Security) in association with **EC Council**
- **M.Tech.** (Computer Science & Engineering)
- **Diploma** (Computer Science & Engineering)

School of Management & Commerce
- **BBA**
- **BBA** (Global)
- **BBA** (Business Analytics) in association with **IBM**
- **BBA** (AI & Emerging Technologies) in association with **Google**
- **BBA** (Digital Branding & Advertising)
- **MBA**
- **MBA** (Global)
- **B.Com.**
- **B.Com** with **ACCA** in Association with Grant Thornton **(GT)**

School of Law
- **B.A. LL.B** (Hons.)
- **B.Com. LL.B** (Hons.)
- **LL.M.** (Corporate & Commercial Law / AI, Cyber & Technology Law)

School of IT
- **BCA** (AIML / Data Science / Full Stack) in association with **Google**
- **MCA** (AIML / Data Science / Full Stack) in association with **Google**
- **PGDCA**
- **DCA**

School of Engineering and Technology
- **B.Tech.** (Civil / Electrical / Electronics & Telecommunication / Mechanical / Mining)
- **M.Tech.** (Structural)
- **Diploma** (Electrical / Mechanical)

School of Life Sciences
- **B.Sc.** (Biotechnology with Zoology / Botany)
- **B.Sc.** (Forensic Science)
- **M.Sc.** (Biotechnology)
- **M.Sc.** (Forensic Science)
- **Diploma** (Forensic Science)
- **Master** in Public Health

School of Humanities
- **B.A.** with Integrated UPSC coaching
- Ten-Month **IAS Programme**

School of Pharmacy
- **B.Pharmacy**
- **D.Pharmacy**
- **M.Pharmacy** (Pharmaceutics / Pharmacology / Pharmaceutical Chemistry)
- **B.Pharmacy** (Practice)

School of Sustainable Development
- **BBA** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **B.Voc** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **MBA** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **Executive MBA** - Sustainable Development, ESG & CSR

School of Research Programmes
- **PhD** (Engineering / Applied Sciences / Pharmacy / Computer Science / Humanities, etc.)

School of Film & Media
- **B.A. / B.Voc.** (Film Making)
- **D.Voc.** (Film Making)

School of Education
- **D.Ed.**
- **B.Ed.**
- **M.Ed.**

Deepak Advertisers

Accreditations & Recognitions

NAAC A+ — Accredited "A" Grade | NBA — Accredited Since 2007 | nirf — Ranked in Innovation | CAREERS360 — Rated "AAAA" for Engineering

Rungta Educational Campus, Kohka-Kurud Road, Bhilai Chhattisgarh | 9016 11 33 33

ADMISSIONS OPEN

बंगाल विधानसभा चुनाव

बड़ा सवाल, टीएमसी का रहेगा दबदबा या भाजपा लगाएगी सेंध

दक्षिण बंगाल है सत्ता की चाबी, यहीं से खुलती है नबान्न तक पहुंचने की राह

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के तहत बुधवार को होने वाला मतदान तय करेगा कि क्या तृणमूल कांग्रेस अब भी अपने गढ़ पर कब्जा बनाए रखेगी या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसमें अपनी पकड़ मजबूत कर आखिरकार राज्य सचिवालय 'नबान्न' पहुंचने में सफल होगी। चुनाव के दूसरे चरण के तहत बुधवार को राज्य विधानसभा की 142 सीट के लिए मतदान होगा।

दूसरे व अंतिम चरण के लिए आज होगा 142 सीटों पर मतदान

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के मतदान में उत्तर बंगाल और आस-पास के जिलों में भाजपा की पारंपरिक पकड़ की परीक्षा हुई और अब दूसरे चरण में तृणमूल कांग्रेस के गढ़ - कोलकाता, हावड़ा, उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना, नादिया, हुगली और पूर्वी बर्धमान - के मुकाबलों पर नजर रहेगी। इन इलाकों का परिणाम चुनाव की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। दूसरे चरण में जिन 142 सीट पर मतदान होना है उनमें से तृणमूल कांग्रेस ने 2021 में 123 सीट जीती थीं, भाजपा ने सिर्फ 18 और 'इंडियन सेक्युलर फ्रंट' (आईएसएफ) ने एक सीट हासिल की थी। भाजपा के तमाम प्रयासों के बावजूद पांच साल पहले ममता बनर्जी की पार्टी ने दक्षिण बंगाल में शानदार जीत हासिल की और आसानी से सत्ता पर कब्जा किया। भवानीपुर विधानसभा सीट पर भी इसी चरण में मतदान होना है, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक गढ़ है और भाजपा ने यहां नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है। तृणमूल कांग्रेस के लिए इन इलाकों पर कब्जा बनाए रखना अहम है, जिससे उसके लगातार चौथी बार सत्ता में आने का रास्ता पूरी तरह से खुला रहेगा। तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'यह हमेशा से हमारा सबसे मजबूत क्षेत्र रहा है तथा 2021 विधानसभा से लेकर 2024 के लोकसभा चुनावों में भी यहां के लोगों ने हमारा साथ दिया। अगर हम इस क्षेत्र में फिर से जीत दर्ज करते हैं, तो बंगाल में ममता बनर्जी की ही सरकार बनेगी।

ये है असली चुनावी युद्धक्षेत्र

' भाजपा की प्रदेश इकाई के एक नेता ने कहा, 'दक्षिण बंगाल में पकड़ बनाए बिना हम सत्ता तक नहीं पहुंच सकते। उत्तर 24 परगना, कोलकाता और हावड़ा ही असली चुनावी युद्धक्षेत्र हैं। बदलाव यहीं से होगा।' भौगोलिक स्थिति इसकी अहमियत को स्पष्ट करती है। उत्तर 24 परगना में विधानसभा की 33 सीट, दक्षिण 24 परगना में 31, हावड़ा में 16, नदिया में 17, हुगली में 18, पूर्वी बर्धमान में 16 और कोलकाता में 11 सीट हैं। राज्य में पहले चरण में 93.19 प्रतिशत मतदान दर्ज होने के बाद बनर्जी ने दावा किया था कि तृणमूल कांग्रेस पहले ही 100 सीट का आंकड़ा पार कर चुकी है। यह राज्य में अब तक का सबसे अधिक मत प्रतिशत है।

यहां कटे हैं बड़ी संख्या में नाम

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने नाम हटाए जाने के मुद्दे को दूसरे चरण का संभवतः सबसे संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। उत्तर 24 परगना में मतदाता सूचियों से 12.6 लाख से अधिक नाम हटाए गए, दक्षिण 24 परगना में 10.91 लाख से अधिक, कोलकाता में लगभग 6.97 लाख, हावड़ा में लगभग छह लाख, हुगली में 4.68 लाख और नादिया में लगभग 4.85 लाख नाम हटाए गए।

एसआईआर : 1,468 मतदाता को मंजूरी करेंगे मतदान

कोलकाता। एसआईआर से जुड़े न्यायाधिकरण के आदेशों के बाद पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में कुल 1,468 लोगों का नाम जोड़ा गया है, जो 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, जिन मतदाताओं के नाम पूरक मतदाता सूची में हैं, वे आयोग की वेबसाइट पर अपना मतदाता पहचान पत्र क्रमांक दर्ज करके अपने विवरण की जांच कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग के अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'जिन मतदाताओं की अपीलों का निपटारा अपीलीय न्यायाधिकरणों द्वारा 27 अप्रैल तक कर दिया गया था, उन्हें एक पूरक मतदाता सूची में शामिल किया गया है, और वे दूसरे चरण में मतदान कर सकेंगे।' उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को एक पूरक मतदाता सूची जारी करने का निर्देश दिया था जिसमें उन मतदाताओं को शामिल किया जाए जिनकी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान उनके नाम हटाए जाने के खिलाफ अपील राज्य के अपीलीय न्यायाधिकरणों द्वारा स्वीकार कर ली गई थी। इससे पहले, राज्य में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण से पहले न्यायाधिकरण द्वारा मंजूरी प्राप्त 139 मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा गया था। एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'इस प्रयास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिले।'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण के तहत बुधवार को होने वाले मतदान के लिए तैयारी जारी है। ईवीएम और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) यूनिट्स लेने के बाद, मंगलवार को कोलकाता और नादिया के वितरण केंद्र से मतदान अधिकारी रवाना होते हुए।

गुजरात में फिर लहराया भगवा

सभी 15 नगर निगम में भाजपा की जीत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गुजरात निकाय चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित कर दिया है। राज्य की सभी 15 नगर निगम सीटों के नतीजे अब सामने आ चुके हैं और बीजेपी ने सभी नगर निगमों में जीत दर्ज करते हुए क्लीन स्वीप कर लिया है। अहमदाबाद नगर निगम में पार्टी ने 192 में से 158 सीटों पर कब्जा जमाकर शहरी राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ दिखाई। इस जीत के साथ बीजेपी ने साफ संकेत दे दिया है कि गुजरात में उसकी संगठनात्मक ताकत अब भी बेहद मजबूत बनी हुई है। राजकोट में भी बीजेपी का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा, यहां की नगर निगम की 72 सीटों में से बीजेपी ने 65 सीटें जीत लीं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 7 सीटों से संतोष करना पड़ा। आम आदमी पार्टी यहां खाता तक नहीं खोल सकी। वहीं, राजकोट जिला पंचायत की 36 सीटों में बीजेपी ने 34 सीटें जीतकर विपक्ष को लगभग पूरी तरह से किनारे कर दिया।

तालुका पंचायतों में भी दबदबा

तालुका पंचायतों में भी बीजेपी का दबदबा साफ देखने को मिला। धोराजी, जेतपुर, गोंडल, कोटड़ा सांगाणी, लोढिका, पडधरी, जसदण, विंछिया और जामकंडोरना समेत ज्यादातर पंचायतों में बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज की। उपलेटा में मुकाबला बेहद कांटे का रहा और नतीजा टाई पर खत्म हुआ. कुल मिलाकर बीजेपी ने 11 में से 10 तालुका पंचायतों में जीत हासिल की। सबसे बड़ी जीत गोंडल सिविक बॉडी में देखने को मिली, जहां बीजेपी ने सभी 44 सीटों पर कब्जा कर लिया। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी यहां एक भी सीट नहीं जीत सकीं। पूरे राजकोट जिले में बीजेपी ने 202 में से 155 सीटें जीतकर अपनी मजबूत पकड़ और संगठनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

आईआरएस अधिकारी से मारपीट मामला

सीबीआई के संयुक्त निदेशक को तीन महीने की सजा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के दो अधिकारियों को दो दशक पहले एक छापेमारी के दौरान भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी के आवास में जबरन घुसने, मारपीट करने के आरोप में तीन महीने की जेल की सजा सुनाई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट शशांक नंदन भट्ट ने दोषी ठहराए गए सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी वी के पांडे और रामनीश के खिलाफ सजा पर दलीलें सुनीं। रामनीश वर्ष 2000 में छापेमारी के समय पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। रामनीश इस समय सीबीआई में संयुक्त निदेशक हैं। अदालत ने दोनों दोषियों पर 50,000-50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। आईआरएस अधिकारी अशोक कुमार अग्रवाल द्वारा दायर शिकायत में दोनों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 427 (शरारत) और 448 (आपराधिक अतिक्रमण) के तहत आरोप लगाए गए थे।

यह है मामला

यह मामला 19 अक्टूबर, 2000 की एक घटना से संबंधित है, जब सीबीआई की एक टीम ने पश्चिम विहार में अग्रवाल के आवास पर तलाशी और गिरफ्तारी अभियान चलाया था। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने तड़के उनके घर में जबरन प्रवेश किया, उनके साथ मारपीट की और गिरफ्तारी के दौरान कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, बुधवार 29 अप्रैल 2026

कुदरगढ़ धाम की घटना

900 सीढ़ी चढ़ने के बाद गिरा श्रद्धालु, हार्ट अटैक से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सूरजपुर जिले के पवित्रदेवी धाम कुदरगढ़ से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। भीषण गर्मी के कुदरगढ़ की सीढ़ी चढ़कर मंदिर पहुंचे व्यक्ति की मौत हो गई। श्रद्धालु परिवार साथ माता के दर्शन करने पहुंचा था और लगभग 900 सीढ़ियां चढ़ चुका था। इस घटना के बाद मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा शव को पीएम उपरांत परिजन के ▶▶|शेष पेज 5 पर

हार्टअटैक के लक्षण

सूचना पर शव को अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां डॉक्टरों ने मृतक का पीएम किया। श्रद्धालु की हार्ट अटैक से मौत के लक्षण नजर आए। पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। शव परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

डॉ. कपिलदेव पैकरा, सीएमएचओ सूरजपुर

गुवाहाटी में रायपुर पुलिस ने मारा छापा, वसूली के आरोप में स्थानीय पुलिस ने किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर से एक केस के सिलसिले में आरोपियों को पकड़ने के लिए गुवाहाटी गई रायपुर पुलिस की टीम को ही वहां की पुलिस ने वसूली के आरोप में केस दर्ज कर धर लिया।

- आला अधिकारियों से बातचीत के बाद गुवाहाटी पुलिस ने रायपुर पुलिस टीम को छोड़ा

बताया जा रहा है कि रायपुर में डिजिटल अरेस्ट के एक प्रकरण में पुलिस टीम को आरोपियों की गिरफ्तारी करने गुवाहाटी के दिसपुर थाना क्षेत्र भेजा गया था। टीम ने वहां लोकेशन के आधार पर एक मुस्लिम बहुल मोहल्ले में छापा मारकर 3 लोगों को गिरफ्तार भी किया, लेकिन पकड़े गए आरोपियों की ओर से स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई कि रायपुर पुलिस ने डरा-धमका कर उनसे रुपयों की वसूली की है। इस शिकायत पर वहां की पुलिस मौके पर पहुंची और रायपुर पुलिस कर्मियों को अरेस्ट कर थाना ले गई और उनके विरुद्ध केस दर्ज किया। इधर इससे पहले कि रायपुर पुलिस कर्मियों को सलाखों के पीछे भेजा जाता, उससे पहले रायपुर पुलिस के आला अधिकारियों ने गुवाहाटी के आला अधिकारियों से संपर्क कर इस पूरे मामले की ▶▶|शेष पेज 5 पर

डिजिटल अरेस्ट के मामले में असम गई थी पुलिस

बिना जांच पड़ताल के केस दर्ज मामला बताने के बाद गलती मानी

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रायपुर पुलिस की टीम में शामिल सभी कर्मियों के विरुद्ध वहां की पुलिस ने जांच-पड़ताल किए बिना ही केस दर्ज कर लिया है। इस मामले में जब गुवाहाटी के आला पुलिस अधिकारियों से बातचीत कर जब उन्हें पूरा मामले की जानकारी दी, तब वे भी समझ गए कि स्थानीय पुलिस ने गलती से रायपुर पुलिस को ही आरोपी बना लिया है। मामला समझने के बाद स्थानीय पुलिस ने रायपुर पुलिस कर्मियों को छोड़ा।

गलतफहमी के कारण केस दर्ज

गलतफहमी के कारण रायपुर पुलिस के खिलाफ दिसपुर गुवाहाटी पुलिस ने केस दर्ज किया है। पूरे मामले की जानकारी देने के बाद उन्हें गलती का अहसास हुआ, जिसके बाद पुलिस कर्मियों को छोड़ दिया, लेकिन केस दर्ज हो चुका है। इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने दोबारा टीम को भेजा जाएगा। इसमें स्थानीय पुलिस की मदद ली जाएगी। फिलहाल टीम खाली हाथ लौट रही है।

- संदीप पटेल

पुलिस उपायुक्त, पश्चिम क्षेत्र।

डिजिटल अरेस्ट के मामले में गिरफ्तार करने गई थी टीम

पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक डिजिटल अरेस्ट की घटना हुई थी, जिसमें साढ़े चार लाख रुपए की ठगी हुई थी। इस घटना की जांच कर रही पुलिस को सुराग मिले थे कि ठगी करने वाले आरोपी गुवाहाटी के दिसपुर थाना क्षेत्र में कहीं रहते हैं। इस सुराग के आधार पर थाना प्रभारी रविंद्र यादव सहित एक एएसआई, हवलदार और अन्य ▶▶|शेष पेज 5 पर

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹103903/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹126900/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹138523/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels Pandri, Raipur

*Conditions apply

खबर संक्षेप

अचल संपति की रजिस्ट्री हुई सस्ती, उपकर खत्म

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने आम नागरिकों को बड़ी राहत देते हुए अचल संपत्ति की रजिस्ट्री पर लगने वाला 0.60 प्रतिशत उपकर समाप्त कर दिया है। छत्तीसगढ़ उपकर (संशोधन) अधिनियम, 2026 की अधिसूचना जारी होने के साथ ही यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि आम जनता के जीवन को सरल और किफायती बनाना है। ऐसे में यह निर्णय पूरी तरह जनहित में लिया गया है।

ट्रक-वैन की टक्कर के कारण चार की मौत

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में ट्रक और वैन की आमने-सामने की

टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना सोमवार देर रात करीब 11 बजे मौदहा क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर छिरका के पास हुई जब कुरारा से बारात लेकर महोबा जा रही एक वैन की गिट्टी से लदे ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई।

पति की हत्या की आरोपी सोनम को जमानत

शिलांग। मेघालय की एक अदालत ने हनीमून के दौरान अपने पति की हत्या करने की आरोपी इंदौर निवासी सोनम रघुवंशी को मंगलवार को जमानत दे दी। सोनम का पति राजा रघुवंशी पिछले वर्ष 23 मई को हनीमून के दौरान पूर्वोत्तर राज्य में लापता हो गए थे। बाद में दो जून को प्रदेश के पूर्व खासी हिल्स जिले के सोहरा क्षेत्र में एक जलप्रपात के पास गहरी खाई से राजा का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया था। आरोपी सोनम रघुवंशी को जमानत मिलने के बाद मृतक के परिजनों ने मंगलवार को राज्य पुलिस की कार्यप्रणाली पर अचरज व असंतोष जताया।

हवाई अड्डे पर 1.28 करोड़ का गांजा बरामद

बेंगलुरु। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बैंकॉक से आए एक यात्री को मंगलवार को पकड़ा

गया और उसके पास से 1.28 करोड़ रुपये का 'हाइड्रोपोनिक' गांजा बरामद किया गया। आरोपी की पहचान उजागर नहीं की गई है और उसे स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है।

इंतजार खत्म, आज आएंगे 10वीं-12वीं के परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों की घोषणा आज की जाएगी। दोनों कक्षाओं के परिणाम 29 अप्रैल को दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर जारी होंगे। परीक्षा परिणाम की घोषणा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में की जाएगी। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के मंत्री गजेंद्र यादव एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। जैसे ही मुख्यमंत्री द्वारा परिणाम घोषित किया जाएगा, विद्यार्थी अपना रिजल्ट ऑनलाइन माध्यम से देख सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल की आधिकारिक वेबसाइट के अलावा डिजिलॉकर सहित 9 वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे। प्रमुख वेबसाइट में results.nic.in, https://cgbse.nic.in, cg.nic.in तथा digilocker.gov.in शामिल है। उपरोक्त वेबसाइट में परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक प्रविष्ट कर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। नतीजों की घोषणा पेंशनबाड़ा स्थित माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय के स्थान पर मंत्रालय में होगी। दसवीं की परीक्षा में इस बार 3.23 लाख छात्र शामिल हुए हैं। ▶▶|शेष पेज 5 पर

दोपहर 2.30 बजे मंत्रालय में सीएम साय करेंगे घोषणा

फिर विवादों में घिरा माशिम

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाएं इस बार विवादों में रही है। 14 मार्च को आयोजित 12वीं कक्षा का हिंदी विषय का पर्चा लीक होने के कारण माशिम को 10 अप्रैल को इसकी पुनः परीक्षा आयोजित करनी पड़ी थी। माशिम ने पुलिस थाने में इसकी शिकायत की थी। एक माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अब तक आरोपी पकड़े नहीं जा सके हैं। एक अन्य विवाद महासमुंद जिले के भंवरपुर केंद्र को लेकर सामने आ रहा है। यहां परीक्षा दिलाने पहुंची 12वीं कक्षा की एक छात्रा ने स्टिंग ऑपरेशन करते हुए सामूहिक नकल के सबूत माशिम को सौंपे हैं। आरोप है कि यहां खुलेआम विद्यार्थियों को नकल करवाई जा रही थी।

भारत माला परियोजना घोटाले पर छापेमारी, पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा-नो कमेंट्स

ईडी के छापे में मिले 67 लाख कैश, 37 किलो चांदी अफसरों से उलझे आरोपी के भाई, केस दर्ज

भारतमाला मुआवजा घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने प्रदेश के पूर्व मंत्री और कुरूद विधायक अजय चंद्राकर के चचेरे भाई भूपेंद्र चंद्राकर, राइस मिल एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर एवं गोपाल गांधी के ठिकानों पर जांच पूरी कर ली है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छापा मार कार्रवाई के दौरान नकदी 66.9 लाख रुपए, 37.13 किलोग्राम चांदी की ईंट, अन्य चांदी की वस्तुएं तथा डिजिटल उपकरण सहित विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं। दूसरी ओर इस जांच के दौरान ईडी के अफसरों से उलझने तथा शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने वाले गोपाल गांधी के दोनों भाई सत्यनारायण और जयप्रकाश के खिलाफ अभनपुर थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने सोमवार को भारत माला परियोजना मुजावजा घोटाला के मामले में भूपेंद्र चंद्राकर, रोशन चंद्राकर एवं गोपाल गांधी सहित अन्य के अभनपुर, रायपुर, धमतरी और कुरुद स्थित 8 ठिकानों पर छापा मारा था। ईडी ने इस छापेमारी के दौरान इन ठिकानों से क्या-क्या बरामद किए गए, इसका खुलासा प्रेस नोट जारी कर किया है। ईडी ने बताया कि पीएमएलए 2002 की धारा 17 के तहत प्रदेश के अभनपुर, रायपुर, धमतरी और कुरुद में स्थित 8 ठिकानों पर तलाशी ली गई। यह तलाशी भारतमाला योजना के तहत रायपुर-विशाखापत्तनम राजमार्ग परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण में मुआवजा प्राप्त करने के मामले में किया है। तलाशी के दौरान इन ठिकानों से कुल 66.9 लाख रुपए, 37.13 किलोग्राम वजन की चांदी की ईंटें, अन्य चांदी की वस्तुओं के अलावा डिजिटल उपकरण और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए है।

ईडी अफसरों ने बताया कि भारत माला परियोजना मुआवजा घोटाला में ईडी ने तब जांच शुरू की जब इस मामले में एसीबी-ईओडब्ल्यू रायपुर ने जांच करते हुए तत्कालीन एसडीओ (राजस्व) निर्भय साहू और अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत एक एफआईआर दर्ज किया। इस एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके, रायपुर-विशाखापत्तनम राजमार्ग परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित सरकारी भूमि अभिलेखों में हेराफेरी और जालसाजी करके अवैध रूप से मुआवजा प्राप्त किया।

ईडी की कार्रवाई पर अजय चंद्राकर ने कहा- नो कमेंट्स

भारत माला मुआवजा घोटाला में चचेरे भाई के ठिकानों पर ईडी की जांच को लेकर पूर्व मंत्री एवं विधायक अजय चंद्राकर ने कुछ भी कमेंट्स करने से मना कर दिया।

साजिश रचकर अतिरिक्त मुआवजा पाया

ईडी की जांच में यह भी पता चला कि आरोपियों ने कुछ सरकारी कर्मचारियों और अन्य व्यक्तियों के साथ आपराधिक साजिश रचकर तथा धोखाधड़ी कर अतिरिक्त मुआवजा प्राप्त किया। उन्होंने ऐसा तब किया जब एनएचएआई रायपुर द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 की धारा 3ए के तहत अधिसूचना जारी की जा चुकी थी। इसके बावजूद उन्होंने जानबूझकर भूमि का स्वामित्व हस्तांतरित किया, साथ ही धारा 3डी के तहत अधिसूचना जारी होने से पहले ही भूमि के कई छोटे-छोटे टुकड़े (होल्डिंग्स) बना लिए। जांच में यह भी सामने आया कि संशोधित, हेराफेरी किए गए खसरा अभिलेखों के आधार पर मुआवजा स्वीकृत और वितरित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप मुआवजे का भुगतान बढ़ा-चढ़ाकर किया है। इस प्रकार प्राप्त अतिरिक्त मुआवजा अपराध की आय की श्रेणी में आता है, जिससे सरकारी खजाने को अनुचित नुकसान हुआ और आरोपियों को अवैध लाभ प्राप्त हुआ।

142 विधानसभा सीटों पर आज मतदान

ममता समेत कई दिग्गजों की किस्मत ईवीएम में होगी 'कैद' 3.2 करोड़ वोटर करेंगे फैसला

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अब अपने सबसे अहम पड़ाव पर पहुंच गया है। पहले चरण में भारी मतदान के बाद राजनीतिक सरगर्मियां और तेज हो गई हैं और अब सबकी निगाहें दूसरे और अंतिम चरण पर टिकी हैं, जहां बुधवार को मतदान होगा। दूसरे चरण में कुल 142 विधानसभा सीटों पर 1,448 उम्मीदवार मैदान में हैं। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस ने सभी 142 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 141 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने करीब 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, दूसरे चरण का मतदान पूर्वी बर्दवान, हावड़ा, हुगली, कोलकाता, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और नादिया में होगा। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, दूसरे चरण के लिये 1463 नामांकन प्राप्त हुए। इनमें 15 लोगों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। दक्षिण 24 परगना के भांगड़ विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 19 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं ।

दूसरा चरण

142 सीटें

1448 उम्मीदवार

3,21,73,837 मतदाता

2321 कंपनियां तैनात

सबसे चर्चित सीट

सबसे चर्चित मुकाबला कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट पर है, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी आमने-सामने हैं। वर्ष 2021 के चुनाव में नंदीग्राम में दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था, जिसमें शुभेंदु अधिकारी ने जीत दर्ज की थी। इस बार भवानीपुर में करीब 6.79 लाख मतदाता अपने वोट से इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले का फैसला करेंगे।

आज एक्जिट पोल, 4 मई को आएंगे नतीजे

पश्चिम बंगाल में अंतिम चरण का मतदान पूरा होते ही पांच राज्यों में हुए विस चुनाव के एक्जिट पोल बुधवार शाम को आएंगे। इसके बाद आगामी चार मई को मतगणना के बाद यह स्पष्ट होगा कि पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में किस पार्टी को बहुमत मिलेगा। यदि तृणमूल कांग्रेस जीत दर्ज करती है, तो ममता बनर्जी लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी। कुल मिलाकर, 29 अप्रैल का मतदान पश्चिम बंगाल की राजनीति के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। 3.21 करोड़ मतदाता यह तय करेंगे कि बंगाल की सत्ता यथावत रहेगी या परिवर्तन होगा।

पिता का शव मिला, बेटी की तलाश

नहाने गए पिता-पुत्री तांदुला नहर में बहे, भतीजी को बचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

तांदुला नहर में नहाने गए पिता और बेटी की डूबने से मौत हो गई। नहाने के दौरान पिता ने अपनी 12 साल की बेटी को तैरना सिखाने की बात कहते हुए नहर के अंदर गहराई तक चले गए और नहर के तेज बहाव में बह गए। पिता की लाश को पुलिस ने नहर से निकाल लिया है। देर रात तक बेटी का शव नहीं मिल सका। अब बुधवार को फिर बेटी की तलाश की जाएगी।

ग्राम पीपरछेड़ी में अपने ससुराल में रह रहे यमशन गंजीर 35 वर्ष अपनी 12 वर्ष की बेटी पालकी गंजीर एवं भतीजी के साथ गांव के पास बहने वाले तांदुला नहर में ▶▶|शेष पेज 5 पर

सूचना पर पहुंची पुलिस

ग्रामीणों की सूचना पर हल्दी चौकी की प्रभारी लता तिवारी पुलिस बल के साथ तत्काल पहुंची एवं बचाव दल के माध्यम से तलाश की गई। मृतक यमशन गंजीर कुछ समय पहले ही पखांजूर से ट्रांसफर होकर जिला अस्पताल बालोद में 108 में डॉक्टर के पद पर कार्य कर रहा था।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा फिर दो वॉचमैन पर चाकू से वार

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पुलिस ने मुंबई के पास मीरा रोड पर 31 साल के एक व्यक्ति को दो सिक्योरिटी गार्ड पर चाकू से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने गार्ड से उनके धर्म के बारे में पूछा था और यह भी पूछा था कि क्या वे 'कलमा' (इस्लामी आस्था की घोषणा) पढ़ सकते हैं, जिस पर गार्ड ने मना कर दिया था। आरोपी की पहचान जैब जुबैर अंसारी के रूप में हुई है।

- आरोपी जैब जुबैर अंसारी गिरफ्तार, मिला पहलगाम कनेक्शन

वह आईएसआईएस के प्रोपेगैंडा वीडियो देखता था और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस हमले का कोई वैचारिक या चरमपंथी संबंध है। सूत्रों की मानें तो आरोपी के तार पहलगाम हमले से भी जुड़ रहे हैं। पुलिस के अनुसार मीरा रोड के नया नगर इलाके में सोमवार सुबह करीब 4 बजे एक सनसनीखेज घटना हुई।

अमेरिका में की पढ़ाई

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अंसारी की ऑनलाइन गतिविधियों में कथित तौर पर आईएसआईएस से जुड़े प्रोपेगैंडा वीडियो बार-बार देखना शामिल था। सूत्रों के मुताबिक, अंसारी ने 2019 तक अमेरिका में पढ़ाई की थी, जिसके बाद वह भारत लौट आया और मीरा रोड पर किराए के मकान में अकेला रहने लगा। जांचकर्ताओं को यह भी पता चला कि उसके मकान मालिक ने कथित तौर पर उसे 5 मई तक किराए का फ्लैट खाली करने के लिए कहा था।

मची खलबली तो टूटी अधिकारियों की नींद, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

बैंक ने मांगा सबूत तो बहन का कंकाल लेकर पहुंचा भाई

एजेंसी ▶▶| क्योंझर

ओडिशा से एक परेशान कर देनेवाली खबर सामने आई है। इस घटना ने क्योंझर में ग्रामीण भारत में बैंकिंग जागरूकता और प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं। क्योंझर जिले में एक आदिवासी अपनी मृत बहन का कंकाल बैंक ले आया। उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उसे कहा गया था कि वह खाताधारक को खुद बैंक में पेश करे। जबकि अकाउंट होल्डर महिला की मौत हो चुकी थी। यह घटना पटना ब्लॉक में ओडिशा ग्रामीण बैंक की मालीपोसी शाखा में हुई। इस व्यक्ति की पहचान जीतू मुंडा (50) के रूप में हुई है, जो दियानाली गांव का रहने वाला है। वह अपनी दिवंगत बहन के खाते से 20,000 रुपए निकालने की कोशिश कर रहा था। उसकी बहन, कालरा मुंडा ▶▶|शेष पेज 5 पर

चक्कर काटने पर भी नहीं निकला कैश

बैंक के बार-बार चक्कर लगाने के बाद निराश होकर, जीतू ने एक बेहद कड़ा कदम उठाया। हालात की जानकारी मिलने के बाद पुलिस बैंक पहुंची और तुरंत मामले में हस्तक्षेप किया। पटना पुलिस स्टेशन के आईआईसी किरण प्रसाद साहू के अनुसार, जीतू को बैंकिंग की बुनियादी बातों की जानकारी नहीं थी।

आदिवासी होने के नाते नहीं बना सर्टिफिकेट

पुलिस ने बताया कि जीतू एक आदिवासी है। उसकी बहन के अकाउंट में बीस हजार रुपए थे। उनकी शादी नहीं हुई थी, वह जीतू के पास ही रहती थीं। जब उनका निधन हो गया तो वह बैंक में रकम निकालने गया। बैंकवालों ने खाताधारक को लाने की बात कही। जीतू ने कहा कि उनका निधन हो गया है लेकिन बैंकवालों ने उससे डेथ सर्टिफिकेट और उत्तराधिकार के कागज मांग लिए। चूंकि जीतू एक आदिवासी है इसलिए उसके पास अपनी बहन का न तो मृत्यु प्रमाण पत्र था और न ही उत्तराधिकार के कागज।

क्या बोले अफसर

अधिकारियों ने जीतू को आश्वासन दिया कि वे उचित कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से, मृत खाताधारक के खाते से पैसे निकालने की प्रक्रिया पूरी करने में उसकी मदद करेंगे। घटना के बाद, पुलिस की मौजूदगी में कंकाल को पूरे सम्मान के साथ दोबारा दफना दिया गया। ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर मानस दंडपत ने कहा कि यह मामला पहले उनके संज्ञान में नहीं लाया गया था। मुझे आज ही इस बारे में पता चला। हम देखेंगे कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए क्या किया जा सकता है। प्रशासन ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि नियमों के अनुसार, बिना किसी और देरी के जीतू को पैसे मिल जाएं।

तोतेबाजों ने भरे बाजार रेंजर समेत वनकर्मियों को बंधक बनाया, खंभे में बांधकर पीटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पहाड़ी मैना बेचे जाने की सूचना पर संजय बाजार पहुंचा था वन अमला, आरोपी कुछ ही घंटों में जमानत पर छूटे

कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित संजय बाजार में पहाड़ी मैना की अवैध बिक्री की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम को तोतेबाजों के गुस्से का शिकार होना पड़ा। आरोपियों ने रेंजर समेत कर्मचारियों को बंधक बनाकर जमकर पिटाई कर दी। रिपोर्ट पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक संजय बाजार में पहाड़ी मैना बेचने की सूचना वन विभाग को मिली थी। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंची और आरोपियों को रोकने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद तस्करों ने विरोध करते हुए वन विभाग की टीम पर हमला बोल दिया। देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई और टीम के सदस्यों के साथ हाथापाई शुरू हो गई। आरोपियों ने वन विभाग के दो अधिकारियों को पकड़ लिया और उन्हें रस्सी से बिजली के खंभे से बांध दिया। इसके बाद उनके साथ मारपीट की गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद वन विभाग ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

अलग खबर

13 तोते के बच्चों को किया बरामद

इस दौरान आरोपियों ने फ्लाइंग स्क्वॉड प्रभारी अक्षय कश्यप और उनके साथ मौजूद रेंजर पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं रेंजर को खंभे से बांधकर मारपीट करने का मामला भी सामने आया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। वन्यजीव तस्करी सरकारी कार्य में बाधा और मारपीट मामले की पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि वन्यजीव तस्करी पर वन विभाग की टीम ने छापेमारी कर 13 तोते के बच्चों को बरामद किया है जो बेचने के लिए आरोपी बाजार में लेकर पहुंचे थे।

तीन आरोपी किए गिरफ्तार

एसआई अरूण मरकाम ने बताया कि प्रार्थी वन विभाग के कोलेंग परिक्षेत्र अधिकारी अक्षय कश्यप की रिपोर्ट पर आरोपी विक्रम मजूमदार 24 वर्ष पिता मधुसूदन मजूमदार 51 वर्ष निवासी धरमपुरा तथा किशोर माझी 37 वर्ष निवासी नयामुण्डा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। बताया जा रहा है कि सभी आरोपियों को न्यायालय से जमानत पर रिहा किया गया है। कोतवाली पुलिस ने वन विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान गालीगलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने और शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ धारा 296, 351, 121, 132, 221, 3 (5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया हैं।

मुझे और बीट गार्ड को पीटा

मुखबिर से सूचना मिलने पर डीएफओ को सूचित करने के बाद 5 लोगों की टीम संजय बाजार पहुंची। बताया गया था कि एक सब्जी व्यापारी तोते के बच्चों को बेचने का काम कर रहा है। वहां पहुंचने के दौरान पूछताछ के बीच लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। मुझे और बीट गार्ड पूरन ठाकुर को खंभे में बांधकर 40-50 लोगों ने बुरी तरह पीटा।

-अक्षय कश्यप, रेंज अफसर कोलेंग परिक्षेत्र

एनएच-30 पर हादसा किशोर की गई जान

कोण्डागांव। नेशनल हाईवे–30 पर रायपुर नाका के पास सोमवार रात करीब 10:45 बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, पीछे से आ रहे ट्रक चालक ने लापरवाहीपूर्वक ओवरटेक करने की कोशिश की, जिससे सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर लग गई। हादसे में बाइक सवार 17 वर्षीय रुबेन सैमुअल उर्फ हनी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का साथी राहुल नेताम गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका एक पैर बुरी तरह जख्मी हो गया है। उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को जिला अस्पताल भेजा, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच जारी है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। परिजनों ने लापरवाह चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ओडिशा से आया पास्टर कर रहा था ईसाई धर्म का प्रचार, पिटाई से रेटावण्ड में बवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

दोनों पक्षों को पुलिस ने दी समझाइश, मामला हुआ शांत पर फोर्स तैनात

खास खबर

बस्तर थाना क्षेत्र के रेटावण्ड में बाहरी पास्टर द्वारा किए जा रहे ईसाई धर्म के प्रचार के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। दो दिन पूर्व से चल रहा मामले के तूल पकड़ने के बाद दोनो पक्षों में जमकर मारपीट व लाठी डंडे चलने की खबर है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाइश दी और मामला शांत कराने का प्रयास किया। मंगलवार को दोनों पक्षों को थाना बुलाया गया। समझाइश दी गई जिसके बाद मामला शांत हो सका। बावजूद गांव में ऐहतियातन फोर्स की तैनाती कर पेट्रोलिंग की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक गांव में एक परिवार को लेकर विवाद की स्थिति बन गई है। बताया जा रहा है कि ओडिशा से आया यह परिवार कुछ समय से गांव में रह रहा था। ग्रामीणों ने परिवार पर गांव में रहने के साथ बतौर पास्टर धर्म प्रचार करने का आरोप लगाया है। ईसाई धर्म के प्रचार से गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया। ग्रामीणों और पास्टर पक्ष के बीच विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट की नौबत आ गई इस दौरान गांव में दोनों पक्षों में जमकर बवाल हो गया। घटना के बाद इसकी सूचना बस्तर थाना को मिली जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाईश दी। विशेष समुदाय के लोगों ने आवेदन देकर मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई। समुदाय की ओर से परिवार के साथ मारपीट, गाली-गलौज और डराने-धमकाने के आरोप लगाया गया है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि बाहरी व्यक्ति गांव में स्थायी रूप से न रहे और गांव में धर्म प्रचार जैसी गतिविधियां बंद हों, इसी मांग को लेकर विरोध किया गया था।

परिवार बच्ची की पढ़ाई के बाद गांव छोड़ने सहमत

बस्तर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव के प्रमुखों के अलावा सरपंच, उपसरपंच, कोटवार और दोनों पक्षों को थाने बुलाकर समझाइश दी। बैठक में सहमति बनी कि ओडिशा के नवरगंपुर से सालभर पहले आए पास्टर किशोर भतरा उसकी पत्नी अपनी बच्ची की परीक्षा समाप्त होने के बाद गांव छोड़ देगा और दूसरी जगह रहेगा। समझाइश के बाद फिलहाल मामला शांत हो गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांति बनाए रखने और भविष्य में किसी भी प्रकार के विवाद से बचने की हिदायत दी है। बहरहाल पुनः किसी तरह का बवाल न हो और तनाव कि स्थिति निर्मित ना हो इसके लिए गांव में फोर्स की तैनाती की गई है और लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है।

बंद हमर क्लिनिक में लगी आग, फाइलें व दस्तावेज राख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खैरागढ़

खैरागढ़ शहर के अम्लीपारा वार्ड स्थित हमर क्लिनिक में सोमवार रात अचानक आग लग गई। इस आगजनी की घटना में हमर क्लिनिक के भीतर रखे कई दस्तावेज भी जलकर खाक हो गए। बड़ी बात यह है कि अब तक इस हमर क्लिनिक का संचालन शुरू नहीं हो पाया था, वहीं इसमें अभी बिजली कनेक्शन भी नहीं लिया गया था। ऐसे में आगजनी को लेकर सवाल उठ रहे है। बताया गया कि अमलीपारा वार्ड में लाखों रुपये की लागत से तैयार क्लिनिक भवन, जो आज तक मरीजों के लिए खुल ही नहीं पाया, सोमवार देर रात अचानक आग की चपेट में आ गया। यह क्लिनिक पूर्ववर्ती सरकार के समय बनकर तैयार हुआ था और इसका उद्देश्य था कि स्थानीय लोगों को घर के पास ही निःशुल्क उपचार, दवाइयां और बुनियादी जांच सुविधाएं मिल सकें। लेकिन हकीकत यह रही कि उद्घाटन के महीनों बाद भी यहां स्वास्थ्य सेवाएं शुरू नहीं हो पाई।

यहीं कारण है की यह भवन एक तरह से स्टोर रूम में तब्दील हो गया, जहां राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से जुड़े दस्तावेज रखे जा रहे थे। अब आग लगने के बाद यही दस्तावेज जलकर नष्ट हो गए हैं, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

नहीं था बिजली कनेक्शन

भवन में बिजली कनेक्शन चालू नहीं था, इसलिए शॉर्ट सर्किट की संभावना नहीं है। आगजनी को लेकर जाँच की जा रही है।

-डॉ. आशीष शर्मा
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

छुट्टियों के दौरान मई और जून में 8 अवकाशकालीन कोर्ट लगेंगे

हाईकोर्ट में ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा 18 मई से 12 जून तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने नोटिफिकेशन जारी कर ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा की है। जारी आदेश के तहत 18 मई सोमवार से 12 जून शुक्रवार तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। इसके बाद 15 जून सोमवार से हाईकोर्ट में नियमित कामकाज प्रारंभ होगा। छुट्टियों के दौरान 19, 21, 26 और 28 मई, 2026 और 2, 4, 9 और 11 जून, 2026 को अवकाशकालीन कोर्ट लगेंगे।

इसके साथ ही अवकाशकालीन न्यायाधीशों की बैठक और तत्काल मामलों तथा पुराने मामलों को दाखिल करने और सूचीबद्ध करने के संबंध में इस तरह आदेश जारी किया है। गर्मी की छुट्टियों के दौरान, सभी दीवानी, आपराधिक, रिट याचिका संबंधी मामले दर्ज किए जाएंगे। किसी भी आपात स्थिति में अवकाशकालीन की स्वीकृति प्राप्त करने के बाद किसी अन्य न्यायाधीश के साथ अपनी कार्यभार का आदान-प्रदान कर सकते हैं। अवकाशकालीन न्यायाधीश सुबह 10:30 बजे से डिवीजन बेंच कोर्ट लगाएंगे और आवश्यकता पड़ने पर कोर्ट के समय के बाद भी सुनवाई जारी रख सकते हैं।

छत से गिरे मासूम की मौत

धमतरी। खेलते समय एक मासूम अचानक छत से गिर गया। घटना में गंभीर रूप से घायल बच्चे की अस्पताल में मौत हो गई। अस्पताल चौकी पुलिस के अनुसार प्रियांशु साहू पिता लीलूराम उम्र 7 वर्ष ग्राम मडियापार थाना गुंडरदेही निवासी तीसरी कक्षा का छात्र था। इन दिनों प्रियांशु अपनी बड़ी बहन के साथ गर्मी छुट्टी मनाने अपने चाचा घनश्याम साहू के घर बालोद गया था।

डॉ.वाशानी
दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
HMS मस्सा नाशक

जमीन विवाद पर तीन लोगों की हत्या, तीन बार आजीवन कारावास की सजा बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाई कोर्ट ने घायल गवाह के बयान को हत्या का पुख्ता साक्ष्य मानते हुए जमीन विवाद पर तीन लोगों की हत्या करने के आरोपी पिता-पुत्र की सजा के खिलाफ पेश अपील को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि एक "संबंधित" गवाह, जो एक घायल गवाह भी है, जो क्राइम की जगह पर नैचुरली मौजूद हो सकता है, उसकी गवाही को सिर्फ़ इसलिए खारिज नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह पीड़ित से जुड़ा है और कोर्ट को उसके बयान की भरोसेमंदता, एक जैसापन और तालमेल का आकलन करना चाहिए।

तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम जोबा की घटना

तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम जोबा में 11 सितंबर 2025 को आरोपी परसराम गायकवाड़ और बृज सेन गायकवाड़ ने जमीन बंटवारे के विवाद में ओसराम गायकवाड़ के घर मे घुसकर उसकी पत्नी जागृति, 16 वर्षीय पुत्री टीना गायकवाड़, 9 वर्षीय पुत्र मनीष गायकवाड़ की गला काट कर हत्या कर दी। साथ ही दूसरे कमरे में मौजूद पुत्री गीतांजलि गायकवाड़, ओमान गायकवाड़ व ओस राम की बुजुर्ग माँ अनारबाई गायकवाड़ को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को आईपीसी की धारा 459 के तहत 10 वर्ष के लिए साधारण कारावास, धारा 302 के साथ 34 के तहत (तीन बार) आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के खिलाफ आरोपियों ने हाई कोर्ट में अपील पेश की थी। अपील में आरोपियों ने मामले में स्वतंत्र गवाह नहीं होने व घायल गवाहों के पीड़ितों से सम्बंधित होने के कारण भरोसेमंद नहीं होने की बात कही गई थी। हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज किया है। कोर्ट ने कहा कि हत्या के इरादे से हमला किया गया और उन्हें गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाया गया। इसलिए आरोपी की सज़ा और दोषसिद्धि को बरकरार रखा जाता है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल
(महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं • 24x7 डिलीवरी • शिशु रोग • दूरबीन द्वारा ऑपरेशन • सोनोग्राफी • बांझपन का इलाज • खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

दक्षिका हेल्थ केयर & डायबिटिक सेंटर
(डायबिटिक, थायरॉइड, ब्लड प्रेशर, ओबेसिटी, वैक्सीनेशन, हार्ट केयर)
ADULT VACCINATION CENTER
जहाँ Diabetes, Thyroid, Hypertension (Blood Pressure) का मिलता है Expert Care"
▪Better Experience ▪ Fully Dedication ▪ Accurate
डॉ. दीपक जायसवाल MBBS, MD (General Medicine) PGDIC, CCEBDM (Diabetes), FICP Senior Consultant Physician & Diabetologist
डॉ. नेहा रानी गुप्ता BDS, MDSDental Specialist (दंत सुविधा उपलब्ध)
पता : शॉप नं. 14 एवं 15, ग्राउंड फ्लोर, EDGE COMPLEX मोवा रायपुर :9202222391, 8871865551, 7723068129

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफडे का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता :- 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

रायपुर, बुधवार 29 अप्रैल 2026 | बैशाख शुक्ल पक्ष त्रयोदशी | वर्ष : 24, अंक : 278 | पृष्ठ : 12+4+4 =20, मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- चिकित्सा विशेषज्ञों ने जताई चिंता, ज्यादा स्क्रीन टाइम का सेहत पर विपरीत असर
- बड़ों की तुलना में किशोर वर्ग ज्यादा आदी, ऑनलाइन पढ़ाई से बदली आदत

स्मार्ट फोन...लत बेहद बुरी, अस्पतालों में थोक में मामले, आंखों नसों, हड्डियों के साथ मानसिक अवसाद का भी बड़ा कारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

बदलती लाइफ स्टाइल के बीच स्मार्टफोन हमारी जरूरत नहीं कमजोरी बनने लगा है। ऑनलाइन माध्यम से जानकारियों को समेटने वाला यह फोन सुविधा के बजाए सेहत के लिए नुकसानदायक होने लगा है। ज्यादा स्क्रीन टाइम आंखों के साथ न्यूरोलॉजिकल और हड्डियों से संबंधित समस्याएं भी पैदा कर रहा है। इसकी परफेक्ट दुनिया मानसिक अवसाद का कारण भी बन रही है। अस्पतालों की ओपीडी में इससे जुड़े थोक मामले चिंता का कारण बन गए हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ मोबाइल (स्मार्ट फोन) के निजी जीवन में बढ़ रहे हस्तक्षेप पर चिंता जता रहे हैं। उनका तर्क है कि हर वर्ग के लोगों को स्क्रीन टाइम कम करने की जरूरत है। मोबाइल की लत बड़ों की तुलना में किशोरावस्था के लोगों को ▶▶|शेष पेज 5 पर

चिकित्सकों का कहना

रील और रियल लाइफ में फर्क समझें

मनोस्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. डीएस परिहार के मुताबिक लोगों को रील और रियल लाइफ में फर्क करना आवश्यक है। लोग सोशल मीडिया में मिलने वाले लाइक को अपना दोस्त मानने लगते हैं, मगर ऐसा नहीं है। मोबाइल का उपयोग ▶▶|शेष पेज 5 पर

पैदा होती है हड्डियों की समस्या

आंबेडकर अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. राजेन्द्र अहिरे के अनुसार मोबाइल देखने के लिए कंधे और गर्दन को झुकाना पड़ता है। लगातार उपयोग के दौरान एक ही मुद्रा में बैठे रहने की वजह से हड्डियों की समस्या पैदा कर सकता है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

अनिद्रा और माइग्रेन जैसी समस्या

डीके अस्पताल के न्यूरो सर्जन डा. राजीव साहू के मुताबिक स्मार्ट फोन से निकलने वाली लाइन नींद लाने वाले हार्मोन के स्तर को बिगाड़ देती है। ज्यादा देर तक स्क्रीन देखने से दिमाग शांत नहीं हो पाता, जिससे सिरदर्द, माइग्रेन और ▶▶|शेष पेज 5 पर

कंप्यूटर विजन सिंड्रोम की परेशानी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. दिनेश मिश्रा ने अनुसार ज्यादा स्क्रीन टाइमिंग की वजह से कंप्यूटर विजन सिंड्रोम की परेशानी होती है। इससे आंखों में सूखापन, जलन, सिरदर्द, नेत्र कमजोर होने की समस्या होती है। आंखों की समस्या लेकर आने वाले ▶▶|शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

अमृत भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देते हुए दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इनमें वाराणसी से पुणे (हडपसर) और अयोध्या से मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) के बीच ट्रेन शामिल हैं। यह कदम धार्मिक पर्यटन और आर्थिक गतिशीलता दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

चिकन करी विवाद पर पति की हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना के कामारेड्डी कस्बे में 'चिकन करी' न बनाने को लेकर हुए विवाद के बाद एक महिला ने अपने पति की कथित तौर हत्या कर दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 25 अप्रैल की रात महिला (28) ने अपने घर में अपने पति (35) पर हंसिये से हमला किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला का पति एक कबाड़ विक्रेता था। व्यक्ति शराब का आदी था और अपनी पत्नी को 'परेशान' करता था।

कार दुर्घटना में चार की मौत, दो घायल

विजयनगरम। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर तेज गति से जा रही एक कार से कुचल कर दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस हादसे में कार में सवार दो लोगों की भी मौत हो गई। यह हादसा सोमवार देर रात उस समय हुआ, जब श्रीकाकुलम से विशाखापत्तनम की ओर जा रही कार कथित रूप से तेज गति के कारण अनियंत्रित हो गई।

ट्रैक पर ब्लास्ट, मिली आरोपी की लाश

चंडीगढ़। खालिस्तान समर्थक आतंकी मॉड्यूल ने पटियाला के शंभू इलाके के पास एक मालगाड़ी कॉरिडोर की पटरी पर देर रात विस्फोट किया और इस दौरान मॉड्यूल का एक सदस्य भी मारा गया। पुलिस ने बताया कि मॉड्यूल के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोट सोमवार रात शंभू-अंबाला रेलवे पटरी के पास हुआ। शुरू में इसे कम तीव्रता का विस्फोट माना गया था लेकिन बाद में जांच से पता चला कि यह पटरी को विस्फोट से उड़ाने की साजिश थी।

भगोड़े से 50 लाख रुपए की हेरोइन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में भगोड़ा घोषित किए गए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से करीब 50 लाख रुपए मूल्य की 100 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी की पहचान दिल्ली निवासी 31 वर्षीय विजय के तौर पर हुई है और उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

सरकार से गुहार : "ऑपरेशन रोकने" की कगार पर एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट

महंगे जेट फ्यूल और लंबे रूट्स ने बढ़ाया संकट, एयरलाइंस बोलीं-उड़ान मुश्किल

अमेरिका-ईरान जंग और होर्मुज बंद होने से कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, तो एयरलाइंस कंपनियों की मुसीबतें भी बढ़ गई हैं। भारत की प्रमुख एयरलाइंस एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने कहा है कि वे "ऑपरेशन रोकने" की कगार पर हैं।

उन्होंने जेट फ्यूल की ऊंची कीमतों के बीच सरकार से "तुरंत दखल" की मांग की है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री को चिट्ठी लिखी है और एयरलाइंस के लिए भारी नुकसान और विमानों के ग्राउंड होने से बचने के लिए कुछ कदम सुझाए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

- फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सरकार को लिखी चिट्ठी

भारतीय एयरलाइंस संकट में नजर आ रही हैं। एयर इंडिया से लेकर इंडिगो और स्पाइसजेट समेत तमाम एयरलाइन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को एक पत्र लिखकर अपनी परेशानी बताई है और चेतावनी देते हुए कहा है कि विमान ईंधन (एयर टर्बाइन फ्यूल) की कीमतों में तेज इजाफा होने से एविएशन सेक्टर बेहद तनाव का सामना कर रहा है। एफआईए ने अपने लिखे पत्र में एविएशन मिनिस्ट्री से कहा है कि मौजूदा लागत का माहौल कई एयर रूट्स को आर्थिक रूप से अव्यवहार्य बना रहा है। अगर एटीएफ की कीमत इसी तरह हाई पर बने रहते हैं, तो एयरलाइंस को अपने परिचालन का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। लेटर में एविऐशन सेक्टर की चिंता का सबसे बड़ा कारण एटीएफ की कीमतों में हुआ तेज इजाफा बताया गया है।

विमान ईंधन की कीमत में बेवजह बढ़ोतरी से एयरलाइंस को भारी नुकसान

अंतरराष्ट्रीय उड़ानें पूरी तरह से अव्यावहारिक

एयरलाइंस ने कहा कि हालात ने व्यावहारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन को, घरेलू ऑपरेशन के साथ-साथ, पूरी तरह से अव्यावहारिक बना दिया है। अप्रैल में एविएशन सेक्टर को भारी नुकसान हुआ है। एफआईए ने तुरंत दखल की मांग की और कहा कि मौजूदा हालात घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन्स में भारी असंतुलन पैदा कर रहे हैं। इससे एयरलाइन नेटवर्क भी अव्यावहारिक और अस्थिर होते जा रहे हैं।

अमेरिका और ईरान युद्ध से बढ़ी परेशानी

भारतीय एयरलाइंस कंपनियों की इस परेशानी का सीधा कनेक्शन अमेरिका-ईरान युद्ध से है। दरअसल इस तनाव के चलते होर्मुज बंद होने से कच्चे तेल की ग्लोबल कीमतों में तगड़ा इजाफा हुआ है।

इधर, सरकार ने कहा-महंगा नहीं होगा पेट्रोल-डीजल

सरकार की पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में मतदान समाप्त होने के बाद कीमतों में बढ़ोतरी की अटकलों को खारिज किया। पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों के प्रभाव पर एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा, पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

एटीएफ पर हटे एक्साइज ड्यूटी

विमान ईंधन की कीमतों में तेजी के चलते परिचालन जारी रखने के लिए जूझ रही कंपनियों की समस्या के समाधान के लिए एफआईए ने सरकार से एटीएफ पर लगने वाली 11% एक्साइज ड्यूटी को अस्थायी रूप से हटाने की डिमांड की है। इसके साथ ही राज्य स्तर पर वैट में कमी लाने के लिए दबाव डालने का आग्रह भी किया है, जो कि कुछ राज्यों में 25 फीसदी तक है।

यूएई की एक मई से ओपेक से अलग होने की घोषणा

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मंगलवार को घोषणा की कि वह एक मई से तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक और इसके व्यापक समूह 'ओपेक प्लस' को छोड़ देगा। यह कदम पिछले काफी समय से चर्चा में था, क्योंकि यूएई उत्पादन प्रतिबंधों के कारण असहज महसूस कर रहा था और पड़ोसी देश सऊदी अरब के साथ उसके संबंधों में भी खटास आ रही थी। यूएई लंबे समय से ओपेक का सदस्य रहा है। पहले 1967 में अबू धाबी अमीरात के रूप में और बाद में 1971 में यूएई के एक स्वतंत्र देश बनने के बाद वह इसका हिस्सा बना था।

लाल सागर को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही: वियना स्थित तेल गठबंधन ओपेक में लंबे समय से सऊदी अरब की प्रभावी भूमिका रही है। हालांकि, हाल के वर्षों में अमेरिका द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि करने से इस संगठन की बाजार शक्ति में कुछ कमी देखी गई।

मां, बेटे व नाती की एक साथ उठी अर्थी बस्ती में कोहराम

- उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम फरसवानी के समीप देर रात को हुआ हादसा, तीन घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

शहर के कांशीनगर बस्ती में एक ही परिवार के तीन सदस्यों मां, बेटे और नाती की एक साथ अर्थी उठी। इस हृदय विदारक घटना से पूरी बस्ती में कोहराम मच गया और वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई। दरअसल बेटी की शादी के बाद उसके ससुराल में रिसेप्शन में शामिल होने चांपा गए शहर के टेंट कारोबारी की कार लौटते समय फरसवानी के पास ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार सवार मां, ▶▶|शेष पेज 5 पर

बड़े भाई की पुत्री की 26 अप्रैल को हुई थी शादी

बताया जाता है कि कांशीनगर निवासी जितेंद्र सोनी व विरेंद्र सोनी दोनों सगे भाई हैं जो शहर में टेंट का काम करते हैं। जितेंद्र सोनी बड़ा भाई है जिसकी पुत्री राजनंदनी की शादी 26 अप्रैल को शहर के टॉप इन टाउन में शादी हुई थी। जिसके बाद 27 अप्रैल को पड़ोसी जिला जांजगीर चांपा में रिसेप्शन ▶▶|शेष पेज 5 पर

झपकी आने से हादसा होने की जताई जा रही संभावना

बताया जाता है कि देर रात को चांपा में रिसेप्शन पार्टी संपन्न होने के बाद सोनी परिवार अलग-अलग कार में सवार होकर चांपा से कोरबा के लिए रवाना हुए थे इस दौरान कर उनका पुत्र देवेंद्र सोनी ▶▶|शेष पेज 5 पर

दाऊद गैंग को बड़ा झटका

तुर्किये से भारत लाया गया कुख्यात ड्रग तस्कर सलीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बॉर्डर पार से ड्रग तस्करी करने वाले नेटवर्क पर लगाम लगाने के क्रम में भारतीय कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। फरार गैंगस्टर सलीम इस्माइल डोला को तुर्किये से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने मंगलवार को कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को तुर्किये से वापस लाने में सफलता हासिल की। डोला (59) को मार्च 2024 में भारत के अनुरोध पर जारी इंटरपोल के रेड नोटिस के आधार पर तुर्किये में गिरफ्तार किया गया था।

हाल में ही तुर्किये में किया गया था गिरफ्तार

डोला को हाल ही में तुर्किये के इस्तांबुल में स्थानीय कानून प्रवर्तन और खुफिया इकाइयों के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी केंद्रीय जांच ब्यूरो के अनुरोध पर जारी इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हुई थी। भारतीय अधिकारी, विशेष रूप से मुंबई पुलिस, कई वर्षों से मादक पदार्थों से संबंधित विभिन्न मामलों में उनकी हिरासत की मांग कर रहे थे।

5,000 करोड़ का ड्रग साम्राज्य

दुनिया भर में ड्रग तस्करी का नेटवर्क फैलाने वाले सलीम डोला का जन्म 1966 में मुंबई में हुआ था और वह बहुत कम उम्र में ही अंडरवर्ल्ड के करीब आ गया था। डोला लगभग 5,000 करोड़ रुपए के ड्रग साम्राज्य का संचालन करता था, जिससे वह इस सिंडिकेट के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक बन गया था। उसकी गिरफ्तारी को दाऊद नेटवर्क के लिए ही नहीं, बल्कि उसके कथित वित्तीय चैनलों के लिए भी एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

शाह बोले- सीमा पार मजबूत पकड़

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसे मादक पदार्थ के गिरोहों के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति बताते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार के मादक पदार्थ गिरोहों को बेरहमी से कुचलने के मिशन के तहत, मादक पदार्थ के खिलाफ हमारी एजेंसियों ने वैश्विक एजेंसियों के एक मजबूत नेटवर्क के माध्यम से सीमापार भी अपनी पकड़ मजबूत की है।

राम पर आपत्तिजनक सवाल के लिए जिम्मेदार महासमुंद के डीईओ निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

- आर्थिक गड़बड़ी और लापरवाही के भी आरोप

लापरवाही और वित्तीय गड़बड़ियों के चलते राज्य शासन ने जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे को निलंबित कर दिया है। ये वही अधिकारी हैं जिन्हें चौथी की अर्धवार्षिक परीक्षा में अंग्रेजी के प्रश्न पत्र में कुत्ते के नाम के विकल्प में /"राम/" देने के लिए जिम्मेदार माना गया था। यह मामला सामने आने के बाद काफी बवाल मचा था और शासन ने जांच के आदेश दिए थे।

कक्षा चौथी की अंग्रेजी विषय की अर्धवार्षिक परीक्षा जनवरी में हुई थी। इसके प्रशनपत्र में व्हाट इज द नेम आफ मोनाज़ डॉग? जिसके संभावित उत्तरों में ए- बाला, बी-नो वन मेंशन, सी- शेरू, डी-राम शामिल किया गया था। जिसके बाद सवाल पर बवाल हो गया। हिन्दू संगठनों का ▶▶|शेष पेज 5 पर

उनके कार्यकाल के दौरान गंभीर अनियमितताएं

मामले की जांच में यह भी पाया गया कि उच्च न्यायालय बिलासपुर में लंबित एक याचिका के संबंध में भी श्री लहरे ने जिम्मेदारी नहीं निभाई। संचालनालय द्वारा दिए गए निर्देशों और व्हॉट्सऐप के माध्यम से दी गई जानकारी को नजरअंदाज करते हुए उन्होंने समय पर अपील दायर नहीं की, जो आदेश की अवहेलना मानी गई। इसके अलावा, विभागीय लेखाओं के अंकेक्षण में भी उनके कार्यकाल के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इन सभी मामलों को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) ▶▶|शेष पेज 5 पर

अमेरिका राष्ट्रपति का दावा

ईरान बर्बाद होने की कगार पर होर्मुज खोलने की लगा रहा

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान ने अभी-अभी अमेरिका को सूचित किया है कि वह बर्बादी की कगार पर है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, वे चाहते हैं कि हम जल्द से जल्द होर्मुज जलडमरूमध्य को खोल दें, क्योंकि वे अपने नेतृत्व को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें विश्वास है कि वे अमेरिका के साथ बातचीत को लेकर इस्लामिक गणराज्य सरकार के भीतर कथित मतभेदों को सुलझाने में सक्षम होंगे।

20,000 नाविक फंसे

होर्मुज जलडमरूमध्य को पार न कर पाने के कारण सैकड़ों जहाजों पर सवार लगभग 20,000 नाविक खाड़ी में फंसे हुए हैं। दुनिया के कुल तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का लगभग पांचवां हिस्सा इसी जलमार्ग से होकर गुजरता है। समुद्र संबंधी डेटा देने कंपनी 'लॉयड्स लिस्ट इंटेलिजेंस' के अनुसार, 13 से 19 अप्रैल के दौरान इस जलडमरूमध्य से लगभग 80 जहाज गुजरे।

जान हथेली पर रखकर सफर कर रहे महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे

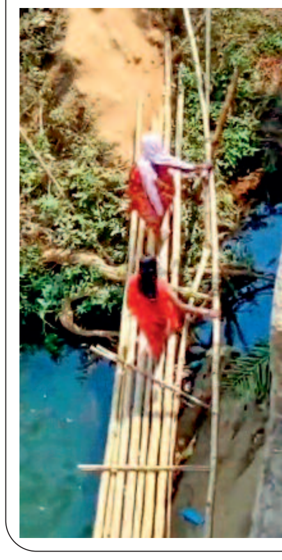

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर जिले के दरभा ब्लॉक के चितापुर पंचायत की पुलिया 9 माह पूर्व बारिश के चलते टूट गई। इस पुलिया के उस पार पंचायत भवन, स्कूल, बैंक, स्वास्थ्य केंद्र और राशन दुकान जैसी जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं। पुलिया से जाने वाला रास्ता तीन गांवों के ग्रामीणों के लिए सिर्फ सड़क नहीं बल्कि जिंदगी की डोर है। पुलिया टूटने के बाद ग्रामीणों को नाले के बीच ▶▶|शेष पेज 5 पर

सबसे ज्यादा स्कूली बच्चे परेशान

इस टूटी पुलिया का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। छोटे-छोटे बच्चे रोज बांस और लकड़ी के सहारे बने जुगाडू रास्ते से स्कूल पहुंचते हैं। कई बच्चे फिसलकर नाले में गिर चुके हैं। किताबें भीग गईं कपड़े खराब हुए, लेकिन पढ़ाई के लिए खतरा उठाना उनकी मजबूरी बन गया है। बच्चों के परिवारों में हर दिन डर बना रहता है कि स्कूल गए बच्चे सुरक्षित लौटेंगे या नहीं।

9 महीने से मिला आश्वासन

लगभग 9 महीने पहले मानसून की तेज बारिश में यह पुलिया टूट गई थी। तब से अब तक ना मरम्मत हुई ना नया निर्माण शुरू हुआ ना कोई स्थायी इंतजाम किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच से लेकर विधायक, सांसद और कलेक्टर तक शिकायत की जा चुकी है, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिला।

स्वीकृत होने से पुलिया का होगा निर्माण

पीएमजीवाय जगदलपुर के कार्यपालन अभियंता राहुल कश्यप ने इस संबंध में बताया कि चितापुर पंचायत की पुलिया बारिश एवं बाढ़ से टूट गई। ऐसे ही जिले कई जर्जर पुलियों के निर्माण एवं मरम्मत के लिए प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय को भेजा गया है। स्वीकृत होने के बाद पुलिया का निर्माण कार्य किया।

चिंतन

धार्मिक कट्टरता समाज के लिए गंभीर चुनौती

देश के सामने आतंक और कट्टरता का चेहरा तेजी से बदल रहा है। जो खतरा कभी सीमित इलाकों, खासकर जम्मू-कश्मीर तक माना जाता था, वह अब महानगरों तक फैलता नजर आ रहा है। मुंबई की हालिया घटना ने साफ कर दिया है कि 'लोन वुल्फ' हमले, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पनपती कट्टर सोच और धर्म के नाम पर हिंसा अब हर शहर के लिए चुनौती बन चुके हैं। संगठित नेटवर्क से हटकर जब व्यक्ति खुद ही विचारधारा को हथियार बना ले, तो यह साइलेंट आतंक और भी खतरनाक हो जाता है। मुंबई के मीरा रोड इलाके में दो सिक्योरिटी गार्ड्स पर धर्म पूछकर किया गया हमला इसी बदलते खतरे का उदाहरण है। बताया जा रहा है कि हमलावर 31 साल का जैब जुबेर अंसारी अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के पास दो सिक्योरिटी गार्ड, राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो रमेश सेन के पास पहुंचा और मस्जिद का रास्ता पूछा। कुछ समय बाद वह दोबारा लौटा। इसके बाद एक गार्ड से धर्म पूछने के बाद अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह कैबिन में घुसा और दूसरे गार्ड से कलमा पढ़ने को कहा। जब गार्ड ऐसा नहीं कर पाया, तो उस पर भी हमला कर दिया। पिछले साल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में भी आतंकियों ने पर्यटकों से धर्म पूछकर हमला किया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। वहीं, धर्मांतरण के मामले महाराष्ट्र के अमरावती और नासिक में भी सामने आए हैं। नासिक के टीसीएस उत्पीड़न मामले में मुख्य आरोपी निदा खान ने महिला कर्मचारी पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया था। पीड़ित के मोबाइल में ऐसे ऐप्स भी इंस्टॉल कराए गए, जिससे उसे धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया जा सके। अमरावती में भी करीब 180 लड़कियों के वीडियो बनाकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने का मामला सामने आया है। ये घटनाएं केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस मानसिकता की झलक हैं, जिसमें धर्म को पहचान और हिंसा का औजार बना दिया जाता है। पहलगाम जैसे हमले इस बात का संकेत रहे हैं कि कट्टरता जब चरम पर पहुंचती है तो वह इंसानियत की हर सीमा पार कर जाती है। हालांकि, इस मुद्दे पर एक जरूरी सावधानी भी उतनी ही अहम है। अलग-अलग घटनाओं को जोड़कर पूरे समाज या किसी एक समुदाय के खिलाफ निष्कर्ष निकालना न केवल गलत है, बल्कि खतरनाक भी हो सकता है। कानून का सिद्धांत स्पष्ट है। अपराधी व्यक्ति होता है, समुदाय नहीं। यदि हम इस रेखा को पार करते हैं, तो हम अनजाने में उसी विभाजनकारी सोच को बढ़ावा देते हैं, जिसके खिलाफ हमें खड़ा होना चाहिए। कट्टरता का असली चेहरा धर्म नहीं, बल्कि विकृत सोच है। यह सोच इंटरनेट, सोशल मीडिया और बंद मानसिकता के जरिए फैलती है। यही कारण है कि "लोन वुल्फ" हमले आज सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। क्योंकि इनका कोई स्पष्ट नेटवर्क नहीं होता, न ही कोई पूर्व चेतावनी। अब सवाल यह है कि इससे निपटा कैसे जाए? जवाब केवल सख्ती में नहीं, बल्कि संतुलित रणनीति में है। सुरक्षा एजेंसियों को डिजिटल निगरानी, खुफिया तंत्र और त्वरित कार्रवाई को मजबूत करना होगा, वहीं समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। परिवार, शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक संस्थाओं को युवाओं को सही दिशा देने, संवाद बढ़ाने और कट्टर विचारधाराओं से बचाने की जिम्मेदारी उठानी होगी। सख्त कानून, सतर्क समाज और संतुलित सोच इन्हीं तीन स्तंभों पर इस चुनौती का समाधान टिका है। तभी हम एक सुरक्षित, समावेशी और मजबूत समाज की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

पर्यावरण
निरंजन देव भारद्वाज

देश में जलवायु आपातकाल की दस्तक

देश के विशाल भूभाग पर सूरज का कहर इस कदर टूट रहा है कि दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों की सूची में से 95 अकेले भारत के हैं। दिल्ली की तपती सड़कों से लेकर ओडिशा के तटीय उमस तक, पारा 45-47 डिग्री सेल्सियस के स्तर को चुनौती दे रहा है। यह अब केवल 'लू' या मौसम का सामान्य बदलाव नहीं है; यह उस पारिस्थितिक असंतुलन का चरम विस्फोट है, जिसे हमने दशकों तक प्रगति के शोर में अनदेखा किया। आज भारत की झुलसाती हवाएं चीख-चीख कर कह रही हैं कि हम जलवायु परिवर्तन के किसी भविष्य की आशंका में नहीं, बल्कि उसके एक अत्यंत क्रूर और जानलेवा वर्तमान के बीच खड़े हैं। हकीकत यह है कि यह तापीय संकट अब सीधे जीवन-हानि में बदल चुका है।

अप्रैल का यह महीना भारत के लिए केवल एक कैलेंडर का पन्ना नहीं, बल्कि एक अस्तित्वगत संकट की गूंज बन गया है। देश के विशाल भूभाग पर सूरज का कहर इस कदर टूट रहा है कि दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों की सूची में से 95 अकेले भारत के हैं। दिल्ली की तपती सड़कों से लेकर ओडिशा के तटीय उमस तक, पारा 45-47 डिग्री सेल्सियस के स्तर को चुनौती दे रहा है। यह अब केवल 'लू' या मौसम का सामान्य बदलाव नहीं है; यह उस पारिस्थितिक असंतुलन का चरम विस्फोट है, जिसे हमने दशकों तक प्रगति के शोर में अनदेखा किया। आज भारत की झुलसाती हवाएं चीख-चीख कर कह रही हैं कि हम जलवायु परिवर्तन के किसी भविष्य की आशंका में नहीं, बल्कि उसके एक अत्यंत क्रूर और जानलेवा वर्तमान के बीच खड़े हैं। इसी "वर्तमान" की सबसे कठोर हकीकत यह है कि यह तापीय संकट अब सीधे जीवन-हानि में बदल चुका है। हीटवेव आज भारत की सबसे घातक प्राकृतिक आपदाओं में शामिल हो चुकी है, जिसके चलते 2010 के बाद से अब तक 46,000 से अधिक संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। इस भीषण गर्मी का सबसे अधिक प्रभाव उन श्रमिकों पर पड़ता है जो खुले वातावरण में निर्माण स्थलों, सड़कों और खेतों में काम करने को मजबूर हैं, जिससे उनकी आजीविका और स्वास्थ्य गंभीर रूप से प्रभावित होते हैं।

यह संकट हमारी आधुनिक जीवनशैली और प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर एक कड़ा प्रहार है। जहां एक ओर सरकारी फाइलों में बढ़ते 'ग्रीन कवर' के आंकड़े हमें सुकून देने की कोशिश करते हैं, वहीं जमीन पर फैलते कंक्रीट के जंगलों ने हमारे शहरों को 'धधकते तंदूर' में तब्दील कर दिया है। यह आपदा समाज की गहरी आर्थिक खाई को भी उजागर करती है, जहां 'ठंडी हवा' अब एक बुनियादी अधिकार नहीं बल्कि अमीरों की विलासिता बन गई है। बहुसंख्यक आबादी इस तापीय अन्याय का शिकार होकर अपनी जान दांव पर लगा रही है। इस असामान्य गर्मी का सबसे गहरा असर केवल मौसम के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे आम जनजीवन, कृषि व्यवस्था और शहरी बुनियादी ढांचे पर दिखाई देने लगा है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा, श्रमिकों की घटती कार्यक्षमता, पानी की बढ़ती मांग और बिजली की रिकॉर्ड खपत-ये सभी संकेत बताते हैं कि शहर और गांव दोनों ही इस तापीय दबाव के सामने असहज स्थिति में पहुंच चुके हैं। इस पृष्ठभूमि में वैश्विक तापवृद्धि और जलवायु परिवर्तन की भूमिका और भी स्पष्ट होकर सामने आती है। बढ़ते ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, अनियंत्रित शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने वायुमंडलीय संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है, जिसका सीधा परिणाम इस तरह की चरम मौसमीय घटनाओं के रूप में दिख रहा है। खेतों में खड़ी फसलें भी तेज़ गर्म हवाओं और नमी की कमी के कारण तनाव में हैं, जिससे आने वाले समय में खाद्य सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न गहराता दिखाई देता है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि हीट वेव अब केवल "मौसम की घटना" नहीं, बल्कि एक गहरे होते जलवायु संकट का परिणाम है और इसके पीछे हमारी नीतिगत, व्यवहारिक और विकास संबंधी विफलताओं की भूमिका को समझना अब और भी आवश्यक हो गया है। भारतीय शहरों में गर्मी का बढ़ता

प्रकोप केवल बढ़ते तापमान का नतीजा नहीं है, बल्कि 'अर्बन हीट आइलैंड' (शहरी ऊष्मा द्वीप प्रभाव) के उस प्रभाव का परिणाम है जिसने महानगरों को जीते-जागते तंदूर में बदल दिया है। जब हम शहरों को कंक्रीट, डामर और कांच की ऊंची इमारतों से पाट देते हैं, तो ये सतहें दिन भर सूरज की गर्मी को सोखती हैं। जहां ग्रामीण इलाकों में पेड़ और मिट्टी वाष्पीकरण के जरिए खुद को ठंडा रखते हैं, वहीं हमारे शहर इस गर्मी को कैद कर लेते हैं। इसका सबसे भयावह असर रात के समय दिखता है, जब सूरज ढलने के बाद भी कंक्रीट की ये दीवारें और सड़कें उस कैद की गई गर्मी को धीरे-धीरे बाहर छोड़ती हैं, जिससे रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा बना रहता है। यह 'थर्मल ट्रैप' शहरवासियों को चौबीसों घंटे एक असहज अंगीठी में झोंक देता है।

विडंबना यह है कि इस तपिश को कम करने का प्राकृतिक समाधान यानी हमारे 'पेड़', विकास की अंधी दौड़ में सबसे पहले काटे जा रहे हैं। फ्लाईओवर्स, मेट्रो लाइन्स और चौड़ी सड़कों के नाम पर शहरों के उन पुराने और घने पेड़ों की बलि दी जा रही है जो दशकों से हमारे 'नेचुरल एयर कंडीशनर' का काम कर रहे थे। इसका सबसे ज्वलंत और दुखद उदाहरण नासिक में देखने को मिलता है, 250 साल पुराने बरगद और पीपल के पेड़ों पर कुल्हाड़ी चला दी गई। ये केवल पेड़ नहीं थे, बल्कि उस क्षेत्र की जैव-विविधता और शीतलता के संरक्षक थे। एक परिपक्व पेड़ अपने आसपास के वातावरण को 2 से 4 डिग्री तक ठंडा रख सकता है, लेकिन 'विकास' की कागजी योजनाएं अक्सर एक पुराने घने पेड़ के बदले दस नए छोटे पौधे लगाने का झांसा देती हैं। हकीकत यह है कि एक पुराना बरगद या पीपल का पेड़ जितना कार्बन सोखता है और ठंडक देता है, उसकी जगह ये नए छोटे पौधे अगले बीस साल तक नहीं ले सकते। जहां पहले घनी हरियाली लू के थपेड़ों को फिल्टर करती थी, अब वहां केवल कंक्रीट की सतहें हैं जो गर्मी को कई गुना बढ़ा देती हैं। यह केवल हरियाली का नुकसान नहीं है, बल्कि एक सुविचारित पर्यावरणीय आत्महत्या है। भारत की इस जलती हुई हकीकत को बदलने के लिए हमें अपनी रणनीतियों को कागजों से बाहर निकालना होगा। सबसे पहले, हमें 'हीट एक्शन प्लान' की बुनियादी खामियों को सुधारना होगा। वर्तमान में भारत के अधिकांश 'हीट एक्शन प्लान' केवल 'रिएक्टिव' हैं यानी वे केवल तापमान बढ़ने पर अलर्ट जारी करते हैं या पानी के स्टॉल लगवाते हैं। असल में, हमें 'प्रोएक्टिव' 'हीट एक्शन प्लान' की जरूरत है, जो सर्दी के मौसम से ही काम शुरू कर दे, जैसे कि सड़कों को सफेद रिफ्लेक्टिव पेंट से रंगना और शहरों में जल निकायों को पुनर्जीवित करना। 2026 की यह गर्मी हमें यह समझने पर मजबूर करती है कि केवल वाटर कूलर लगाने या रेड अलर्ट जारी करने से हम सुरक्षित नहीं होंगे। हमें भारत में भी 'हीटवेव' को 'अधिसूचित आपदा' घोषित करना होगा ताकि इसके समाधान के लिए कानूनी जवाबदेही तय हो सके। हमें नासिक और अरावली जैसी गलतियों से सीखना होगा कि पुराने पेड़ों को काटना भविष्य की पीढ़ियों की 'सांसों और शीतलता' की चोरी करने जैसा है।

अंततः, जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। एक नागरिक के रूप में हमें अपनी जीवनशैली और मतदान के मुद्दों में 'पर्यावरण' को प्राथमिकता देनी होगी। जब तक हम अपने घरों के सामने टाइल्स लगाने के बजाय मिट्टी और पेड़ को जगह नहीं देंगे, और जब तक हमारी नीतियां 'विकास' को 'विनाश' से अलग नहीं करेंगी, तब तक हम इसी तरह हर साल और भी भीषण अंगीठियों में झुलसते रहेंगे। समय रेत की तरह फिसल रहा है; या तो हम आज 'ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर' में निवेश करें, या फिर कल एक जलते हुए भारत के लिए तैयार रहें।

(लेखक सलाहकार राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

नृत्य दिवस विशेष
श्वेता गोयल

शब्दहीन भावों से विश्व को जोड़ने वाली शक्ति है नृत्य

मानव सभ्यता की सबसे पुरानी अभिव्यक्तियों में से एक है 'नृत्य'। जब शब्द अस्तित्व में नहीं थे, तब शरीर की गति ही संवाद का माध्यम थी। समय के साथ नृत्य ने भिन्न-भिन्न संस्कृतियों में अनेक रूप धारण किए और आज यह विश्वभर में एक जीवित कला के रूप में स्थापित है। नृत्य अब वैश्विक संदर्भ में केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक कूटनीति का प्रभावी साधन बन चुका है। नवीनतम 'विश्व नृत्य रिपोर्ट' के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नृत्य उद्योग का आकार 45 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गया है। वर्चुअल नृत्य कार्यक्रमों में वर्ष 2020 के मुकाबले 2025 तक 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। नृत्य चिकित्सा को अब मानसिक स्वास्थ्य उपचारों में सम्मिलित किया जा रहा है। अनेक देशों में चिकित्सक अवसाद, चिंता और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याओं के उपचार में नृत्य आधारित विधियों का उपयोग किया जा रहा है। विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं ने भी नृत्य को शिक्षा के एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में स्वीकार किया है, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सृजनात्मकता का विकास होता है। नृत्य की विविधता, उसकी समावेशिता और उसके सामाजिक महत्व का उत्सव मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष 29 अप्रैल को 'अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस नृत्य को एक साझा मानव धरोहर के रूप में प्रस्तुत करता है, जिसमें भौगोलिक सीमाओं, जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधाराओं की कोई बाधा नहीं होती। इस अवसर पर करीब 170 देशों में एक साथ नृत्य महोत्सवों, कार्यशालाओं और सार्वजनिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाने की शुरुआत एक गैर सरकारी संगठन 'अंतरराष्ट्रीय रंगमंच संस्थान' (आईटीआई) की 'अंतरराष्ट्रीय नृत्य समिति' द्वारा 1982 में की गई थी, जो 'यूनेस्को' का हिस्सा है। यह दिवस नृत्य के जादूगर माने जाने वाले जीन जॉर्जेस नोवेरे को समर्पित है। 'फादर ऑफ बैले' के नाम से विख्यात जीन जॉर्जेस नोवेरे एक सुप्रसिद्ध बैले मास्टर थे, जिनका जन्म 29 अप्रैल 1727 को हुआ था। पहली बार 1982 में आईटीआई की नृत्य समिति ने उनके जन्मदिन 29 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी, जिसके बाद से यह दिवस हर साल 29 अप्रैल को मनाया जाने लगा। जॉर्जेस नोवेरे ने नृत्य पर 'लेटर्स ऑन द डांस' नामक एक पुस्तक भी लिखी थी, जिसमें नृत्य से जुड़ी एक-एक चीज मौजूद हैं। इस पुस्तक के बारे में कहा जाता है कि इसे पढ़कर कोई भी नृत्य करना सीख सकता है। नृत्य परंपरा की दृष्टि से भारत विश्व के सबसे समृद्ध देशों में से एक है। भारतीय नृत्य हजारों वर्षों से चली आ रही एक जीवंत और विकसित परंपरा है, जिसकी जड़ें वेदों, पुराणों, महाकाव्यों और शास्त्रों में गहराई से समाहित हैं। भारतीय नृत्य की विशिष्टता उसकी आध्यात्मिक गहराई, दार्शनिकता और सामाजिक प्रतिबद्धता में निहित है। भारतीय नृत्य केवल सौंदर्य प्रदर्शन नहीं बल्कि आध्यात्मिक साधना का माध्यम है। नाट्यशास्त्र भारतीय नृत्य की बुनियादी संरचना और सिद्धांतों का आधार है। इस ग्रंथ में नृत्य, नाट्य और संगीत के तत्वों का अत्यंत वैज्ञानिक और विशद विवरण दिया गया है। भारत में नृत्य की विविधता उसकी सांस्कृतिक विविधता की तरह अद्भुत है। प्रत्येक क्षेत्र, प्रत्येक राज्य, यहां तक कि कई गांवों की भी अपनी विशिष्ट नृत्य परंपराएं हैं। भारत के शास्त्रीय नृत्य रूप जैसे भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, कथकली, मणिपुरी न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। इन सभी शास्त्रीय नृत्य शैलियों में अंग संचालन, हस्तमुद्राएं, नेत्र भाव, पद संचालन और ताल की अत्यंत जटिल विधियां हैं, जिन्हें साधना द्वारा वर्षों में सिद्ध किया जाता है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य का एक प्रमुख उद्देश्य जीवन के रहस्यों को भावों के माध्यम से व्यक्त करना है। आज जब दुनिया विभाजन, संघर्ष और असहिष्णुता के संकट से गुजर रही है, तब नृत्य एक ऐसा माध्यम बन सकता है, जो दिलों को जोड़ने, घावों को भरने और मानवता को एक सूत्र में पिरोने की क्षमता रखता है। भारतीय नृत्य, जिसमें प्रकृति, भक्ति, प्रेम, वीरता और करुणा के विविध आयाम समाहित हैं, वैश्विक मंच पर इस उम्मीद का प्रतीक बनकर उभर रहा है कि कला के माध्यम से हम एक बेहतर, अधिक सहिष्णु और सुंदर विश्व का निर्माण कर सकते हैं। नृत्य आत्मा से आत्मा तक एक अनुभव है, एक संवाद है, एक यात्रा है। भारत की नृत्य परंपरा इस यात्रा की एक अनंत धारा है, जो सदियों से बह रही है और भविष्य में भी मानवता को दिशा देती रहेगी।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कृष्ण योग के सूत्र

संकलित
दर्शन

भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार सिर्फ शरीर का नियमन ही योग नहीं है, बल्कि आत्मा के साक्षात्कार के लिए किया गया हरेक प्रयास योग की श्रेणी में आता है। इसी कारण श्रीकृष्ण को योगेश्वर कहा जाता है । वे जनक हैं योग के, धाराएं बहती हैं उनसे योग की, बस जिसको जो आयाम स्पर्श करता है, वह उस आयाम पर अग्रसर हो जाता है। आप जिस योग को योग मानते है, वह पतंजलि योग है। पतंजलि सबसे बड़े वैज्ञानिक है अंतर्जगत के। उनकी पहुंच एक वैज्ञानिक मन की है। उनके पास वैज्ञानिक मस्तिष्क है, लेकिन उनकी यात्रा भीतरी है। किंतु हमारे कृष्ण योगेश्वर हैं । वे दृष्टि देते हैं, स्वतंत्रता देते है, प्रेम और करुणा से आपको भरते है। वे जिससे आपको भरते हैं, वे वह स्वयं ही हैं, इसीलिए कृष्ण का योग धारा बन जाता है, आपसे आपको मिलता है और एक दिन केवल वही ही बचते हैं, आप उनमें मिल जाते हैं। कुछ कृष्ण के योग के पहलू जो केवल हम श्रवण करते हैं, पढ़ते हैं, पर वे सूत्र हैं कृष्ण-योग के 'तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम' अर्थात इससे समत्वबुद्धि योग के लिए ही चेष्टा करो, यह समत्वबुद्धि-रूप योग ही कर्मों में चतुरता है। अर्थात कर्मों में कुशलता को ही योग कहते है। कृष्ण तीन शब्दों का प्रयोग करते हैं-अकर्म, कर्म और विकर्म।

तुलसीदास जी ने स्त्री को पुरुष में बदला

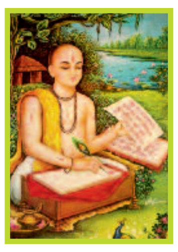

संकलित
प्रेरणा

चरवारी के ठाकुर की लड़की जो कि बहुत ही सुन्दरी थी। इसके माता पिता को बहुत प्रयास करने पर पुत्र प्राप्त नहीं हुआ, पुत्री हो गयी। उन्होंने सबसे यह बात छुपाकर रखी कि हमें पुत्री हुई है। उन्होंने बचपन से ही उस पुत्री को पुरुष जैसे कपड़े पहनाएं, बोलचाल भी लड़के जैसे सीखा रखी थी। जब विवाह का समय आया तो माँ बाप ने सत्य बात किसी से कही नहीं, क्योंकि उनकी इज्जत पानी में मिल जाती। अब उनकी पुत्री जीसे उन्होंने पुरुष की तरह बनवा रखा था, उसका विवाह एक स्त्री के साथ हो गया। विवाह के बाद सच सामने आ गया कि यह तो स्त्री है, ना कि कोई पुरुष। परंतु विवाह हो चुका था, लोग करते भी क्या? स्त्री का विवाह स्त्री से हो गया। एक दिन जब गोस्वामी जी उधर से निकले, तब लोगों ने उन्हें घेर लिया और प्रार्थना की कि इस कन्या की रक्षा कीजिये। गोस्वामी जी ने श्री रामचरितमानस का नवाह पाठ किया और वह स्त्री सें पुरुष बन गयी। यह देखकर गोस्वामी जी का शरीर पुलकित हो गया और उनके मुंह से अतर्कित ही जय जय सीताराम निकल गया । परिवार को साथ लोग भी खुश हो गए। परिवार ने गोस्वामी जी का बहुत उपकार माना, जिन्होंने उनकी पुत्री को लड़का बना दिया । परिवार की भी बात रह गई।

अंतर्मन

आज की पाती

मां के दूध में भी मिलावट

मां का दूध शिशु के लिए प्रकृति का सबसे सुरक्षित और संपूर्ण आहार माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जीवन के शुरुआती छह महीनों तक केवल स्तनपान की सिफारिश करता है, क्योंकि यह न सिर्फ पोषण देता है बल्कि रोगों से सुरक्षा भी प्रदान करता है। लेकिन हाल के वर्षों में वैज्ञानिक शोधों ने एक नई चिंता को जन्म दिया है– मां के दूध में माइक्रोप्लास्टिक, कीटनाशकों, भारी धातुओं और यहां तक कि यूरेनियम जैसे रेडियोधर्मी तत्वों की मौजूदगी। यह स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है। 2022 में इटली और नीदरलैंड में किए गए अध्ययनों में पहली बार मानव ब्रेस्टमिल्क में माइक्रोप्लास्टिक कणों का पता चला। ये सूक्ष्म प्लास्टिक कण हमारे खाने, पानी और हवा के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं। *– दिवाकर राजवंशी, कांकेर*

ट्रेंड

'ऑपरेशन सिंदूर'

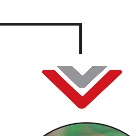

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद के केंद्र अब किसी भी तरह से सजा से बच नहीं सकते। यह अभियान आतंकवाद और उसके समर्थकों के प्रति हमारे 'शून्य सहिष्णुता' के दृष्टिकोण का प्रमाण है।
-राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

मुक्त व्यापार समझौता

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता हमारे किसानों, युवाओं, लघु एवं मध्यम उद्यमों और नवप्रवर्तकों के लिए नए अवसर खोलेगा, साथ ही भारत को 'विकसित भारत' की ओर अग्रसर होने में गति प्रदान करेगा। **-योगी आदित्यनाथ**, सीएम, उप्र

ममता का बयान

ममता दीदी ने कहा है कि बंगाल के हिंदू एक विशेष समुदाय से संबंधित मामलों में उनकी वजह से अधिक सुरक्षित हैं। दीदी का यह बयान न केवल चिंताजनक है, बल्कि बंगाल के भविष्य के लिए खतरनाक, समाज में फूट डालने वाला और सांप्रदायिक भी है।
- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

बिहारी होने का 'अपराध'

भाजपा सरकार में "बिहारी होना" सबसे बड़ा अपराध और राजद्रोह बन गया है। नई दिल्ली में खगड़िया के युवक पांडव कुमार की मात्र इसलिए गोली मारकर हत्या कर दी गई क्योंकि वह 'बिहारी' था। बिहारी होने के 'अपराध' के लिए उसका दोस्त कृष्णा जीवन और मृत्यु के बीच जूझ रहा है।
- तेजस्वी यादव, पूर्व डिप्टी सीएम, बिहार

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

करंट अफेयर

पहले चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार चयन मंडल में भारतवंशी

पहले चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार 2027 के चयन मंडल की मंगलवार को घोषणा की गई, जिसमें उत्तरी लंदन में बच्चों की किताब दुकान संचालित करने वाली एक भारतवंशी विक्रेता को भी शामिल किया गया है। मसवेल हिल स्थित पुरस्कृत 'बच्चों की किताब दुकान' की मालिक संचिता बसु डे सरकार, लेखक फ्रैंक कॉटरेल-बॉयस और अभिनेत्री लॉली एडेफोपे के साथ मिलकर आठ से बारह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए समकालीन सर्वश्रेष्ठ कथा साहित्य का चयन करेंगी। वार्षिक बुकर पुरस्कार की तरह ही, बच्चों के लिए इस साहित्यिक पुरस्कार के विजेता को 50,000 पाउंड की राशि दी जाएगी और अंतिम सूची में चयनित लेखकों को 2,500 पाउंड मिलेंगे। पहला चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार दो फरवरी 2027 को उस कृति को दिया जाएगा, जो अंग्रेजी में लिखी गई हो या अंग्रेजी में अनूदित हो और जिसका प्रकाशन ब्रिटेन और/या आयरलैंड में हुआ हो। 'साउथ एशियन इलस्ट्रेशन एंड लिटरेचर फेस्टिवल' की सह-संस्थापक संचिता बसु डे सरकार ने कहा, ''यह मेरे लिए उन सभी चीजों को एक साथ लेकर आता है जिन्हें मैं पसंद करती हूं– ढेर सारी बच्चों की किताबें पढ़ना, उनके बारे में कुछ बेहद प्रतिभाशाली लोगों के साथ चर्चा करना, और इन किताबों को देशभर के बच्चों तक पहुंचाना ताकि हम इस बातचीत को आगे बढ़ा सकें।

ऑफ बीट

पानी गीला क्यों होता है?

बारिश के मौसम में जब आप बिना छतरी के भीग जाते हैं, तो गीलापन महसूस होता है। लेकिन सवाल यह है कि पानी आखिर गीला क्यों होता है? वायुमंडलीय वैज्ञानिकों के अनुसार, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के अणुओं से बने पानी की यह विशेषता वास्तव में उसके अणुओं के आपसी व्यवहार और आसपास की चीजों के साथ उनकी प्रतिक्रिया पर निर्भर करती है। वैज्ञानिक

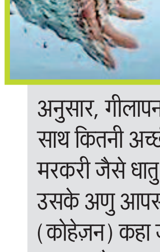

बताते हैं कि पानी के अणु एक-दूसरे और अन्य पदार्थों से बहुत तेजी से आकर्षित होते हैं। इस गुण को आसंजन (एडहेज़न) कहा जाता है। पानी के अणु ध्रुवीय होते हैं, यानी उनके एक छोर पर हल्का धनात्मक और दूसरे छोर पर हल्का ऋणात्मक आवेश होता है। यही कारण है कि वे त्वचा, कपड़े और कांच जैसी सतहों से आसानी से चिपक जाते हैं। जब पानी किसी सतह के संपर्क में आता है, तो वह उस पर फैल जाता है और मजबूती से चिपक जाता है। इसी वजह से हमें लगता है कि कोई वस्तु गीली है। वैज्ञानिकों के अनुसार, गीलापन इस बात पर निर्भर करता है कि कोई द्रव किसी सतह के साथ कितनी अच्छी तरह संपर्क बनाए रखता है। इसके विपरीत, पारा यानी मरकरी जैसे धातु में सतहों से चिपकने की क्षमता बहुत कम होती है क्योंकि उसके अणु आपस में अधिक मजबूती से जुड़े रहते हैं। इसे संसंजन/(कोहेज़न) कहा जाता है। गीलेपन का एक और महत्वपूर्ण पहलू ठंडक का एहसास है। जब पानी या कोई द्रव वाष्पित होता है, तो उसे ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिसे वह अपने आसपास की गर्मी से लेता है।

आबकारी मामला : केजरीवाल के बाद अब सिसोदिया ने भी जज के समक्ष पेश होने से किया इंकार

एजेंसी ▶▶| नयी दिल्ली

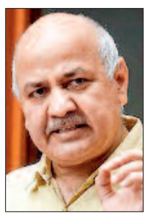

खास बातें
- आप नेता न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा को बदलने की कर रहे हैं मांग
- केजरी-सिसोदिया ने कहा-न्याय की उम्मीद नहीं है

आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा को मंगलवार को पत्र लिखकर कहा कि वह आबकारी मामले में उनकी अदालत में पेश नहीं होंगे। इससे एक दिन पहले, पार्टी प्रमुख एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने न्यायमूर्ति शर्मा को पत्र लिखकर कहा था कि आबकारी मामले में वह न तो व्यक्तिगत रूप से और न ही वकील के माध्यम से उनके समक्ष पेश होंगे। न्यायमूर्ति शर्मा को लिखे एक पत्र में सिसोदिया ने कहा, 'मेरी ओर से कोई वकील भी पेश नहीं होगा। आपके बच्चों का भविष्य तुषार मेहता के हाथों में है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे न्याय की उम्मीद नहीं है, सत्याग्रह के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।' केजरीवाल द्वारा इसी चिंता को लेकर लिखे गए पत्र का जिक्र करते हुए सिसोदिया ने कहा कि 'गंभीर चिंताओं' को उठाया गया है। सिसोदिया ने कहा, 'मैं उनके द्वारा अपनाए गए रुख से सम्मानपूर्वक सहमत हूं, जो महात्मा गांधी की सत्याग्रह संबंधी शिक्षाओं पर आधारित है।'

जज से कहा था, सुनवाई से खुद को अलग करें

केजरीवाल ने न्यायमूर्ति शर्मा से मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की अपील की थी लेकिन उन्होंने केजरीवाल की याचिका 20 अप्रैल को खारिज कर दी थी जिसके बाद 'आप' नेता ने सोमवार को उन्हें पत्र लिखा था। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि वह केजरीवाल द्वारा पहले ही विस्तार से कही गई हर बात को दोहराना नहीं चाहते, लेकिन वह यह दर्ज करना चाहते हैं कि वहां उठाए गए 'चिंताजनक मुद्दे' उनके मन में भी हैं। पत्र में कहा गया है, 'पहला मुद्दा अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद में आपकी बार-बार सार्वजनिक उपस्थिति से उत्पन्न हुआ है, जो वकीलों का एक संगठन है और सार्वजनिक रूप से आरएसएस से संबंधित माना जाता है।'

शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में राजनाथ सिंह की दो टूक

'आतंकवाद' दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा समर्थन देने वाले देशों के खिलाफ उठाएं कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आतंक के केंद्र अब सुरक्षित नहीं रह सकते

एससीओ बैठक को संबोधित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के मुद्दे पर बेहद स्पष्ट और सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि राज्य प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद किसी भी देश की संप्रभुता पर सीधा हमला है और इसे किसी भी परिस्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मामले में किसी भी तरह के दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एससीओ को ऐसे देशों के खिलाफ ठोस कदम उठाने चाहिए जो आतंकवादियों को समर्थन, संरक्षण या सुरक्षित पनाह देते हैं। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आतंकवाद के अड्डे अब दंड से बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" की नीति पर मजबूती से कायम है। उन्होंने पिछले वर्ष पहलगाम में हुए आतंकी हमले को याद करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं पूरी मानवता को झकझोर देती हैं और वैश्विक समुदाय को एकजुट होकर इसके खिलाफ खड़ा होना चाहिए।

एससीओ की सराहना

राजनाथ सिंह ने एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी ढांचे की सराहना करते हुए कहा कि यह मंच आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के खिलाफ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एससीओ के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सहयोग, समानता तथा पारस्परिक विश्वास के आधार पर संगठन को शांति और स्थिरता का प्रतीक बनाया जा सकता है।

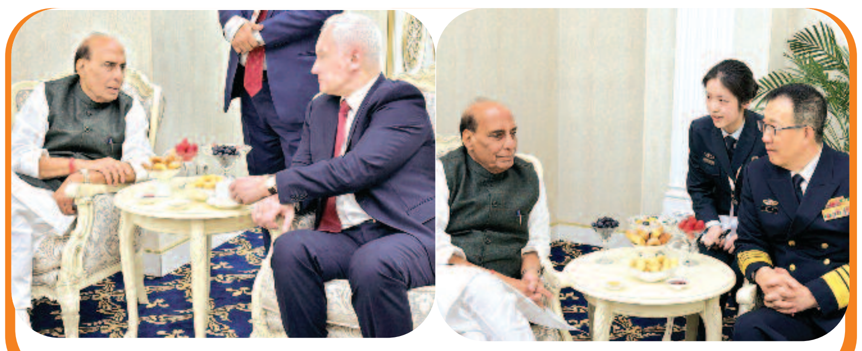

राजनाथ रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव और चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से मिले

शांति को दें प्राथमिकता

राजनाथ सिंह ने बदलते वैश्विक परिदृश्य पर चिंता व्यक्त की। दुनिया इस समय बढ़ते टकराव और एकतरफावाद के दौर से गुजर रही है, जिससे वैश्विक सहमति कमजोर हो रही है। महात्मा गांधी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 'आंख के बदले आंख' की नीति पूरी दुनिया को अंधकार की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि हर निर्णय का असर गरीब और जरूरतमंद लोगों पर भी पड़ता है, इसलिए शांति और करुणा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आतंकवाद का धर्म नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म या राष्ट्रीयता नहीं होती। किसी भी शिकायत या मतभेद को हिंसा और निर्दोष लोगों की हत्या का आधार नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि कट्टरता, उग्रवाद और अलगाववाद से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बेहद जरूरी है। इसके साथ ही आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों को खत्म करना और उन्हें राजनीतिक संरक्षण देने की प्रवृत्ति को रोकना समय की मांग है।

इमरान की आंख का हुआ ईलाज, वापस भेजे गए जेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मंगलवार को एक स्थानीय अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दाहिनी आंख की बीमारी का इलाज किया गया और फिर उन्हें वापस जेल भेज दिया गया। जेल में बंद खान (74 वर्ष) को जनवरी के अंत में दाहिनी 'सेंट्रल रेटिनल वेन आक्कलुजन' (सीआरवीओ) का पता चला था और उन्हें 'पाकिस्तान आयुर्विज्ञान संस्थान (पीआईएम) में लाया गया था, जहां उन्हें एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन दिया गया था, जो हर महीने दोहराया जाता है। उनका आखिरी इलाज 23 मार्च को हुआ था। पीआईएम के प्रवक्ता के अनुसार, खान को मंगलवार को नेत्र संबंधी उपचार के लिए अस्पताल लाया गया था और उन्हें चौथा इंट्राविट्रियल इंजेक्शन दिया गया।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)

-: ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना :-

दिनांक :- 27.04.2026

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा "डी" एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों के लिये आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.टी. क्र./ निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
NIT NO. 07 Tender no. 189703	बलौदाबाजार अनुविभाग अन्तर्गत विकासखंड पलारी के ग्राम दतान में पशु औषधालय भवन का निर्माण कार्य।	रू. 17.79 लाख	प्रथम आमंत्रण 18.05.2026
NIT NO. 08 Tender no. 189704	बलौदाबाजार अनुविभाग अन्तर्गत विकासखंड पलारी के ग्राम कोनारी में पशु औषधालय भवन का निर्माण कार्य।	रू. 17.79 लाख	
NIT NO. 09 Tender no. 189705	जिला बलौदाबाजार के विकासखंड कसडोल के अंतर्गत गिधौरी चौक से शिवरीनारायण महानदी पुल पहुंच मार्ग (पामगढ़-शिवरीनारायण-सारंगढ़-मार्ग) के कि.मी. 66/10 से 67/2 (100 मीटर) लंबाई 300 मीटर में सीमेंट कांक्रीट निर्माण कार्य।	रू. 79.44 लाख	
NIT NO. 10 Tender no. 189706	जिला महासमुंद के नयापारा अछरीडीह मार्ग लंबाई 1.20 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	रू. 159.57 लाख	
NIT NO. 11 Tender no. 189707	जिला महासमुंद के न्यायिक अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु 01 नग एफ टाईप, 02 नग जी टाईप, 06 नग एच टाईप, 04 नग आई टाईप शासकीय आवासगृह का कार्य।	रू. 171.39 लाख	
NIT NO. 12 Tender no. 189710	जिला महासमुंद में लोक निर्माण विभाग में संभागीय कार्यालय भवन का निर्माण कार्य।	रू. 174.49 लाख	द्वितीय आमंत्रण 11.05.2026
NIT NO. 13 Tender no. 189713	जिला धमतरी के अंतर्गत शासकीय कन्या महाविद्यालय धमतरी में छात्रावास भवन में अहाता निर्माण कार्य।	रू. 18.80 लाख	

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रु. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रु. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिड केपेसीटी उपलब्धता बाबत जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा, एवं निविदाकारों द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारों का मोबाईल न. एवं ईमेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रूप से करें।

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि रायपुर मण्डल क्रं.-2 (छ.ग.)
आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

G-262700418/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जशपुर जिला - जशपुर (छत्तीसगढ़)

Phone :- 9424242409 E-Mail ID : ee-res.jashpur@nic.in

क्रमांक / 95/ वलेलि / ग्रा. यां. से / 2026-27 जशपुर, दिनाँक 24/04/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत "डी" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत सिविल ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपए लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	अमानत राशि सत्यनिष्ठा संधि एवं तकनीकी दस्तावेज स्पीड पोस्ट से जमा करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	189746	जिला कोर्ट बार रूम का जीर्णोद्धार एवं प्रथम तल का निर्माण कार्य जशपुर, विकासखण्ड जशपुर, जिला- जशपुर (छ.ग.)	72.377	11/05/2026	13/05/2026

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक 24.04.2026 से कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर एवं विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा,
संभाग, जिला- जशपुर

G-262700404/2

NAGAR PANCHAYAT LAILUNGA, DISTRICT-RAIGARH

E-Procurement Tender Notice

Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in UDD Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक / 84 / न.पं./ लो.नि.वि./2026-27 लैलूंगा, दिनांक 28/04/2026

LAILUNGA NAGAR PANCHAYAT invites Online Tenders for and on behalf of Chief Municipal Officer, NAGAR PANCHAYAT LAILUNGA for Pre qualification and S.O.R. percentage rate (CGPWD Road/building 01.01.2015) tender in Form - A- through online from Eligible Class Contractors OF NAGAR PANCHAYAT LAILUNGA, Chhattisgarh/ PWD Chhattisgarh/ Equivalent contractors of Central/State Government and their undertaking or Experienced reputed Firms for similar work on Go Cge-Procurement System (https://eproc.cgstate.gov.in)

S. No.	Name of Work	NIT No. System Tender No.	Estimated cost (in Lacs)	Earnest Money Deposit	Time Period of Completion
1	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन निर्माण कार्य	Nit No 81/System Tender No.189972	Rs. 74.69	Rs. 57000/-(OFLINE PEYMENT) & Tender Document Fee (Non refundable) of Rs. 3000/- Demand Draft	12 Months
2	वार्ड क्रमांक 01 मुक्तिधाम निर्माण कार्य	Nit No 82/System Tender No.189959	54.26	Rs. 41000/-(OFLINE PEYMENT) & Tender Document Fee (Non refundable) of Rs. 3000/-Demand Draft	12 Months

CHIEF MUNICIPAL OFFICER NAGAR PANCHAYAT LAILUNGA

प्रारूप-एक, (नियम 11) कार्यालय कलेक्टर जिला कोण्डागांव एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग

-: अधिसूचना :-

क्रमांक/1179/202501201400003/अ-82/भू-अर्जन/2024-25 कोण्डागांव, दिनांक 27/04/2026

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि अनुसूची के खाने (1) से लेकर खाने (6) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (8) में दर्शित प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 11 की उप धारा-1 के उपबंधों के अनुसार इसके द्वारा संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (7) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है।

-: अनुसूची :-

भूमि का विवरण						धारा 12 अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/नगर	खसरा नंबर	कुल रकबा (हे.)	प्रभावित रकबा (हे.)		
1	2	3	4	5	6	7	8
कोण्डागांव	फरसगांव	चांदाबेड़ा	78/1 78/6 78/5 78/7 161/9 81/5 83/6	0.525 0.405 0.405 0.405 0.567 3.137 0.607	0.061 0.012 0.008 0.012 0.016 0.194 0.008	अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी फरसगांव, जिला कोण्डागांव (छ.ग.)	बर्डेडोंगर-घोटियामुड़ा-चांदाबेड़ा मार्ग के कि.मी. 2/4 चांदाबेड़ा नाला पर उच्चस्तरीय सेतु निर्माण कार्य।
योग			07	6.051	0.311		

2- यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि में कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाघात निर्धारण के निष्कर्षों के बारे में अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम 2013 की धारा 15 की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा। 3- भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर/अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी फरसगांव, जिला-कोण्डागांव (छ०ग०) के कार्यालय में किया जा सकता है। 4- प्रस्तावित भू-अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं है। 5-प्रस्तावित प्रयोजन्न के भू-अर्जन के लिए कराये गये सामाजिक समाघात अध्ययन के अनुसार भूमि का अर्जन अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना प्रस्तावित है तथा भूमि अर्जन से सामाजिक समाघात की तुलना में सामाजिक लाभ अधिक होना पाया गया है। 6-प्रस्तावित भू-अर्जन के लिए अधिनियम 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, फरसगांव जिला-कोण्डागांव (छ.ग.) को पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ शासन के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(नुपूर राशि पन्ना)
कलेक्टर जिला कोण्डागांव
एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधक विभाग

G-262700415/1

संस्कृति
स्वाति आनंद

बस्तर के जनजातीय समाजों में लोक देवता :राजाराव

बस्तर क्षेत्र के रक्षक राव देवताओं के बारे में बताया जाता है कि ऐसे कई रक्षक देवता है जो अपने क्षेत्र की रक्षा करते हैं। आज भी लोग अपनी आस्था और मानता का प्रतीक के रूप में इस देव की मूर्तियां राव घाट पर अर्पित करते हैं। यह गांव के बाहर रहने वाले देवता है जो घोड़े पर सवार होते हैं। माना जाता है कि आज भी रात के सन्नाटों पर यह देवता गांव की रक्षा घोड़े पर बैठकर करते हैं घोड़े के टॉप की आवाज से आज भी इन देवताओं की उपस्थिति का आभास किया जा सकता है। बस्तर की धरती को उत्तर और दक्षिण बस्तर में बांटा गया है जहां पर उत्तर बस्तर के राजा भंगा राम और दक्षिण के राजा भैरव के नाम से जाने जाते हैं, लोक कथाओं में भी कुछ क्षेत्र रक्षक को राव की संज्ञा मिली उल्लेख मिलता है। राव न्याय के देवता है जिस तरह मां क्षेत्र के केंद्र पर स्थित होती हैं उनकी रक्षा के लिए भैरव उनके साथ होते हैं वैसे ही क्षेत्र रक्षा के लिए इन गणों का उल्लेख किया गया है वे राव कहलाते हैं यह सीमांत रक्षक है माना जाता है यह गांव में प्रवेश नहीं करते स्वभाव से यह उग्र और धर्म की स्थापना करने वाले देवता है। रावदेव–राजाराव की प्रतिमात्मक विशेषताओं, निवास-स्थानों, अनुष्ठानों तथा फसल-रक्षा की बहुस्तरीय लोक-व्यवस्था का विश्लेषण करता है। यह स्पष्ट करता है कि ये लोकदेवता रोग-निवारण, पर्यावरणीय संतुलन और सामुदायिक अनुशासन की

स्थानीय अवधारणा को मूर्त रूप देते है।जनजातीय विश्वासों में माना जाता है कि घुड़सवार देवता रात में गाँव की परिक्रमा करते है। भित्तिचित्रों, टेराकोटा शिल्प और लकड़ी की मूर्तियों में घोड़े को अतिरंजित रूप में दर्शाया जाता है।

जनजातीय और लोक समाजों में घोड़ा युद्ध का औजार नहीं, बल्कि रक्षा, गति और देवत्व का प्रतीक है। यह दृष्टिकोण हमें भारतीय इतिहास को एकांगी राजकीय कथा से बाहर निकालकर जन-स्मृति और लोकानुभव के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की प्रेरणा देता है। घोड़े की यह लोकछवि बताती है कि सांस्कृतिक निरंतरता कभी-कभी जैविक या ऐतिहासिक निरंतरता से अधिक प्रभावशाली होती है। बस्तर की कहानी में आज भी राव की उपस्थिति आधार पेड़ के नीचे या पहाड़ों के या टेकारियों के ऊपर मानी गई है यह सदैव घोड़े में ही रहते हैं आज भी बस्तर में राव घाट केशकाल घाटी के राव बस्तर के सभी राव में सबसे प्रधान राव माने जाते हैं।लोक मान्यता में राजाराव के साथ नंदिराव, मतला राव, जाखराव, चिमराव, पंडराराव, करियाराव, बागदि राव, नलाराव, कुमुरी राव आदि माने जाते हैं।

ऐतिहासिक
डा. महेशचंद्र शर्मा

अनेक देशों के लोग आते हैं महानदी घाटी के रहस्यों को पता लगाने

महानदी घाटी सभ्यता के चमत्कारों और मिथकों को समझने के लिए चीन के साथ फारस के भी यात्री आते रहे हैं। पुराने कोसल और कलिंग के साथ आज के छत्तीसगढ़ और ओड़िशा अनादि काल से अभिन्न रहे हैं। ओड़िशा के कई जिले पहले कोसल में भी थे। हीरों के उत्खनन के विषय में इस भूमि की ऐतिहासिक सूचना हीराकुण्ड इस स्थान विशेष के नाम से भी प्राप्त होती है। ओड़िशा में स्थित किन्तु छत्तीसगढ़ की जीवन रेखा महानदी पर बंधा हीराकुण्ड बांध तो विश्व प्रसिद्ध है। भारतीय कूटनीति के आचार्य चाणक्य ने भी अपने महान ग्रन्थ अर्थशास्त्र में हीरो की खान के रूप में छत्तीसगढ़ का उल्लेख किया है। हमारे पुराने तथा आधुनिक कवियों ने कोसल जननी अर्थात छत्तीसगढ़ महतारी की भूरी भूरी वंदना की है।

खानपान
डा. नीलकंठ देवांगन

स्वादिष्ट होता है भाप में पकने वाला बफौरी

बफौरी छत्तीसगढ़ का पारंपरिक, पौष्टिक, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन है घरों में खाए जाने वाले इस व्यंजन को भाप से पकाया जाता है ले इसलिए इसे भापौरी भी कहते हैं l चना एवं अन्य दाल से बनने से यह प्रोटीन से भरपूर होता है l इसमें कम या न के बराबर तेल लगता है l चना दाल में थोड़ी मूंग या मसूर दाल को रात में भिगोकर सबेरे दरदरा पीस लें l पिसी दाल में बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, अदरक, धनिया पत्ती, हल्दी, हींग, अंजवाइन, लाल मिर्च पाउडर, नमक मिलाकर फेंट दें l मिश्रण को छोटी छोटी गोली या चपटी लोई बना लें l एक बर्तन में पानी भर ऊपर पतला कपड़ा बांध दें l उस पर लोई रख ढंकनी या बर्तन से ढंक कर भाप में पकाएं या मिश्रण को छोटी छोटी रोटी जैसा बनाकर भाप से पकाएं l पकने पर चाकू से टुकड़े टुकड़े बना लें l फिर एक कड़ाही में थोड़ा तेल डाल सरसों, मीठा पत्ती या मिर्च का छौंका लगाकर हल्का सुनहरा होने तक तलें l न तलें तो ऐसे ही गरम गरम चटनी के साथ खाएं l यह सुबह का रुचिकर अल्पाहार या नाश्ता है l इसे इडली मशीन से भी पका सकते हैं l इडली मशीन को तेल से चिकना कर उससे बफौरी पकाया जा सकता है l

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- Choupalharibhoomi@gmail.com

अंचल में हजारों वर्ष पूर्व से संगीत कला समृद्ध रही

कला जगत
बलदेव प्रसाद मिश्र

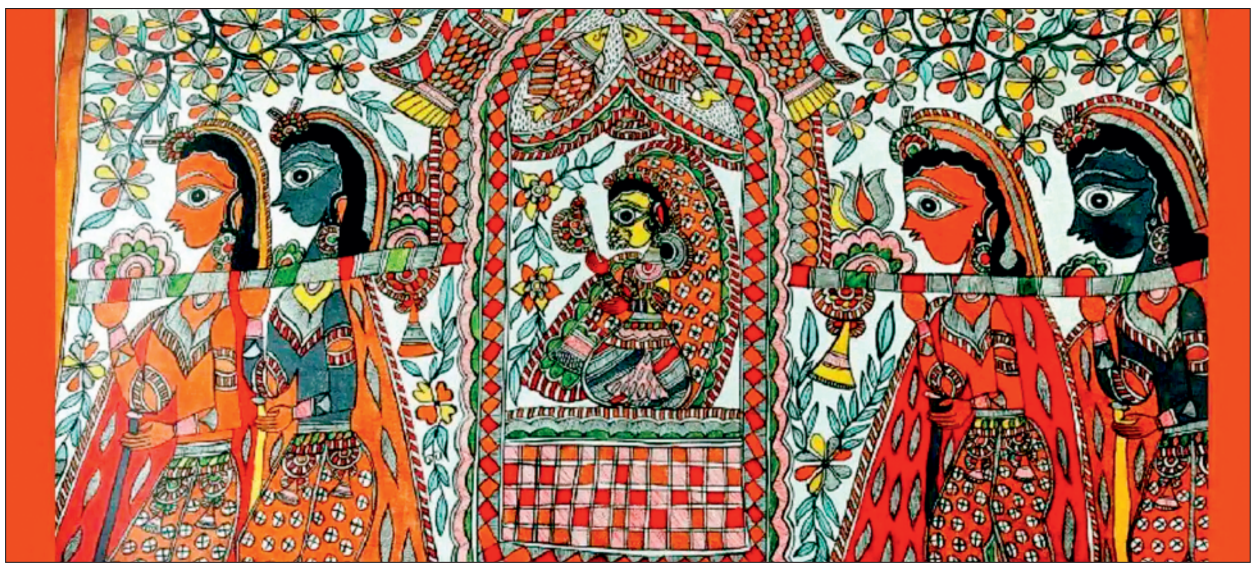

सर रिचर्ड टेम्पल के बनाए हुए राज्यों में अब नांदगांव, छुईखदान और खैरागढ़ का उल्लेख ही शेष रह जाता है। खैरागढ़ का राज्य नागवंशी क्षत्रियों के अधीन रहा है, जिन्हें मंडला के गोंड राजा ने अठारहवीं शताब्दी के मध्य में इलाके का अधिकार दिया था। खैरागढ़ जनपद के अंतर्गत डोंगरगढ़ की विमला देवी (बमलाई अथवा बगलामुखी माता) का प्रसिद्ध मंदिर है। डोंगरगढ़ की बस्ती पहले कामा नगरी कहलाती थी, जिसके नरेश कामसेन की सभा में सुप्रसिद्ध कामकंदला नर्तकी रहती थी।

माधव नाम के एक कला कोविद ब्राम्हण से उसकी प्रीति हो गई और इसी सम्बन्ध में उज्जैन के राजा वीर विक्रमादित्य को यहां तक आना पड़ा था। विमला देवी भी उस समय सिद्ध शक्ति मानी जाती थी। इस पहाड़ी मंदिर के समीप ही कामकंदला तालाब आज भी मौजूद है। इसी तरह माधव ब्राह्मण का महल भी जीर्ण शीर्ण अवस्था में कटनी से कुछ दूरी पर देखा जा सकता है। माधवानल और कामकंदला नाम से नाटक संस्कृत और हिन्दी में लिखे गए हैं। यदि इन्हें मानें तो आज से लगभग दो हजार वर्ष पहले इस स्थान की संगीत कला आश्चर्यजनक उन्नति को प्राप्त हो चुकी थी।

गांव की कहानी : विजय शर्मा

चंपापुरगढ़ के प्रामाणिक तथ्यों को भुलाया नहीं जा सकता

सातवीं शताब्दी में चीनी पर्यटक व्हेनसांग के यात्रा आलेख के अनुसार छत्तीसगढ़ में एक गढ़ चंपापुर हुआ। ऐतिहासिक जानकारी के अनुसार कलचुरी वंशज राजा भीमसेन द्वितीय की राजधानी चंपापुर के नाम से विख्यात था। चंपापुर की नगर देवी चंपेश्वरी देवी थी। यहां के राजा भीमसेन द्वितीय पर दूसरे राजा हयराज ने आक्रमण कर पराजित किया था। पराजित राजा भीमसेन द्वितीय के भ्राता भरतबल की रुपवती रानी लोक प्रभा जो तत्कालीन कौशल नरेश राज कन्या थी उसे युद्ध काल में सुरक्षा की दृष्टि से नागार्जुन संघाराम में भूमिगत सुरंग मार्ग से लाकर रख दिया था। युद्ध समाप्ति पश्चात राजा भीमसेन द्वितीय तथा भरतबल ने इस जंगल में रानी लोकप्रभा की खोज की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। भरतबल ने पत्नी वियोग से दुखी होकर आत्महत्या कर ली। कुछ समय पश्चात भीमसेन की भी मृत्यु हो गई। अब तक यह स्थान तहस नहस हो चुका था। यहां के निवासी बिखरने लगे, बसाहट पश्चात इस स्थान को चंपाई ग्राम से जाना जाता है।

लोक साहित्य
शकुंतला वर्मा

मृत्यु संस्कार में भी अंचल में गाए जाते हैं गीत

छत्तीसगढ़ में सोलह संस्कार में मृत्यु संस्कार भी विधिवत सम्पन्न होते हैं। जब मृत्यु पर शोक और विषाद का वातावरण छाया रहता है, जिसमें जन समूह का कंठ रूंध सा जाता है, तब गीत आदि के संयोजन का कोई अवकाश नहीं रहता। इस समय बंगला अजब बना....हरि के नाम.... तरी लागे खांचा.... जैसे भजनों की प्रस्तुति होती है। इन तीनो गीतों के भावों में जन्म, शरीर और आत्मा का सम्बन्ध, पाप पुण्य का विचार के साथ नरक और स्वर्ग का उल्लेख होता है। मनुष्य का यह सुन्दर शरीर नश्वर है, आत्मा हंस के समान है। जन्म का कारण दया, धर्म और भाव भजन है। लोभ का त्याग और संसार के आकर्षण से दूर रहना चाहिए। पुण्यात्मा को नील हंस घोड़े पर चढ़ने को मिलता है और पापी को फांसी मिलती है। यमराज की पुरी में अग्नि के खम्बे हैं खून, पीप के कुंड हैं परन्तु स्वर्ग में मंगल ही मंगल है।

सुरता : वीरेन्द्र बहादुर सिंह

देश भक्त और समाजसेवी के रूप में जाने गए प. पदमाकर प्रसाद त्रिपाठी

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प. पदमाकर प्रसाद त्रिपाठी का जन्म 10 फरवरी 1925 को छुईखदान में हुआ था। आपने रायपुर के रामचंद्र संस्कृत पाठशाला से 1949 में संस्कृत साहित्य विशारद की उपाधि प्राप्त की। शाला के आचार्य प. विश्वनाथ पाण्डेय की मूल प्रेरणा से आपके मन में देश प्रेम और राष्ट्रीयता की भावना जागृत हुई। 9अगस्त 1942 को गांधीजी के करो या मरो आंदोलन में आप भी भाग लिए और हिरासत में ले लिए गए।

2 अक्टूबर 1942 को सत्ती बाजार चौक रायपुर के मोतीलाल त्रिपाठी के नेतृत्व में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए अंग्रेज प्रधानमंत्री चर्चिल का जनाजा निकालते और पुतला दहन करते हुए गिरफ्तार कर लिए गए। आप इस आंदोलन में लगातार सक्रिय रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में उल्लेखनीय योगदान के लिए प. पदमाकर त्रिपाठी को 1995 में सेठ गोविन्द दास द्वारा ताम्रपत्र भेंट कर सम्मानित किया गया था।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात अपने गृह नगर छुईखदान लौट आए, जहां शिक्षक की नौकरी करते प्रधान पाठक पद से सेवानिवृत हुए। शिक्षकीय कार्य के अलावा आपने पुरोहित तथा भागवत कथा का वाचन भी किए। स्वभाव से मृदुभाषी त्रिपाठी जी का निधन 26 जून 2001 को हो गया।

चड्ढा, भज्जी के साथ आप छोड़ने वाली स्वाति भी भाजपा में शामिल

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी हैं मालीवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद स्वाति मालीवाल बीजेपी में मंगलवार (28 अप्रैल) को शामिल हो गईं। उन्होंने कहा कि देश में पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने ऐतिहासिक काम किया है। वो उनके काम बहुत ज्यादा प्रभावित हैं। इससे प्रेरणा लेकर वो बीजेपी से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि मैं बीजेपी में किसी मजबूरी से नहीं आई बल्कि बीजेपी के कामों में सालों से दिलचस्पी रख रही हूं। मैं ये बताना चाहूंगी कि मैं जब दिल्ली महिला आयोग का काम कर रही थी, मुझे बीजेपी की तरफ से भी काफी सपोर्ट था। मैं आज बहुत इमोशनल हूं। मेरे लिए ये बहुत महत्वपूर्ण और जरूरी दिन है। यहां सब लोगों ने मुझे परिवार में आने का मौका दिया। मैं दिल्ली के लिए जी-जान से काम करूंगी, हमेशा से करती आई हूं।

रेखा गुप्ता की सरकार के बारे में क्या कहा?

मालीवाल ने ये भी कहा, 'अभी पिछले दो सालों में रेखा गुप्ता जी की सरकार ने काफी काम करने की कोशिश की है। अभी और काम करने की जरूरत है और ये हम सब मिलकर करेंगे।'

केजरीवाल को ड्रामा करने की पुरानी आदत

केजरीवाल के जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के कोर्ट में न जाने के फैसले पर स्वाति मालीवाल ने कहा, 'अरविंद केजरीवाल जी को ड्रामा करने की आदत है। ये कोई आज की आदत नहीं है, बहुत समय से ये आदत है। इस देश की न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाना, इस देश के प्रधानमंत्री पर सवाल उठाना, आप किस तरीके से पर्सनल अटैक कर रहे हैं? इसी राजनीति से त्रस्त होकर मैंने आम आदमी पार्टी छोड़ी है।'

आरक्षण कोई माई का लाल नहीं छीन सकता : उमा

भोपाल। भोपाल के जम्बूरी मैदान में पूर्व सीएम उमा भारती ने आरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने मंगलवार को राजा हिरदे शाह लोधी की शौर्य यात्रा में कहा- देश में सामाजिक बराबरी के लिए आरक्षण जरूरी है। उमा भारती ने कहा- जब तक राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और चीफ जस्टिस के परिवार के लोग एक साथ सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ेंगे, तब तक आरक्षण कोई माई का लाल नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज लंबे समय तक जातिगत आधार पर बंटा रहा और आर्थिक असमानताएं रही हीं।

परिसर का स्थानांतरण

स्मृति नगर एचडीएफसी बैंक शाखा 29 जून, 2026 से निम्नलिखित पते पर स्थानांतरित हो रही है।

सोमवार से शनिवार - सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक
(दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है)

अधिक जानकारी के लिए
9826387658

HDFC BANK

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
प्रथम निविदा सूचना

क्र.02/न.पा.नि./स्वास्थ्य विभाग/जोन क्र. 01/सकरी/2026-27 दिनांक 28/04/2026

नगर पालिक निगम बिलासपुर जोन क्र.01 सकरी में सफाई कार्य हेतु (73 अकुशल) सफाई श्रमिक प्रदाय कार्य हेतु निविदा आमंत्रण GEM के माध्यम से किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

बिड संख्या	कार्य का विवरण	स्वीकृत राशि रु. (लाख में)
GEM/2026/B/7484274	जोन क्र. 01 सकरी में सफाई कार्य हेतु (73 अकुशल) सफाई श्रमिक प्रदाय कार्य।	111.16

टीप–उपरोक्त कार्य हेतु अन्य जानकारी http://gem.gov.in के माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

घरों से निकलने वाले गीला और सुखा कचरें को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

कार्यपालन अभियंता
जोन क्र.01 सकरी
नगर पालिक निगम., बिलासपुर (छ.ग.)

जैकेट के शेष

गुवाहाटी में रायपुर ...

जानकारी दी, जिसके बाद हिरासत में ली गई रायपुर पुलिस टीम को छोड़ दिया गया। इसके बाद रायपुर पुलिस अब खाली हाथ ही लौट रही है। **खाली हाथ लौट रही टीम :** इधर इस घटना के बाद अब रायपुर पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। स्थानीय पुलिस ने इस मामले को जांच में लिया है, वहीं जिन आरोपियों को गिरफ्तार करने पुलिस गुवाहाटी गई थी, वे अभी भी गिरफ्त से बाहर हैं। स्थानीय पुलिस ने भी उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है।

डिजिटल अरेस्ट के ...

पुलिसकर्मी की टीम को आरोपियों को पकड़ने के लिए रवाना किया गया। सोमवार की रात करीब 9 बजे टीम ने मुस्लिम बहुल क्षेत्र वाले इलाके में जाकर छापा मारा और 3 लोगों को गिरफ्तार किया। इस दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग ढाई लाख रुपए रकम भी जब्ती बताई गई, जो पुलिस टीम ने अपनी कार में रख ली थी। इसके पहले कि टीम आरोपियों को गिरफ्तार करने की सूचना स्थानीय पुलिस को देती, उससे पहले पकड़े गए आरोपियों ने ही स्थानीय पुलिस को सूचना देकर बुला लिया कि रायपुर से आई पुलिस डरा-धमका कर उनसे पैसों की वसूली कर रही है। स्थानीय पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंची और इस मामले में रायपुर पुलिस के वाहन से पैसे बरामद करते हुए सभी पुलिस कर्मियों को हिरासत में लेकर थाने लेकर पहुंची और उनके विरुद्ध केस दर्ज किया।

900 सीढ़ी चढ़ने ...

सुपुर्द किया गया। सम्भवना जताई जा रही है कि भीषण गर्मी में सीढ़ियां चढ़ने और हार्ट अटैक के कारण व्यक्ति की मौत हुई। इस घटना से परिजन सदमें में है।

इंतजार खत्म, आज ...

बारहवीं की परीक्षा में 2.38 लाख छात्र शामिल हुए। 2025 में 10वीं बोर्ड में 3,23,094 परीक्षार्थी शामिल हुए, जिनमें 76.53 फीसदी छात्र उत्तीर्ण रहे। वहीं 12वीं की परीक्षा में पिछले साल 2.38 छात्र शामिल हुए थे, इनमें से 81.87 प्रतिशत उत्तीर्ण रहे। परिणाम जारी किए जाने के साथ ही अस्थायी मेरिट लिस्ट भी घोषित किए जाएंगे।

नहाने गए पिता-पुत्री ...

मंगलवार को नहाने गए थे। ग्रामीणों ने बताया कि नहाने के दौरान अपनी बेटी को यह कहते हुए पानी में बुलाया की चल तुझे आज तैरना सिखाता हूं। इस दौरान पिता अचानक तेज बहाव में बहने लगा, जिसे देख बेटी ने अपने पिता का हाथ पकड़ खींचने का प्रयास किया, लेकिन वह भी बहने लगी। उसे देख उसकी भतीजी भी उन्हें खींचने लगी, लेकिन वह भी जब बहने लगी तो उसने बचाव के लिए आवाज दी। तभी नहर किनारे गुजर रहे दो अनजान व्यक्तियों ने भतीजी का हाथ पकड़ खींचा, इस दौरान पिता और बेटी का हाथ भतीजी से छूट गया और वे तेज बहाव में बहने लगे। ग्रामीणों ने तुरंत बचाव का प्रयास किया, लेकिन दोनों गहरे पानी में गायब हो गए।

बैंक ने मांगा सबूत ...

(56), का निधन 26 जनवरी, 2026 को हो गया था। बैंकवालों ने खाताधारक को लाने की बात कही। वह श्मशान घाट गया। उसने अपनी बहन की कब्र खोदी और उसमें से कंकाल निकालकर कपड़े में लपेटा और चिलचिलाती धूप में 3 किलोमीटर पैदल चलकर बैंक पहुंचा गया।

इंडोनेशिया में बड़ा हादसा, ट्रेनों की टक्कर, 14 की मौत, 80 घायल

एजेंसी ▶▶ जकार्ता

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के पास बेकासी रेलवे स्टेशन पर सोमवार देर रात दो ट्रेनों की भीषण टक्कर में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 84 लोग घायल हुए हैं। कई यात्री ट्रेन के डिब्बों में फंसे रहे, जिन्हें निकालने के लिए मंगलवार सुबह तक राहत और बचाव अभियान जारी रहा। राज्य संचालित रेलवे कंपनी KAI ने बताया कि मंगलवार सुबह 8:45 बजे तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। शुरुआती रिपोर्ट में 5 मौतें बताई गई थीं, लेकिन बाद में संख्या बढ़ गई। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में दूसरी ट्रेन में सवार सभी 240 यात्री सुरक्षित हैं। हादसा बेकासी स्टेशन पर कम्प्यूटर लाइन ट्रेन और लंबी दूरी की अर्गो ब्रोमो अंगग्रेक ट्रेन के बीच हुआ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

NIR व JESG क्रू लॉबी और रनिंग रूम कार्य हेतु ई-निविदा

सीपीएम, जीएसयू , दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:

निविदा क्रमांक: CPM-GSU-02-NAG-2026-27

कार्य का नाम: (1) नागपुर मंडल के नैनपुर (NIR) में क्रू लॉबी और नैनपुर में रनिंग रूम का विस्तार और नवीनीकरण। (2) नागपुर मंडल के जबलपुर (JESG) में क्रू लॉबी और जबलपुर में रनिंग रूम का विस्तार और नवीनीकरण।

अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,12,52,191/-

बयाना राशि: ₹ 2,25,100/-

बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ दिनांक **12.05.2026** के **15:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के अंतर्गत मैन्युअल ऑफर्स की अनुमति नहीं है व प्राप्त सभी मैन्युअल ऑफर्स अस्वीकार कर दिए जाएंगे दिया जाएगा। अन्य विवरण हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है ।

उप मुख्य अभियंता-जीएसयू,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
नागपुर

FL/09-36

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा
सी मोलासिस विक्रय हेतु पुनः ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा द्वारा उत्पादन वर्ष 2025-26 मे उत्पादित मोलासिस मे से लगभग 1000 मे.टन सी मोलासिस के विक्रय हेतु कारखाने कार्यालय मे दिनांक 29/04/26 से 04/05/26 को दोपहर 03:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल (https://eproc.cgstate.gov.in) पर आमंत्रित की जाती है ई-निविदा मे मोलासिस कय हेतु न्यूनतम मात्रा लगभग 1000 मे.टन होगी, इससे कम मात्रा हेतु निविदा अस्वीकार की जायेगी, प्राप्त ई-निविदा को दिनांक 04/05/2026 को दोपहर 03:00 बजे पश्चात खोला जायेगा, जिसमे निविदाकार / प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है। निविदा प्रपत्र के साथ क्रय हेतु प्रस्तावित मोलासिस के विक्रय मूल्य का 10% ई.एम.डी. राशि केवल आर.टी.जी.एस. के माध्यम से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्या. कवर्धा के नाम एकाउन्ट नम्बर 19012191000743 पंजाब नेशनल बैंक कवर्धा शाखा आई. एफ.एस.सी कोड PUNB0208520 मे जमा करना अनिवार्य होगा। निविदाकार को निविदा संबंधी वांछित दस्तावेज ई-टेंडर वेबसाइड https:eproc.cgstate.govt.in मे अपलोड करना अनिवार्य है। विस्तृत जानकारी कारखाना कार्यालय वेबसाइड www.Bssuk.co.in., एवं मो. नं. 9179197556, 8305143251 से प्राप्त की जा सकती है।

महाप्रबंधक

कार्यालय नगर पंचायत आमदी, जिला - धमतरी (छ.ग.)
Email ID - comamdi@gmail.com

ई-प्रोक्युरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal : http//eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक / 129/न.पं./ लोनिवि / 2026-27 आमदी, दिनांक 27.04.2026

कार्यालय नगर पंचायत आमदी द्वारा लोक निर्माण विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु CGPWD Building SOR w.e.f. 01.01.2015, PWD Road SOR 01.01.2025 Electrical SOR 01.06.2020 & PHE SOR 01.06.2020 & Ammendment (निविदा जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों के साथ) कम अधिक या समान दरों पर शेड्यूल अनुसार निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं :-

1.ऑनलाईन निविदा करने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 18.05.2026 समय दोपहर 05:30 बजे तक।
2. फिजिकल डाक्यूमेंट कार्यालय नगर पंचायत आमदी में जमा करने की अंतिम तिथि - 22.05.2026 समय दोपहर 04:00 बजे तक।
3. ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि - 25.05.2026 समय सुबह 11:00 बजे से।

क्र.	NIT नंबर	टेण्डर सिस्टम नंबर	कार्य का नाम	एस.ओ.आर. निविदा राशि (लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	प्रपत्र	निविदा प्रपत्र शुल्क (रु. में)	समयावधि
1	129	189817	वार्ड क्रमांक 15 मुक्तिधाम उन्नयन कार्य।	57.72 लाख	43300/-	"A"	3000/-	06 माह

उक्त कार्य हेतु विस्तृत जानकारी अवधि में ई-प्रोक्यूमेंट वेब पोर्टल Main Portal : http//eproc.cgstate.gov.in से भी डाउनलोड व देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत, आमदी
जिला-धमतरी (छ.ग.)

पेज एक के शेष

स्मार्ट फोन...लत बेहद बुरी...

ज्यादा हो रही है, जो भविष्य में उनकी शारीरिक समस्या का बड़ा कारण बन सकता है। स्कूलों में होने वाली ऑनलाइन पढ़ाई भी मोबाइल की लत डालने का बड़ा कारण है। मोबाइल स्क्रीन की तेज रोशनी आंखों पर बुरा असर डाल रही है, तो एक ही मुद्रा में झुककर इस पर नजर गड़ाए रखना कंधे और स्पाइनल की समस्या का कारण बन रहा है। इसके अलावा स्मार्टफोन के स्क्रीन पर लगातार घूमने वाली उंगलियों में सुन्नपन और कलाई की नसों में सूजन की शिकायत बढ़ी है। इसके अलावा देर रात तक मोबाइल देखने की वजह से सिरदर्द अनिद्रा जैसी न्यूरोलॉजिकल समस्याएं भी सामने आने लगी हैं। स्मार्टफोन के लगातार उपयोग का असर लोगों की मानसिक अवस्था पर भी पड़ रहा है।

रील और रियल लाइफ...

लोगों की दिमागी अवस्था को संकुचित करता है, क्योंकि बिना मेहनत उन्हें सारी जानकारी मिल जाती है, जो उनके भविष्य में रुकावट ला सकता है।

पैदा होती है हड्डियों की...

स्पाइनल और शोल्डर की समस्या लेकर आने वाले कई मरीजों की हिस्ट्री में इसका कारण मोबाइल का ज्यादा उपयोग सामने आया है।

अनिद्रा और माइग्रेन...

पुरानी थकान जैसी समस्या हो सकती है। स्क्रीन टाइमिंग तय करने के साथ इसके उपयोग के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

कंप्यूटर विजन सिंड्रोम...

ज्यादातर मरीजों की परेशानी का कारण मोबाइल का अत्याधिक उपयोग होता है। इनमें टीन एजर्स के मरीज अधिक हैं।

मां, बेटे व नाती की एक साथ...

बेटा व नाती की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल गए। उन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया गया है। एक साथ एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से शहर में मातम छाया रहा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 22 कांशीनगर बस्ती में विरेंद्र सोनी व जितेंद्र सोनी निवास करते हैं। बताया जाता है कि 26 फरवरी को जितेंद्र सोनी की पुत्री राजनंदनी का विवाह शहर के एक होटल में हुआ था जिसके बाद 27 अप्रैल को जिला जांजगीर चांपा में रिसेप्शन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कांशीनगर से सोनी परिवार 4 से 5 कार में सवार होकर चांपा गये हुए थे।

बड़े भाई की पुत्री की 26 अप्रैल...

पार्टी था। इस अवसर पर सोनी परिवार के सदस्य पार्टी में शामिल होने के लिए गए हुए थे। जहां देर रात को पार्टी में शामिल होने के बाद अलग अलग कार में वापस कोरबा आ रहे थे कि वापस लौट के दौरान हादसे में तीन लोगों की मौत हो जाने से सोनी परिवार में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जैसे ही दोपहर को कांशीनगर बस्ती में मां, बेटे और नाती की लाश पहुंची बस्ती में कोहराम मच गया और जहां तीनों का एक साथ अंतिम यात्रा निकाली गई।

झपकी आने से हादसा होने...

कार चला रहा था। इस दौरान उसे संभवतः नींद की झपकी आयी होगी जिससे उसकी तेज रफ्तार कार सीधे डिवाइडर से टकराते हुए एक ट्रेलर से जा टकराई।

राम पर आपत्तिजनक सवाल...

आरोप था कि प्रश्न पत्र में हमारे आराध्य भगवान श्री राम के नाम का जानबूझकर अपमानजनक प्रयोग किया गया है, जिससे सनातन समाज की धार्मिक भावनाएँ आहत हुई है। मामले में हिन्दू संगठनों ने डीईओ का पुतला दहन कर कलेक्टर, एसपी को ज्ञापन सौंपकर कड़ी कार्रवाई की भी मांग की थी। मामले में स्कूल शिक्षा विभाग ने संज्ञान लेते हुए इसकी जांच कराई। जांच में सामने आया कि जिले की प्राथमिक शालाओं के परीक्षा प्रश्न पत्रों के निर्धारण, मुद्रण और वितरण की पूरी जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की थी। इसके बावजूद प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे द्वारा न तो प्रश्न पत्र तैयार करने की कोई स्पष्ट प्रक्रिया तय की गई और न ही कार्य योजना बनाई गई। लापरवाही के कारण ही आपत्तिजनक प्रश्न पत्र तैयार हुआ, जिससे शासन और शिक्षा विभाग की छवि धूमिल हुई।

उनके कार्यकाल के ..

नियम, 1965 के तहत गंभीर कदाचार माना गया है। साथ ही विजय कुमार लहरे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय रायपुर स्थित संभागीय संयुक्त संचालक (शिक्षा) कार्यालय रहेगा। वहीं, आगामी आदेश तक बी.एल. देवांगन को जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

हर दिन जान हथेली पर सफर...

से जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ रहा है। लोगों ने खुद पत्थर, मिट्टी और रेत की बोरियां डालकर अस्थायी रास्ता बनाया है। ताकि किसी तरह आवागमन जारी रह सके। दोपहिया वाहन फिसलते हैं, लोग गिरते हैं, लेकिन मजबूरी है। पानी बढ़ते ही पूरा रास्ता डूब जाता है और गांवों का संपर्क कट जाता है। मरीज अस्पताल नहीं पहुंच पाते, राशन नहीं आ पाता और पूरा इलाका थम जाता है।

इराक : कारोबारी अली अल-ज़ैदी नए प्रधानमंत्री

बगदाद। इराक के राष्ट्रपति निजार अमेदी ने सोमवार को कारोबारी अली अल-ज़ैदी को प्रधानमंत्री-नामित घोषित कर नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी। कई महीनों से जारी राजनीतिक गतिरोध के बाद यह फैसला लिया गया है। अब अल-ज़ैदी को 30 दिनों के भीतर मंत्रिमंडल बनाकर संसद से मंजूरी लेनी होगी। राष्ट्रपति अमेदी ने कहा कि संवैधानिक प्रक्रिया में अब और देरी संभव नहीं थी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे नए उम्मीदवार का समर्थन करें, ताकि सरकार गठन की प्रक्रिया जल्द पूरी हो सके। अली अल-ज़ैदी का नाम शिया दलों के गठबंधन कोऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क ने आगे बढ़ाया। यह वही गठबंधन है, जिसने पहले पूर्व प्रधानमंत्री नूरी कमाल अल-मलिकी को उम्मीदवार बनाया था। इराक में सरकार गठन पर अमेरिका और ईरान, दोनों की नजरें थीं।

न्यायालय नायब तहसीलदार कवर्धा,
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. अ/59 (3) वर्ष 2025-26
ई-कोर्ट नं.- 202512080200012
ग्राम - घोटिया प.ह.नं.- 16

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला-कबीरधाम ने अपने पत्र क्रमांक/ भवन-विकास / 2025/ 8138 कवर्धा, दिनांक 01.12.2025 के माध्यम से ग्राम- घोटिया, प.ह.नं. 16, तहसील कवर्धा, जिला कबीरधाम स्थित भूमि खसरा नंबर 77/1, रकबा 2.08 एकड़ भूमि को चिकित्सा महाविद्यालय के प्रवेश द्वार हेतु आबंटित करने बाबत् कलेक्टर महोदय कबीरधाम के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) महोदय कवर्धा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिनांक 29/04/2026 को नियत की गई है।

अतः उक्त आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 14.04.2026
पेशी दिनांक - 29.04.2026

मुहर

नायब तहसीलदार
कवर्धा

आम सूचना

(ग्राम नांदगांव, प.ह.नं.-38, रा.नि.म. - बरोंडाबाजार, तहसील व जिला महासमुन्द (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नम्बर 1322/3, 1421/3, 1797/3, 1828/3, 1834/3, 2045/1, 2080/2 व 3061/2 रकबा क्रमशः 0.03, 0.02, 0.02, 0.51, 0.23 0.04, 0.01 व 0.03 हेक्टेयर कुल खसरा नंबर 8, कुल रकबा 0.89 हे. के संबंध में)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण मनोज कुमार जैन, पिता श्री शांति लाल जैन एवं महेन्द्र कुमार जैन पिता श्री शांति लाल जैन निवासी क्लबपारा, महासमुन्द तहसील व जिला महासमुन्द (छ.ग.) के हक, स्वामित्व एवं अधिपत्य की ग्राम नांदगांव, प.हं.न.-38, रा.नि.म. - बरोंडाबाजार, तहसील व जिला महासमुन्द (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नम्बर 1322/3, 1421/3, 1797/3, 1828/3, 1834/3, 2045/1, 2080/2, व 3061/2 रकबा क्रमशः 0.03, 0.02, 0.02, 0.51, 0.23 0.04, 0.01 व 0.03 हेक्टेयर कुल खसरा नंबर 8, कुल रकबा 0.89 हे. को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है, बयनामा का निष्पादन एवं पंजीयन किया जाना शेष है ।

यह कि उपरोक्त क्रय विक्रय पर यदि किसी व्यक्ति, बैंक, संस्था, बोर्ड, प्राधिकरण निगम, बीमा, केन्द्र शासन, राज्य शासन, साहूकार आदि को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति इस सूचना प्रकाशन से 07 दिनों के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर मय सुसंगत दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करें। समाचार पत्र मे प्रकाशन के माध्यम से की गई आपत्ति / खंडन स्वीकार योग्य नही होगी। निर्धारित समयावधि पश्चात विक्रयपत्र की पंजीयन का निष्पादन करा ली जावेगी, बाद मियाद प्राप्त आपत्ति झूठी एवं नाजायज करार दी जावेगी तथा वह मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी। सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक 28.04.2026

भवदीय
मनीष यादव (अधिवक्ता)
कार्यालय व्ही.के. मुंशी एवं एसोसिएट्स पुरोहित बाड़ा, बूढ़ापारा, रायपुर (छ.ग.) मो. 98933 94077

कार्यालय, नगर पंचायत कूंरा, जिला-रायपुर (छ.ग.)
e-mail - npkunra2016@gmail.com

क्रं./106/लो.नि.वि./न.पं. / 2026-27 कूंरा, दिनांक 27.04.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (6th Call)
Main: Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
UADD Portal: http://uad.cg.gov.in

नगर पंचायत कूंरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

क्रं.	सिस्टम टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा ऑनलाईन करने की प्रारंभिक / अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
	189886	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat, Kunra Under SBM 2.0 (6 Call) th	238.14	1.50	प्रारंभिक तिथि 28.04.2026 अंतिम तिथि 08.05.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से भी देखी / डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत कूंरा,जिला रायपुर (छ.ग.)

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष – व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु – आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ – अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यालय नगर पंचायत बस्तर जिला बस्तर (छ.ग.)
फोन नम्बर - 07782-262256 ईमेल आईडी - cmobastar01@gmail.com

क्रमांक /166/ न.पं./2026 बस्तर दिनांक 18/04/ 2026

-:: नीलामी सूचना ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है पुराना नगर पंचायत के सामने वार्ड क्र. -03 में निर्मित 12 दुकानों को 30 वर्ष की लीज पर निम्नलिखित वर्ग वार दिनांक 08/05/2026 को समय 12:00 बजे शेष घोष नीलामी नगर पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में की जावेगी। विवरण निम्नानुसार है ।

क्र.	दुकान क्रमांक	दुकान का माप (वर्गमीटर में)	दुकान की संख्या	आरक्षण स्थिति	शासकीय राशि	मासिक किराया	अमानत राशि
1	1, 12	3x3	02	अनारक्षित वर्ग के लिए	3.10 लाख	3000.00	25000.00
2	2, 3, 4, 5, 6, 7, 8	3x3	07	अ.ज.जा वर्ग	2.56 लाख	2000.00	20000.00
3	9, 10	3x3	02	अ.पि.वर्ग	2.56 लाख	2000.00	20000.00
4	11	3x3	01	महिला वर्ग	2.56 लाख	2000.00	20000.00

अतः इच्छुक व्यक्ति / फर्म उपरोक्तानुसार निर्धारित तिथि एवं समय पर स्वयं या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित होकर बोली में भाग ले सकते है नीलामी की शर्तें एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में राजस्व शाखा में देखी जा सकती है।

टीपः- 1. नगर पंचायत बस्तर का किसी भी प्रकार का कर / शुल्क या अन्य देनदारी ही नीलामी बकाया चुकता प्रमाण पत्र प्रेषित करना अनिवार्य होगा।
2. प्राप्त दर को स्वीकृत हेतु परिषद का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बस्तर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्युशन कं. लिमि
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.मं. की एक उत्तरवर्ती कंपनी)
कार्यालय - कार्यपालन अभियंता (सं/सं.) संभाग छ.स्टे. पॉ. डिस्ट्री.क. लिमि कसडोल

क्र. 48-00/ सामा 217 कसडोल, दिनांकः-28/04/2026

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि वितरण केन्द्र भटगांव के भटगांव सबस्टेशन में पॉवर ट्रांसफार्मर 3.15 एम. व्ही. ए. के स्थान पर 5 एम. व्ही. ए. पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापना कार्य हेतु दिनांक 30.04.2026, दिन गुरुवार को भटगांव उपकेन्द्र से निकलने वाली समस्त 11 के.व्ही. फीडर के संबंधित सभी ग्रामों की विद्युत आपूर्ति सुबह 09:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक बंद रहेगी। उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है, आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा का संरक्षण करें।

(बी. के. वर्मा 91549939)
कार्यपालन अभियंता (सं. / सं.) संभाग
छ.स्टे. पॉ.डिस्ट्री.कं.लिमि. कसडोल

शब्द पहेली - 6210

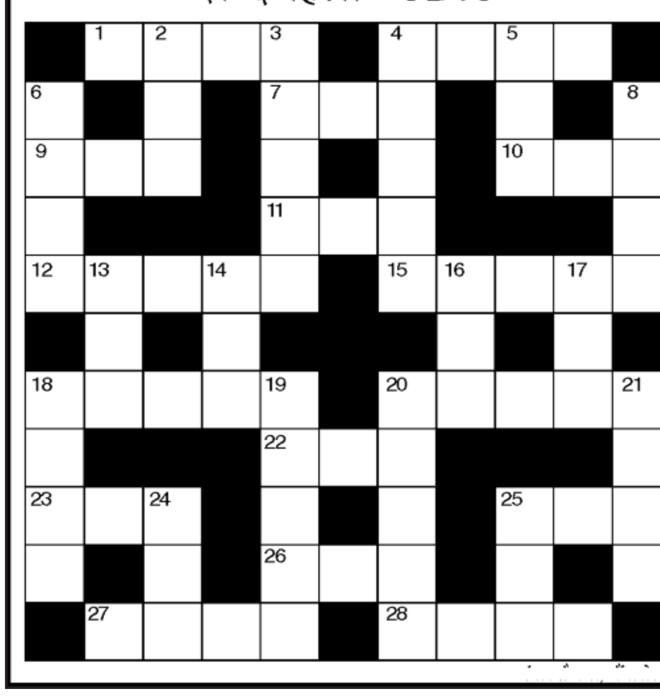

बाएँ से दाए-
1. बेजोड़-4
4. परिचय, निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता, चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा, रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेन्धमार-5
15. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-3,2
18. तड़के, सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2,3
22. मैला, गंदा-3
23. रसद, आहर पदार्थ-3
25. प्रणाम, नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी, प्राचीन-4
28. हुकूमत, राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे
2. मुलाकात, मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक, नौकर, दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान, एक जैसा-4
13. पंकज, जलज-3
14. आघात, चोट-3
16. भरोसा, विश्वास-3
17. कुली, पालकी वाहक-3
18. जुर्म, गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -6209 का हल

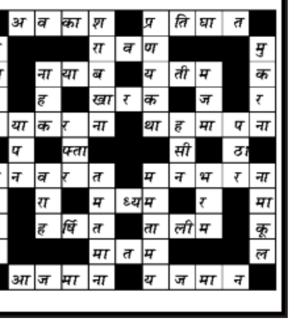

सूडोकु नवताल - 6220

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6219 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

कैंसर की सटीक जांच करने अब शहर में अत्याधुनिक पेट सीटी स्कैन की सुविधा, 25 हजार के बजाय अब 13 हजार में ही जांच संभव

रायपुर। कैंसर की सटीक जांच के लिए अब दूसरे राज्यों पर निर्भरता खत्म हो चुकी है। उपचार को अधिक सुलभ बनाने मित्तल कैंसर हॉस्पिटल ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अत्याधुनिक पेट सीटी स्कैन की सुविधा की शुरुआत की है। इस सुविधा के प्रारंभ होने के मात्र ढाई महीनों के भीतर ही 400 से अधिक पेट सिटी स्कैन सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। यह उपलब्धि न केवल मरीजों और चिकित्सकों के विश्वास को दर्शाती है, बल्कि उच्च गुणवत्ता वाली जांच सेवाओं की बढ़ती आवश्यकता को भी उजागर करती है।

मित्तल कैंसर हॉस्पिटल में उन्नत और किफायती पेट सीटी स्कैन सुविधा से कैंसर उपचार को मिली नई मजबूती

कैंसर की प्रारंभिक पहचान में मिल रही मदद

पेट सीटी (पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी–कम्प्यूटेड टोमोग्राफी) आधुनिक कैंसर चिकित्सा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण है। यह जांच कैंसर की प्रारंभिक पहचान, सही स्टेजिंग, उपचार की योजना बनाने तथा उपचार के प्रभाव का आकलन करने में अत्यंत सहायक होती है। हरिभूमि से बातचीत में डॉ. सुमन मित्तल ने बताया, इस मशीन से पता लगाया जा सकता है कि शरीर में कैंसर कहां तक फैल चुका है। रायपुर में यह जांच 20 से 25 हजार तक में होती है। अधिक शुल्क होने से लोग परेशान होते थे, लेकिन हमने यह उच्च स्तरीय जांच मात्र 13,000 के किफायती शुल्क पर उपलब्ध कराई है, जिससे मरीजों पर आर्थिक बोझ कम पड़ेगा, जबकि गुणवत्ता और सटीकता में कोई समझौता नहीं किया जाता।

समय पर चिकित्सा निर्णय लेना संभव

यह पेट सीटी यूनिट अत्याधुनिक सिटी मशीन से सुसज्जित है, जो उच्च गुणवत्ता की इमेजिंग प्रदान करती है। यह तकनीक चिकित्सकों को बीमारी की सटीक स्थिति समझने, उसके फैलाव का मूल्यांकन करने और उपचार के परिणामों की निगरानी करने में सक्षम बनाती है। इससे बेहतर और समय पर चिकित्सा निर्णय लेना संभव होता है, जो अंततः मरीजों के बेहतर परिणाम सुनिश्चित करता है। मित्तल कैंसर हॉस्पिटल, रायपुर एक समग्र (कॉम्प्रिहेंसिव) कैंसर देखभाल केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां सभी आवश्यक सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। यह संस्थान समावेशी स्वास्थ्य सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत भी बड़ी संख्या में मरीजों को कैंसर से संबंधित उपचार उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकें।

जिंदल शॉ के लाभ में 42 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। जिंदल शॉ का शुद्ध लाभ मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में 42 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 123.68 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से खर्च में कमी से लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में उसने 86.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। वित्तवर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आय पहले के 5,067.48 करोड़ रुपये से घटकर 4,656.85 करोड़ रुपये रह गई। खर्च भी पहले के 4,601.82 करोड़ रुपये से घटकर 4,482.04 करोड़ रह गया।

कच्चे तेल में उछाल से शेयर बाजार सहमा, सेंसेक्स 417 अंक फिसला

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में तेज उछाल और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव में मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही। सेंसेक्स 417 अंकों के नुकसान में रहा जबकि निफ्टी 97 अंक गिरकर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि मुख्य रूप से बैंक, वित्तीय एवं वाहन कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट से मानक सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 416.72 अंक गिरकर 76,886.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 562.57 अंक तक लुढ़ककर 76,741.06 तक पहुंच गया था। वहींनिफ्टी 97 अंक गिरकर 23,995.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल 30 कंपनियों में से एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति सुजुकी, भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसके विपरीत, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा और सन फार्मा के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।

विशाखापत्तनम को एआई केंद्र बनाएगा गूगल, करेगा 15 अरब डॉलर का निवेश

एजेंसी ▶▶| तारलुवाड़ा (आंध्र प्रदेश)

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत की बढ़ती डिजिटल क्षमता का उल्लेख करते हुए मंगलवार को कहा कि 15 अरब डॉलर के आगामी गूगल एआई डेटा सेंटर के साथ विशाखापत्तनम कृत्रिम मेधा (एआई) केंद्र के रूप में उभरेगा। विशाखापत्तनम के तारलुवाड़ा में 'गूगल क्लाउड इंडिया एआई डेटा सेंटर' के शिलान्यास समारोह में उन्होंने कहा कि यह पहल भारत के एआई आधारित डिजिटल ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह परियोजना अदाणी कॉनेक्स और एयरटेल नेक्सट्रा के साथ साझेदारी में विकसित की जा रही है। इसमें विशाखापत्तनम में एक गीगावाट का 'हाइपरस्केल एआई डेटा सेंटर' शामिल होगा।

■ पहल भारत के एआई आधारित डिजिटल ढांचे को मजबूत बनाएगी

पीएम के दृष्टिकोण की सराहना

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विशाखापत्तनम एक एआई शहर में परिवर्तित हो जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के दृष्टिकोण की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि मजबूत नीतिगत समर्थन और नेतृत्व के दम पर भारत इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र में विश्व के लिए एक प्रमुख विश्वसनीय मूल्य श्रृंखला और आपूर्ति श्रृंखला भागीदार के रूप में उभरने के लिए तैयार है।

लगभग 600 एकड़ भूमि आवंटित

वैष्णव ने बताया कि आंध्र प्रदेश सरकार ने इस परियोजना के लिए तारलुवाड़ा, अदाविवरम और रामबिल्ली क्षेत्रों में लगभग 600 एकड़ भूमि आवंटित की है। उन्होंने कहा, ''भारत की बढ़ती डिजिटल ताकत स्पष्ट है और 15 अरब डॉलर के गूगल एआई डेटा सेंटर के साथ विशाखापत्तनम एक प्रमुख एआई केंद्र बनने जा रहा है।''

बिजनेस साइट

केआईआईटी-डीयू की बड़ी छलांग, एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में देश में छठा स्थान

भुवनेश्वर। केआईआईटी-डीयू ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचएसई) एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में केआईआईटी को भारत के सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में छठा स्थान मिला है।

इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने ओडिशा और पूरे पूर्वी भारत में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वैश्विक स्तर पर भी केआईआईटी ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। एशिया रैंकिंग में विश्वविद्यालय 169वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि 2024 में यह 196वें और 2025 में 184वें स्थान पर था। यह लगातार सुधार विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध क्षमता को दर्शाता है। संस्थापक डॉ. अच्युता सामंता ने इसे संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की मेहनत का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि नवाचार और अंतरराष्ट्रीयकरण पर जोर ने केआईआईटी को वैश्विक शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

पतंजलि का 'चंदन वन' मॉडल बना नई उम्मीद

हरिद्वार। देश में चंदन की खेती लंबे समय तक दक्षिण भारत तक सीमित मानी जाती रही, लेकिन उत्तराखंड में विकसित पतंजलि के 'चंदन वन' मॉडल ने इस धारणा को बदल दिया है। हरिद्वार

स्थित पतंजलि योगपीठ में आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में करीब दो दशक पहले शुरू किए गए प्रयोग अब सफल परिणाम दे रहे हैं। पतंजलि के रिसर्च सेंटर और औषधीय उद्यान में लगाए गए चंदन के पौधों के अध्ययन में सकारात्मक नतीजे मिलने के बाद राज्य के कई जिलों में किसान और निजी संस्थाएं इस मॉडल को अपना रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार चंदन अर्ध-परजीवी वृक्ष है, जिसकी सफल खेती वैज्ञानिक पद्धति और उचित प्रबंधन पर निर्भर करती है। आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में चंदन की खेती किसानों के लिए हाई-वैल्यू फसल साबित हो सकती है। उनका कहना है कि 10 से 15 वर्षों में तैयार होने वाला एक चंदन का पेड़ लगभग 1 से 1.5 लाख रुपए तक का लाभ दे सकता है।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) (A Successor Company of CSEB)
OFFICE OF THE ADDL.CHIEF ENGINEER (S&P) DSPM TPS, KORBA EAST, DISTT: KORBA, PIN: 495677 (C.G.)
PHONE NO. -(07759) 228501, TELEFAX -228501 Email: sepnw.dspmke@cspc.co.in

E-TENDER NOTICE NO.3217/2026
Online bids are invited by the undersigned through CSPGCL e-bidding system (SAP SRM) for, 2x250 MW DSPM TPS, CSPGCL Korba East.

S. No.	Tender Specification No	RFX No. of E-Tender	Particulars	Qty.	Last date & time of bid submission	E.M.D. (Rs.)	Tender Cost
01	16-06/ DSPM TPS/S&P/Safety T-3298/26	8100051118	Work contract for "Day to day maintenance, shifting of fire extinguishers plant to fire station, cleaning, fitting, refilling of fire extinguishers, testing and fitting of valves of firefighting system of DSPM TPS Korba East".	As per Tender Schedule	18.05.2026 up to 15:30 Hrs.	6,960/-	590/-

NOTES:-For more details, please visit our website at: – https://www.cspc.co.in. Any amendment/ corrigendum, if required, will be displayed on our website only.
SUPERINTEINDING ENGINEER (Contract)
DSPM TPS: CSPGCL KORBA EAST
SAVE ELECTRICITY

MAHARASHTRA JEEVAN PRADHIKARAN
E-TENDER NOTICE NO. 68 (Second Call) FOR 2025-26
"Under Maharashtra Suvarna Jayanti Nagarothan Maha-Abhiyan Program, Maharashtra Jeevan Pradhikaran Water Management Division, Ambernath invites e-tender for the work of Augumentation to Kulgaon Badlapur Water Supply Scheme, Tal. Ambernath" valued at Rs. 183,17,03,110/- (One hundred eighty three crore seventeen lakh three thousand one hundred and ten only) The E-Tender Detailes are available on www.mahatenders.gov.in from dated 29/04/2026.
All relevant date will be as per the tender Published on web portal www.mahatenders.gov.in.
Place : Ambernath
Date : 23/04/2026
Sd/-
Executive Engineer,
ROC NO. 2026-27/ क्र.-5/C467 M.J.P.W.M. Division Ambernath

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN
Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Aatal Nagar- 492 002, Chhattisgarh. Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice
The Chief Executive Officer, NRANVP invites item rate tender for following works:
NIT No: 08/CMCC/EEC-IV/CE/NRANVP/2026-27,
Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur, Dated: 27/04/2026
Name of Work: "Interior & Furnishing Works of 2nd Floor, Tower-C, Commercial Complex building, at Sector-21 of Nava Raipur Atal Nagar Dist. Raipur(C.G.), for CM helpline Call center project" (1st Call)S.
Estimated cost: INR 9.71 Crs, EMD: INR 9.71 Lakhs/-
Period of Completion: 08 Months
Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 18.05.2026
The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.
Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.
Chief Engineer
NRANVP
S-47653/1

SUPRINTENDENT PHYSICAL PLANT
INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDYALAYA, RAIPUR
Phone No. 0771-2442203, Email- igkvspp@gmail.com
S.No./SPP/ 33 Date- 27/04/2026
NOTICE INVITING E-TENDER
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
Sub Portal: https://igkv.ac.in
Transit Hostel Bulding at Narayanpur, Kanker & Construction of Seed Godown Work at College of Agriculture and Research Station, Raigarh Campus. Bhatapara, and Boys Hostel Building at CARS Kawardha Ditt- Kabirdham. in Sealed tenders are invited in Form A, B, C online from contractor registered in Chhattisgarh PWD as per schedule of rates for Roads/ Buildings/ Bridges works effective from 01.01.2015 and for electrical works effective from 01.06.2020 and amended up to date of issue of NIT. The tender details along with list of necessary documents will be available on the https://eproc.cgstate.gov.in and www.igkv.ac.in websites. The last date of submission of online bid is 15-05-2026 The Physical document's should be submitted only through Registered / Speed post so as to reach in the office of the Superintendent Physical Plant, Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Krishak Nagar, Labhandi, Raipur (C.G.) Pin 492012, latest by date 19-05-2026 by 05.00 pm.
Superintendent Physical Plant
IGKV Raipur (CG)
S-47657/2

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर
Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

कुक/स्टाफ
आवश्यकता है- वीआईपी चौक, तेलीबांधा में, घर में शाकाहारी भोजन बनाने व साफ़-सफाई हेतु कुक/स्टाफ (महिला/पुरुष) की आवश्यकता है। बीड़ी-सिगरेट/शराब-गुटखा आदि निषेध। संपर्क: 9300593000.(आरो-103)

अकाउंट्स/ड्रायवर
आवश्यकता है- श्री नैनी प्रोडक्ट्स CG JOHAR में अकाउंट्स, ड्राइवर, सेल्स/मार्केटिंग और हेल्पर की भर्ती। अनुभव व मेहनती उम्मीदवार चाहिए। स्थान ग्राम कौड़िया तहसील पलारी जिला बलौदा बाजार भाटापारा संपर्क: 9926775705, 9329477504, तुरंत जॉइनिंग। अभी आवेदन करें।(आरो-157)

दुकान कार्य
आवश्यकता है- किराना दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़को की आवश्यकता हैं। पढ़ाई में बाधा नहीं। आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- भगत किराना, गोल बाजार, रायपुर, मो. 7828644611.(आरो-076)

ड्राइवर
आवश्यकता है- आशीर्वाद किराया भंडार में पंडाल काम हेतु ड्रायवर की आवश्यकता है। जो गाड़ी लोड- अनलोड कर सके। वेतन 12000/- समय सुबह 9:00 से 8:30 बजे तक पता- सुहागा मंदिर ब्राहमण पारा रायपुर संपर्क करें- मो. 9826182338.(आरो-158)

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30 बजे तक, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 बजे तक (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 25,000/- प्रतिमाह। पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, संपर्क :- 9644720222.(आरो-05)

आवश्यकता है- कम्पनी बस चलाने रायपुर से तिल्दा 3 ड्राइवरों की आवश्यकता हैं मेकाहारा फाफाडीह भनपुरी वाले को प्राथमिकता लायसेंस हवी बैच अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 18-20 हजार जय महामाया ट्रेवल्स मो. 93406 86016.(आरो-154)

सप्लाई वर्क
आवश्यकता है- एजेंसी में माल सप्लाई करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। गोयल मार्केटिंग, महामाया मंदिर रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर- 8966910009, 8719984130.(आरो-4121)

हरिभूमि क्लासीफाईड

डिलीवरी कार्य
आवश्यकता है- ब्लू डार्ट कोरियर कम्पनी को डिलिवरी कार्य हेतु 15 लड़कों की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन 15000 + पेट्रोल एवम अन्य भत्ते, संपर्क करे नारायण भवन,कोटा रोड, रामनगर रायपुर 877007844, 9826124088.(आरो-1239)

दुकान कार्य/सेल्समेन
आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) में काम करने के लिए लड़का / लड़की एंव सेल्समैन की आवश्यकता है मों. -7067048454.(आरो-153)

सेल्समैन/हेल्पर
आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में काम करने हेतु होलसेल में काम किया हुआ अनुभवी सेल्समैन एवं हेल्पर की आवश्यकता है, मिलने का समय दोपहर 3:00 से 6:00 बजे तक, पता: चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा, शॉप नं.D-29- 30, प्रथम गेट, टेक्सटाइल मार्केट, पंडरी, रायपुर, संपर्क: 9425506658, 9424200658, 9425206658.(आरो-7270)

दुकान कार्य
आवश्यकता है- किराना एवं डेली नीड्स की दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारीयों की वेतन 10 से 15 हजार योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता। संपर्क:- सी-मार्केट सेक्टर-6 भिलाई मो.- 98266-84859.(आरो नं.-260)

फील्ड/ऑफिस स्टाफ
आवश्यकता है- जय अंबे गैस एजेंसी के लिए फील्ड एवं ऑफिस स्टाफ के लिए लड़कों की एवं मैकेनिक आवश्यकता है संपर्क -जय अंबे गैस एजेंसी सुपेला भिलाई डॉक्टर रतनतिवारी के आगे-9303991811.(आरो नं.-258)

छोटा विज्ञापन

सुरक्षागार्ड/सुपरवाइजर
अतिशीघ्र आवश्यकता है- रायपुर हेतु सुरक्षा गार्ड 45, सुपरवाइजर 15, फील्ड अधिकारी 5, वेतन 13000/- से योग्यतानुसार संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019.(आरो-005)

दुकान कार्य
आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु लड़की की आवश्यकता है Qualification- कंप्यूटर बेसिक, टैली, Excel. Experience- 1 year Address, Raipur Radiator sales, Bhanpuri Raipur. संपर्क करें- 8770370618, 9827140140.(आरो-155)

काउंसलर/टेलीकॉलर
आवश्यकता है- स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करने हेतु 10 युवक- युवतियों की आवश्यकता है हेल्थ काउंसलर, टेलीकॉलिंग और ऑफिसवर्क, वेतन 7000-15000, दुर्ग-भिलाई एवं अनुभवी को प्राथमिकता- mo.-7999494437, 8269465640, 9109479330.(आरो नं.-259)

मीडिया कार्य
आवश्यकता है- प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हेतु युवक-युवतियाँ आवश्यकता तालपुरी ब्लॉक B, 92/C पारिजात अपार्टमेंट, भिलाई (छ.ग.) 9752070689, 0788-3591893, 9399447968, 10:30 AM 6:00 PM (आरो नं.-261)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Education शिक्षण
प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे:- B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech,(अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515.(आरो-4146)

Property प्रापर्टी

जमीन/फ्लैट
जमीन/फ्लैट- मेन रोड हाईवे पर स्थित कुम्हारी से 4km दूर (अहीवारा रोड) प्रस्तावित 4-लेन हाईवे पर 8000 स्क्वायर फीट के करीब जमीन/फ्लैट बेचना है। संपर्क- 8889288003, 8770489005.(आरो-152)

For Rent किराया
किराए से देना है- डॉक्टर क्लीनिक /ऑफिस फुल फिर्नीश (ए.सी. फैन, टेबल, टॉयलेट) 525 Sq. Ft. शॉप नंबर 106, शांति रेसीडेंसी, गंगा डायग्नोस्टिक के सामने, पचपेड़ी नाका, रायपुर, मो. 7987779819.(आरो-156)

Finance फायनेंस
फाइनेंस- महालक्ष्मी फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 9039310732, 8280401638.(आरो-040)

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	8	6	1	13
बेंगलुरु	8	6	2	12
राजस्थान	9	6	3	12
हैदराबाद	8	5	3	10
गुजरात	8	4	4	8
चेन्नई	8	3	5	6
दिल्ली	8	3	5	6
कोलकाता	8	2	5	5
मुंबई	7	2	5	4
लखनऊ	8	2	6	4

ऑरेंज कैप | **पर्पल कैप**

वैभव सूर्यवंशी — 400 रन — राजस्थान

भुवनेश्वर कुमार — 14 विकेट — बेंगलुरु

खबर संक्षेप

जीत की तलाश में मुंबई का आज सनराइजर्स से मुकाबला

मुंबई। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को अगर अपनी किस्मत पलटनी है तो उसे शानदार फॉर्म में चल रहे सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बुधवार को होने वाले आईपीएल के महत्वपूर्ण मुकाबले में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मुंबई की टीम पहले 7 मैचों में 5 में हार से 4 अंक लेकर नौवें स्थान पर है। मुंबई की टीम की चिंता भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के चार खिलाड़ियों में शामिल कप्तान हार्दिक पंड्या (तीन विकेट और 97 रन) और सूर्यकुमार यादव (110) का खराब प्रदर्शन है।

राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया

पंजाब की पहली हार, आरआर ने चेज किया टारगेट

एजेंसी ▶▶ मुल्लांपुर

डोनोवन फरेरा के तूफानी अर्धशतक और शुभम दुबे के साथ उनकी अटूट अर्धशतकीय साझेदारी से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया, जो मौजूदा सत्र में पंजाब की टीम की पहली हार है। पंजाब के 223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स ने सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल (51 रन, 27 गेंद, 7 चौके, 1 छक्का) और वैभव सूर्यवंशी (43 रन, 16 गेंद, 5 छक्के, 3 चौके) की तूफानी पारियों के बाद डोनोवन फरेरा (नाबाद 52 रन, 26 गेंद, 6 चौके, 3 छक्के) और शुभम दुबे (नाबाद 31 रन, 12 गेंद, 3 चौके, 2 छक्के) के बीच पांचवें विकेट की 32 गेंद में 77 रन की अटूट साझेदारी से 19.2 ओवर में 4 विकेट पर 228 रन बनाकर जीत दर्ज की।

स्टोइनिस और प्रभसिमरन का तूफानी अर्धशतक

पंजाब किंग्स ने मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 62, 22 गेंद, 6 छक्के, 4 चौके) के ताबड़तोड़ अर्धशतक और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन (59 रन, 44 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का) के जुझारू अर्धशतक से 4 विकेट पर 222 रन बनाए। प्रभसिमरन ने अर्धशतक जड़ने के अलावा कूपर कोनोली (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 और कप्तान श्रेयस अय्यर (30) के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी भी की। स्टोइनिस की तूफानी पारी से पंजाब किंग्स की टीम आखिरी 3 ओवर में 55 रन जोड़ने में सफल रही।

खतरे में गेल का महारिकॉर्ड

वैभव के नाम आईपीएल 2026 में 37 छक्के 9 मैच खेलकर ही दर्ज हो गए हैं। बता दें कि आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा 59 छक्कों का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम दर्ज है। 2012 से यह रिकॉर्ड टूटा नहीं है। इस बार वैभव जिस तरह खेल रहे हैं, अभी कम से कम 5 लीग मैच उनके पास बाकी हैं। अगर राजस्थान प्लेऑफ में पहुंची तो वैभव के पास पांच से अधिक पारियां होंगी। सीजन के अंत तक अगर 22 छक्के वह लगाते हैं तो क्रिस गेल का यह महारिकॉर्ड इस सीजन टूट सकता है।

एक सीजन में सबसे तेज 400 रन बनाने वाले बैटर

- **167** गेंद : वैभव सूर्यवंशी, 2026
- **188** गेंद : आंद्रे रसेल, 2019
- **195** गेंद : अभिषेक शर्मा, 2024
- **197** गेंद : निकोलस पूरन, 2025
- **200** गेंद : ग्लेन मैक्सवेल, 2014

सैमसन, ईशान, गिल से आगे निकले प्रभसिमरन

प्रभसिमरन सिंह पंजाब किंग्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मैच में 59 रन की पारी के बाद वह संजू सैमसन, इशान किशन और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों से भी आगे निकल गए हैं। इस सीजन प्रभसिमरन सिंह का यह आईपीएल 2026 में भी चौथा पचासा था।

यश राज ने बदला मैच

आरआर के 19 साल का यश राज पुंजा ने मैच में बहुत ही शानदार गेंदबाजी की और पंजाब के दोनों ख़तरनाक खिलाड़ी कूपर कोनोलीऔर प्रभसिमरन सिंह को पवेलियन भेज दिया। दोनों बल्लेबाज उस समय आउट हुए जब दोनों क्रीज पर जम गए थे। यदि ये दोनों बल्लेबाज अहम समय में आउट नहीं होते तो पंजाब 20 रन और बना सकता था। इससे मैच को पासा पलट सकता था।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
प्रभसिमरन का पराग बो यश	59	44	6	1
प्रियांश का बर्गर बो आर्चर	29	11	5	1
कोनोली का फरेरा बो यश	30	14	2	3
अय्यर का जुरेल बो बर्गर	30	27	1	1
स्टोइनिस नाबाद	62	22	4	6
सूर्यांश शेडगे नाबाद	03	02	0	0

अतिरिक्त:09, कुल : 20 ओवर में 222/4 रन

गेंदबाजी: आर्चर 4-0-40-1, बर्गर 4-0-59-1, बृजेश 4-0-42-0, यश 4-0-41-2, जडेजा 4-0-32-0

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का शेडगे बो चहल	51	27	7	1
सूर्यवंशी का अय्यर बो अर्शदीप	43	16	3	5
जुरेल का यानसेन बो चहल	16	20	1	0
पराग का शेडगे बो चहल	29	16	2	2
फरेरा नाबाद	52	26	6	3
शुभम दुबे नाबाद	31	12	3	2

अतिरिक्त : 06, कुल : 19.2 ओवर में 228/4 रन

गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-68-1, फर्ग्युसन 4-0-57-0, यानसेन 3.2-0-41-0, बरार 4-0-25-0, चहल 4-0-36-3

आईसीसी विमेंस टी20 रैंकिंग

लौरा ने लगाई लंबी छलांग तीसरे पायदान पर पहुंचीं

एजेंसी ▶▶ दुबई

साउथ अफ्रीकी कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने आईसीसी विमेंस टी20 प्लेयर्स रैंकिंग में अपने करियर की सबसे ऊंची रेटिंग हासिल कर ली है। वोल्वार्ड्ट हाल ही में भारत के खिलाफ 5 मुकाबलों की टी20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रही थीं। लौरा वोल्वार्ड्ट टी20 बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। अब वह 'नंबर 1' पर काबिज जॉर्जिया वोल से ठीक पीछे हैं। शानदार फॉर्म में चल रही इस साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी ने अपने हालिया दमदार प्रदर्शन की बदौलत अपने करियर की सबसे ऊंची रेटिंग हासिल की है। ऋचा घोष 2 पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर और सुने लुस 6 स्थान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

चौथे पायदान पर पहुंचीं दीप्ति

शीर्ष टी20 गेंदबाजों की सूची में मुकाबला अभी भी कड़ा बना हुआ है। इस सूची में पाकिस्तानी स्पिनर सादिया इकबाल सबसे आगे हैं। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा दो स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर आ गई हैं। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 12 जून से होगी, जिससे पहले ये दोनों खिलाड़ी संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर काबिज हैं।

मैड्रिड ओपन

ओसाका को हराकर क्वार्टर फाइनल में सबालेंका की एंट्री

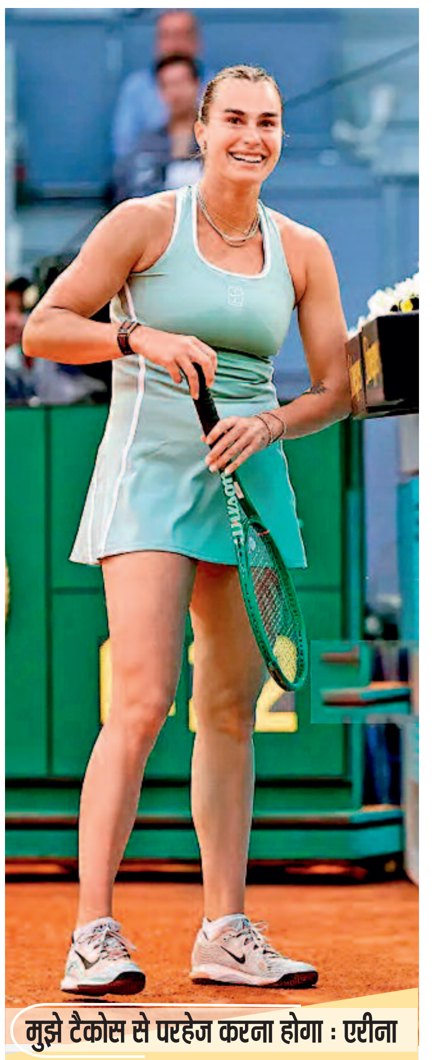

एजेंसी ▶▶ मैड्रिड

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की बीमारी का कारण बने वायरस के खतरे और नाओमी ओसाका के जुझारू खेल से खुद को बचाते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इगा स्वियातेक, कोको गॉफ, मारिन सिलिच और कुछ अन्य खिलाड़ी पेट में संक्रमण से प्रभावित हुए हैं लेकिन सबालेंका ने कहा कि वह साधारण आहार करके बीमारी से बचने की कोशिश कर रही है। खिलाड़ियों के बीच यह अफवाह थी कि खराब झींगा टैको संक्रमण के लिए जिम्मेदार है।

2 घंटे 20 मिनट चला मुकाबला

मौजूदा चैंपियन सबालेंका ने चौथे दौर के मुकाबले में ओसाका के खिलाफ एक सेट और एक ब्रेक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने 2 घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 6-7 (1), 6-3, 6-2 से जीत हासिल की। सबालेंका का अगला मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी हेली बैपटिस्ट से होगा, जिन्होंने बेलिंडा बेनसिच को 6-1, 6-7 (14), 6-3 से हराया।

पोटापोवा से हारी रायबाकिना

विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी एलेना रायबाकिना को भी अनास्तासिया पोटापोवा से सीधे सेटों में हार गईं। पुरुष वर्ग में 19 वर्षीय राफेल जोडर ही एकमात्र स्पेनिश खिलाड़ी बचे हैं क्योंकि अन्य स्थानीय खिलाड़ियों में डेनियल मेरिडा स्टेफानोस सिटसिपास से 6-4, 6-2 से और एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना मौजूदा चैंपियन कैस्पर रूड से 6-3, 6-1 से हार गए।

मुझे टैकोस से परहेज करना होगा : एरीना

सबालेंका ने कहा, 'अभी तक तो सब ठीक है। मैंने सुना है कि मुझे उन टैकोस से परहेज करना होगा। मैं वही खाना खा रही हूं, जो मैं टूर्नामेंट की शुरुआत से खा रही हूं।'

विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप

भारत की दमदार शुरुआत ट्यूनीशिया को 3-0 से हराया

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारतीय पुरुष टीम ने विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप में ट्यूनीशिया पर 3-0 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की दमदार शुरुआत की, जबकि महिला टीम को वॉकओवर मिल गया। मानुष शाह, मानव ठक्कर और हरमीत देसाई ने भारत के लिए प्रभावशाली जीत दर्ज की। शाह ने टीम को मजबूत शुरुआत देते हुए एस्सिड वासिम को 3-1 (11-5, 9-11, 11-3, 11-5) से हराया, जिसके बाद ठक्कर और देसाई ने भी 3-0 से जीत हासिल की।

ठक्कर ने यूसुफ ऐदली को हराकर बनाई बढ़त

विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज ठक्कर ने यूसुफ ऐदली को एकतरफा मुकाबले में 11-3, 11-13, 11-3 से हराकर बढ़त को और मजबूत किया। देसाई ने संयमित प्रदर्शन करते हुए अबू बकर बोरास को 11-5, 11-4, 11-8 से शिकस्त देकर टीम की आसान जीत सुनिश्चित की। इससे पहले दिन में युगांडा की टीम के मैच के लिए उपस्थित न होने के कारण भारतीय महिला टीम को 3-0 से वॉकओवर मिल गया।

नए प्रयोगों ने दिया आत्मविश्वास : कृणाल

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हरफनमौला कृणाल पंड्या ने आईपीएल के पिछले दो सत्रों में अपनी गेंदबाजी में आए बदलाव का श्रेय टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच मलोलन रंगराजन को देते हुए कहा कि उनके भरोसे ने उन्हें नए प्रयोग करने की स्वतंत्रता दी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सोमवार को टीम की महज 6.3 ओवर में नौ विकेट से बड़ी जीत के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें विकेट लेने की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे वह खुलकर नए प्रयोग कर सकते हैं। कृणाल ने कहा, 'हमारे स्पिन बॉलिंग कोच मलोलन रंगराजन को भी काफी श्रेय जाना चाहिए। जब मैं आरसीबी में आया, तो मेरी भूमिका बदल गई। मुझे विकेट लेने और प्रयोग करने की आजादी मिली। यह भरोसा बहुत मदद करता है।'

उबेर कप में भारत का सफर खत्म, चीन फिर बना बाधा

होर्सेंस। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाई जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया। भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी। उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है।

राष्ट्रमंडल युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप

भारतीय भारोत्तोलकों का शानदार प्रदर्शन, जीते चार स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय भारोत्तोलकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए समोआ के अपिया में चल रही राष्ट्रमंडल युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप और संबंधित यूनिवर्सल कप (सीनियर) में प्रतियोगिता के दूसरे दिन 4 स्वर्ण पदक जीते। सुनील सिंह ने 65 किलोग्राम पुरुष वर्ग में कुल 271 किलोग्राम (स्नैच में 126 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 145 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि ऐसांगफा गोगोई ने 58 किलोग्राम महिला वर्ग में और अभिनव गोगोई ने 71 किलोग्राम पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। ऐसांगफा ने कुल 185 किलोग्राम (स्नैच में 79 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 106 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि अभिनव ने कुल 284 किलोग्राम (स्नैच में 129 किलोग्राम और क्लीन एवं जर्क में 155 किलोग्राम) भार उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

यूनिवर्सल कप में पेसी ने जीता गोल्ड

यूनिवर्सल कप में अरुणाचल प्रदेश के चारू पेसी ने पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में 289 किलोग्राम (स्नैच में 127 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 162 किलोग्राम) के कुल भार के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष सहदेव यादव ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों, कोच और सहायक कर्मचारियों को बधाई दी। यादव ने अपने बधाई संदेश में कहा, 'ये उपलब्धियाँ हमारे खिलाड़ियों और सहायक टीम की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। भारत वैश्विक भारोत्तोलन मंच पर एक मजबूत दावेदार के रूप में उभर रहा है।'

केनरा बैंक Canara Bank — भारत सरकार का उपक्रम — A Government of India Undertaking — सिंडिकेट Syndicate

रायपुर, जी.ई. रोड शाखा (छ.ग.)

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत

ऋणी एवं जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	प्रकार / सीमा / बकाया ऋण
1. **मेसर्स अभय एग्रो प्रोसेसिंग, प्रोपराइटर श्री टिकेश्वर मनहरे** के माध्यम से पुत्र **श्री बद्रीनाथ मनहरे**, ग्राम- खपरीडीह, मोहरेंगा, खरोरा, तहसील- रायपुर, छत्तीसगढ़, पिनकोड- 493225 **एवं** 93/बी वार्ड नं. 04, भाटापारा, खरोरा, तिल्दा, खपरीडीह, छत्तीसगढ़ पिनकोड- 493225 **एवं** वार्ड नं. 02, रवि नगर, ग्राम- खरोरा, पोस्ट- नेवरा, तहसील- तिल्दा, जिला- रायपुर, छत्तीसगढ़- 493225. **2. श्री बद्रीनाथ मनहरे पुत्र श्री हटाले मनहरे**, मकान नं. 284, राजीव नगर, वार्ड नं. 02, खरोरा, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़- 493225.	**चल संपत्ति - स्टॉक और बुक डेट्स का हाइपोथिकेशन। शीर्षक धारक का नाम- मेसर्स अभय एग्रो प्रोसेसिंग, प्रोपराइटर श्री टिकेश्वर मनहारे के माध्यम से। अचल संपत्ति- शीर्षक धारक का नाम- श्री टिकेश्वर मनहरे पुत्र श्री बद्रीनाथ मनहरे**,खसरा नं. 210/6, 214/3, 215/2, 218/1, 220/1, प.ह.नं. 18, मौजा- कोहका, अरआईसी एवं तहसील- तिल्दा, जिला- रायपुर, छत्तीसगढ़। क्षेत्रफल- 0. 5959 हेक्टेयर में स्थित डायवर्टेड भूमि पर फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति का साम्यिक बंधक। **चौहद्दीः उत्तर**- सड़क, **दक्षिण**- नरेंद्र तिवारी की भूमि, **पूर्व**- उमेश अग्रवाल की भूमि, **पश्चिम**- सरकारी भूमि।	MSME-OD/OCC / ₹ 5,05,00,000.00 / 24/04/2026 से कुल देय धनराशि ₹ 5,18,16,383.09 एनपीए तिथि 22/04/2026

उपर्युक्त उल्लेखित उधारकर्ता एवं जमानतदारों ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को बंधक रखकर **केनरा बैंक, रायपुर, जी.ई. रोड शाखा (छ.ग.)** से ऊपर उल्लेखित अनुसार ऋण सुविधा प्राप्त की है तथा ऊपर उल्लेखित जमानतदारों ने गारंटी उपलब्ध करवाई है, उधारकर्ता ऋण स्वीकृति के नियम तथा शर्तों का पालन करने में असफल हो चुके हैं। रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार खाता अनियमित होने पर ऊपर उल्लेखित दिनांक को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। बैंक द्वारा उपरोक्त वर्णित बकाया ऋण राशि की वसूली के लिए सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के नोटिस दिनांकित **(ऊपर उल्लेखित अनुसार)** ऋणी व जमानतदारों को एनपीए की तिथि **(ऊपर उल्लेखित अनुसार)** अंतिम ज्ञात पते पर भेजा गया था जो बिना सुपुर्दगी के वापस लौट गया है। जिसके पश्चात् यह प्रकाशन जारी किया जा रहा है जिसके माध्यम से देनदारों व जमानतदारों को ऊपर उल्लेखित धनराशि ब्याज दर **(संविदात्मक दर)**, लागत व्यय इत्यादि के साथ इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर भुगतान करने कहा गया है जिसमें चूक करने पर निम्नलिखित बंधक संपत्तियों पर उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के प्रावधानों के अंतर्गत बैंक की बकाया धनराशि की वसूली हेतु कार्यवाही की जाएगी। ऋणी एवं जमानतदार संपत्ति स्वामी का ध्यान वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(8) के प्रावधानों के तहत उपलब्ध समय में प्रतिभूति आस्तियों को छुड़ाने की ओर आकर्षित किया जाता है।

दिनांकः 28.04.2026 स्थानः रायपुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/केनरा बैंक

ई-नीलामी विक्रय सूचना

निलामी की तिथि एवं समय :- 20-मई-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे

(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड

शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001

Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित।

एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:

एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F) / (G)
स. क्रं.	ऋणी(यों) का नाम	वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य (रु.)	ब्याना जमा राशि (रु.) / बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री प्रकाश अनोश**, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्रीमती प्रकाश रशिम अनोश**, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर-छ.ग.-495001& **श्रीमती प्रकाश आशा**, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाटा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्री प्रकाश अनोश**, काली ढाबा के पीछे, हिर्री माइंस, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.-495224. **श्रीमती प्रकाश रशिम** अनोश काली ढाबा हिर्री माइंस के पीछे, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.-495224. **श्रीमती प्रकाश आशा** काली ढाबा हिर्री माइंस के पीछे, छतौना, बिलासपुर-छ.ग.-495224& **श्री प्रकाश अनोश**, प्रकाश इंटरप्राइजेज, न्यू हाई कोर्ट के पास, काली ढाबा के पीछे, रायपुर रोड-बिलासपुर-छग-495001&	₹ 3,15,03,835/- 31 अगस्त 2022* की स्थिति में	प्लॉट 101, मकान शीट संख्या 5/4, खसरा 118/1, प.ह.नं. 22, मौजा तालापारा कॉलोनी, ग्रीन पार्क, वार्ड नंबर 9, बिलासपुर, प्लॉट एरिया (बिक्री विलेख के अनुसार):- 11,725 वर्ग फुट (1089.68 वर्ग मीटर), बी-1 के अनुसार:- 9146 वर्ग फुट (850 वर्ग मीटर), निर्माण:- (निर्मित क्षेत्र) भूतल (पिछला भाग)- 1573 वर्ग फुट (146.59 वर्ग मीटर), प्रथम तल (पिछला भाग)- 1573 वर्ग फुट (146.59 वर्ग मीटर), वास्तविक प्लॉट एरिया (साइट के अनुसार)- 6572 वर्ग फुट, भूतल (व्यावसायिक भाग):- 1975 वर्ग फुट (183.55 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड-22.075289, लांगिट्यूड-82.139343.**	भौतिक	₹2,89,10,000/-	₹28,91,000/- / ₹ 15,000/-

सुरक्षित संपति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 06-मई -2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे

बोली की अंतिम तिथि :-18-मई -2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।

ऋणभार/दावों का खुलासा: संपत्ति के संबंध में यह निवेदन किया जाता है कि प्रतिभूतिकरण आवेदन (एसए) एसए/98/2023 वर्तमान में माननीय ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) जबलपुर के समक्ष विचाराधीन है, और उक्त संपत्ति की प्रस्तावित ई-नीलामी सह बिक्री उक्त कार्यवाही में माननीय डीआरटी द्वारा पारित अंतिम आदेशों और निर्देशों के अधीन और उन पर निर्भर होगी।

संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई-नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई-मेल: Auction.Manager@BidDeal.in ; संपर्क नंबर: +919266604643.

सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई-बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 29 अप्रैल, 2026 — स्थान: बिलासपुर

रजिस्टर्ड पता-एच.डी.एफ.सी. बैंक हाउस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड — प्राधिकृत अधिकारी

ASA

540 साल पुराने प्रेम पत्र का एआई ने खोला राज, पैसे या प्यार?

लंदन। दुनिया के सबसे पुराने प्रेम पत्र ने 540 साल बाद अपने पन्नों में दफन वो राज खोल दिया है, जिसे पढ़कर आज भी किसी का दिल भर आए। 15वीं सदी की एक दुल्हन के दिल की तड़प और पैसे बनाम प्यार की जंग को जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने डिकोड किया, तो पता चला कि सदियां बीत जाने के बाद भी इंसान की भावनाएं और मजबूरियां आज भी वैसी ही हैं। फरवरी 1477 में मार्जरी ब्रूज नाम की महिला ने अपने मंगेतर जॉन पास्टन तृतीय को यह खत लिखा था, जिसमें दहेज को लेकर चल रही पारिवारिक खींचतान और उससे उपजे दर्द को बयां किया गया था। इस पत्र को पढ़ना एक्सपर्ट्स के लिए भी अब तक एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि इसकी लिखावट, व्याकरण और पुरानी अंग्रेजी की शब्दावली आधुनिक पाठकों की समझ से परे थी। लेकिन 'माईहेरिटेज' के नए 'सक्रिबे एआई' टूल ने इस मुश्किल काम को चुटकियों में कर दिखाया।

प्यार को बचाने के लिए जद्दोजहद

मार्जरी ने इस खत को भारी दिल के साथ लिखा था, क्योंकि उनकी मां उनके पिता को दहेज की राशि बढ़ाने के लिए राजी नहीं कर पाई थीं। खत में मार्जरी अपने मंगेतर जॉन से कहती हैं कि अगर उनके पास मौजूदा संपत्ति से आधी भी होती, तब भी वे उनका साथ कभी नहीं छोड़तीं। मार्जरी का यह समर्पण दिखाता है कि उस दौर में भी महिलाएं पारिवारिक दबाव और सामाजिक प्रतिष्ठा के बीच अपने प्यार को बचाने के लिए कितनी जद्दोजहद करती थीं। उन्होंने खत के आखिर में जॉन से इसे गुप्त रखने की गुजारिश भी की थी, ताकि दहेज की बात बाहर न निकले। यह प्रेम पत्र पास्टन लेटर्स का हिस्सा है, जो नॉरफॉक के एक परिवार द्वारा तीन पीढ़ियों के दौरान लिखे गए 400 से अधिक पत्रों का एक अद्भुत संग्रह है।

15वीं सदी की दुल्हन का दर्द पढ़ भर आएंगी आंखें!

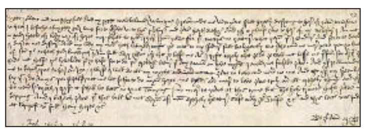

इंसानी जज्बात कभी नहीं बदलते

मार्जरी के एक वंशज पुरातत्वविद हैं। उन्होंने कहा, 'यह पत्र हमें याद दिलाता है कि जिन लोगों का हम इतिहास में अध्ययन करते हैं, वे बिल्कुल हमारे जैसे ही थे। उनके पास भी वैसी ही भावनाएं और वैसी ही चुनौतियां थीं जैसी आज हमारे पास हैं।'

दुनिया का सबसे पुराना लव लेटर

एआई ने न केवल अक्षरों को पहचाना, बल्कि उस समय के ऐतिहासिक संदर्भ, भावनाओं और महत्व का सारांश भी तैयार किया। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस पत्र की भाषा आज की अंग्रेजी से इतनी अलग है कि इसे पहली नजर में पढ़ना लगभग नामुमकिन था, लेकिन एआई ने इसे आज की सरल भाषा में अनुवादित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि इस प्रेम कहानी का अंत सुखद रहा। तमाम अड़चनों के बावजूद मार्जरी और जॉन की शादी हुई और 1479 में उनका एक बेटा हुआ, जिसका नाम विलियम रखा गया।

रोचक खबरें

अनोखा जीव! जो भोजन निगलने के लिए करता है आंखों का इस्तेमाल

नई दिल्ली। दुनिया में कई अनोखे जीव पाए जाते हैं, लेकिन मेंढक का तरीका सबसे अलग माना जाता है। यह ऐसा जीव है जो अपने भोजन को निगलने में आंखों की भी मदद लेता है। सुनने में यह अजीब जरूर लगता है, लेकिन इसके पीछे एक दिलचस्प जैविक प्रक्रिया काम करती है, जिसे विज्ञान में एक खास तरह का एडॉप्टेशन माना जाता है। दरअसल, मेंढक अपने शिकार को चबा नहीं सकता। वह कीड़े-मकोड़े या छोटे जीवों को सीधे निगलता है। जब वह किसी बड़े शिकार को पकड़ता है, तो निगलते समय उसकी आंखें अंदर की ओर धंस जाती हैं। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक खास तकनीक है, जो भोजन को गले तक पहुंचाने में मदद करती है। जब मेंढक अपनी आंखों को नीचे की ओर दबाता है, तो वे मुंह के अंदर की तरफ हल्का दबाव बनाती हैं। यह दबाव शिकार को धीरे-धीरे ग्रासनली (गले) की ओर धकेलने में मदद करता है। यानी उसकी आंखें एक तरह से पुश देने का काम करती हैं। मेंढक के सिर के ऊपरी हिस्से और आंखों के बीच सख्त हड्डी नहीं होती है। वहां लचीले ऊतक मौजूद होते हैं, जिससे आंखें आसानी से अंदर की ओर जा सकती हैं। यही वजह है कि यह प्रक्रिया संभव हो पाती है। मेंढक की जीभ आगे की तरफ जुड़ी होती है, जिससे वह तेजी से बाहर निकलकर शिकार पकड़ लेती है।

यहां सरकार उठा रही है युवाओं के डेटिंग का खर्चा, हर महीने मिलते हैं इतने पैसे

टोक्यो। जापान में घटती जनसंख्या अब एक गंभीर चिंता बन चुकी है। इसी चुनौती से निपटने के लिए सरकार ने एक अनोखी पहल शुरू की है, जिसके तहत युवाओं को डेटिंग ऐप्स इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मकसद साफ है कि लोग एक-दूसरे से जुड़ें, रिश्ते बनाएं और आगे चलकर शादी व परिवार की ओर कदम बढ़ाएं। इस दिशा में जापान के कोची प्रान्त ने मीटिंग सपोर्ट प्रोजेक्ट ग्रांट नाम की योजना शुरू की है। इसके तहत अविवाहित युवाओं को डेटिंग प्लेटफॉर्म्स से जोड़ने के लिए आर्थिक मदद दी जा रही है। सरकार चाहती है कि युवा डिजिटल माध्यम से एक-दूसरे को समझें और फिर वास्तविक जीवन में रिश्तों को आगे बढ़ाएं।इस योजना के तहत 20 से 39 साल के अविवाहित युवाओं को सालाना 20,000 येन (करीब 11,700 रुपए) तक की सब्सिडी दी जा रही है। यह राशि डेटिंग ऐप्स के रजिस्ट्रेशन और सब्सक्रिप्शन पर खर्च करने के लिए है, ताकि युवा बिना झिझक इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर सकें।

डायनासोर युग में समुद्र का राजा था 62 फुट का क्राकेन ऑक्टोपस

वॉशिंगटन। आज के समय से करीब 10 करोड़ साल पहले डायनासोर के जमाने में समुद्रों का सबसे बड़ा शिकारी ऑक्टोपस था। जीवाश्मों से मिले जबड़ों के नए विश्लेषण से पता चलता है कि विशाल क्रैकन जैसे ऑक्टोपस दूसरे समुद्री शिकारियों के साथ मिलकर शिकार करते थे और पानी में 'राज' करते थे। उनकी आठ बाजू और विशाल शरीर था, जो 62 फीट (18 मीटर) से ज्यादा लंबे होते थे। इस शारीरिक बनावट से यह दूसरे मांसाहारी समुद्री रेंगने वाले जीवों को मुश्किल में डालते थे। एक्सपर्ट का कहना है कि यह ऑक्टोपस उससे ज्यादा बड़ा था, जितना सोचा गया था। पौराणिक कथाओं के राक्षस जैसे इस जीव के बारे में कहा गया है कि क्रेटेशियस काल के दौरान विशाल 'क्रैकन' जैसे सेफलोपोड्स समुद्रों पर राज करते थे। वे विशाल समुद्री सरीसृपों और दूसरे तथाकथित शीर्ष शिकारियों का शिकार करते थे। गुरुवार को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस में प्रकाशित स्टडी में यह बात सामने आई है। होक्काइडो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने लिखा, 'यह विशाल मोलस्क क्रेटेशियस काल के महासागरों में रहने वाले सभी जीवों में सबसे बड़े शरीरों में से एक था।

अफ्रीका महाद्वीप 2 हिस्सों में टूट रहा, सोच से बड़ी हो चुकी है धरती के क्रस्ट की दरार

वॉशिंगटन। अफ्रीका में जमीन के नीचे एक बड़ी भूगर्भीय हलचल हो रही है, जिसके चलते यह विशाल महाद्वीप को दो हिस्सों में टूट रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि पूर्वी अफ्रीका क्षेत्र में धरती की पपड़ी बहुत ज्यादा पतली हो गई है, जो महाद्वीप के टूट की ओर इशारा करती है। इस स्टडी के नतीजे नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुए थे।

एक-दूसरे से दूर जा रहीं प्लेटें

तुर्काना रिफ्ट केन्या और इथियोपिया में लगभग 500 किमी तक फैला हुआ है। यह विशाल पूर्वी अफ्रीकी रिफ्ट प्रणाली का हिस्सा है, जो उत्तर पूर्वी इथियोपिया में अफार डिप्रेशन से लेकर मोजाम्बिक तक फैली हुई है। यह अरब और सोमाली प्लेटों को अलग करती है। इस क्षेत्र में अफ्रीकी और सोमाली प्लेटें 4.7 मिलीमीटर प्रतिवर्ष की दर से धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर जा रही हैं।

वैज्ञानिकों की बढ़ी टेंशन

धरती के अंदर बढ़ रही दरार

वैज्ञानिकों के अनुसार, जैसे-जैसे यह अलगाव होता है, जमीन की पपड़ी पर तनाव पड़ता है, जिसके कारण सतह मुड़ जाती है और उसमें दरारें पड़ जाती हैं। हालांकि, सभी दरारें महाद्वीपों को अलग नहीं करती हैं, लेकिन तुर्काना की दरार उसी तरफ बढ़ती दिखाई दे रही है। वैज्ञानिकों ने यहां बहुत ज्यादा पतली क्रस्ट का पता लगाया है।

बनेगा एक नया महासागर

हालांकि, यह बदलाव बहुत लंबे समय में होते हैं। तुरकाना रिफ्ट लगभग 4.5 करोड़ साल पहले खुलना शुरू हुआ था। शोधकर्ताओं का मानना है कि लगभग 40 लाख साल पहले बड़े पैमाने पर ज्वालामुखी विस्फोट के बाद नेकिंग शुरू हुई। इसका अगला चरण ओशनाइजेशन कहा जाता है- यानी महासागर का बनना। इसके शुरू होने में अभी लाखों साल सकते हैं। उस चरण में दरारों से मैग्मा ऊपर उठेगा और समुद्र तल पर नई जमीन बनाएगा। इस दौरान उत्तर में स्थित हिंद महासागर का पानी वहां भर सकता है।

हम पपड़ी के टूटने की उस सीमा तक पहुंच गए

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की लैमोंड-डोहर्टी अर्थ ऑब्जर्वेटरी के पीएचडी छात्र और स्टडी के प्रमुख लेखकर क्रिश्चियन रोवन ने बताया कि दरार की प्रक्रिया पहले की तुलना में कही अधिक उन्नत है और क्रस्ट पहले से कहीं अधिक पतली है। उन्होंने कहा, पूर्वी अफ्रीका में दरार की प्रक्रिया सोच से कहीं अधिक आगे बढ़ चुकी हैं। स्टडी के नतीजे बताते हैं कि दरार के केंद्र में पपड़ी की मोटाई लगभग 13 किलोमीटर है। वहीं, इससे दूर यह 35 से अधिक हो जाती है। यह नाटकीय अंतर नेकिंग की ओर इशारा करता है। नेकिंग एक महत्वपूर्ण टेक्टोनिक चरण का संकेत है, जो बताता है कि धरती की पपड़ी बीच से कैसे खिंचती और पतली होती है।पपड़ी जैसे-जैसे पतली होती जाती है, उतनी ही कमजोर भी होती जाती है। दरार पड़ने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। आखिरकार पपड़ी टूट जाती है। हम पपड़ी के टूटने की उस सीमा तक पहुंच गए हैं।

दिल्ली-मुंबई है भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे

6 राज्यों को जोड़ने वाले इस रास्ते की लंबाई है 1350 किलोमीटर

नई दिल्ली। तेजी से बदलते भारत की पहचान अब सिर्फ ऊंची इमारतों या मेट्रो शहरों से नहीं, बल्कि उन सड़कों से भी हो रही है जो दूरियों को मिनटों में समेट देती हैं। देश में हाईवे और एक्सप्रेसवे का जाल लगातार फैल रहा है, लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा मेगा प्रोजेक्ट है जिसने लोगों की यात्रा के मायने ही बदल दिए हैं। यह सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि छह राज्यों को जोड़ने वाला विकास का राजमार्ग है, जो भविष्य के भारत की झलक दिखाता है।

हम बात कर रहे हैं दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की, जिसे भारत का सबसे लंबा और आधुनिक एक्सप्रेसवे माना जा रहा है। करीब 1350 किलोमीटर लंबा यह मार्ग देश की राजधानी नई दिल्ली को आर्थिक राजधानी मुंबई से सीधे जोड़ता है। इस परियोजना को 'भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण' द्वारा विकसित किया जा रहा है और इसे देश के सबसे महत्वाकांक्षी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है।

छह राज्यों को जोड़ता है एक साथ

यह हाईटेक एक्सप्रेसवे हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से होकर गुजरता है। इससे इन क्षेत्रों में न केवल कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। उद्योग, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर इस मार्ग के साथ तेजी से विकसित होंगे।

क्या है इसकी खासियत?

इस एक्सप्रेसवे की सबसे बड़ी खासियत है इसका समय बचाने वाला सफर। जहां पहले दिल्ली से मुंबई तक पहुंचने में लगभग 24 घंटे लग जाते थे, वहीं अब यही दूरी महज 12 से 13 घंटे में पूरी की जा सकेगी। यानी आधे समय में दोगुनी रफ्तार का अनुभव। यह बदलावष न केवल यात्रियों के लिए राहत लेकर आएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर की नई पहचान

सुविधाओं के मामले में भी यह एक्सप्रेसवे किसी आधुनिक शहर से कम नहीं है। यहां इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन, रेस्ट एरिया, पेट्रोल पंप और इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह एक्सप्रेसवे सिर्फ दूरी घटाने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर को एक नई पहचान देने वाला बदलाव है।

खूबसूरती देख खींचे चले आते हैं जानवर, पत्ते खाते ही हो जाता है खौफनाक हाल

भारत का श्राप कहलाता है ये पौधा!

नई दिल्ली। भारत में कई ऐसे पौधे पाए जाते हैं जो अपनी खूबसूरती से लोगों को आकर्षित करते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपा सच काफी खतरनाक होता है। ऐसा ही एक पौधा है लैंटाना, जिसे अक्सर 'भारत का श्राप' कहा जाता है। इस पौधे की सबसे खतरनाक बात इसकी जहरीली प्रकृति है। इसके पत्ते अगर मवेशी या अन्य जानवर खा लें, तो उनके शरीर पर गंभीर असर पड़ सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, लैंटाना के सेवन से जानवरों के लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है और कई मामलों में उनके अंग फेल होने लगते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा को सूरज की रोशनी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना देता है।

अनोखा गांव! यहां सबसे पहले होती है सुबह, लोग दोपहर में ही बना लेते हैं डिनर

नई दिल्ली। भारत के पूर्वी छोर पर बसा एक छोटा-सा गांव अपनी अनोखी पहचान के लिए जाना जाता है। यहां देश में सबसे पहले सूरज की किरणें पहुंचती हैं। हम बात कर रहे हैं डोंग गांव की, जो अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन-म्यांमार के ट्राई जंक्शन के पास स्थित है। अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और खास भौगोलिक स्थिति के कारण यह गांव यात्रियों और फोटोग्राफरों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन चुका है। डोंग गांव में सूर्योदय का नजारा बेहद खास होता है। यहां सुबह करीब 2 से 3 बजे के बीच ही सूरज निकल आता है, जो देश के बाकी हिस्सों की तुलना में काफी पहले है। इस जगह को 1999 में प्रमुखता से पहचाना गया, जिसके बाद से ही लोग यहां इस अनोखे अनुभव के लिए पहुंचने लगे।

प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमता है जीवन

इस गांव में रहने वाली मिश्मी जनजाति का जीवन पूरी तरह प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमता है। उनके त्योहार, परंपराएं और रोजमर्रा की गतिविधियां सूर्योदय और सूर्यास्त के समय के अनुसार तय होती हैं। यह समुदाय प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करता है। डोंग गांव पहुंचने के लिए भारतीय पर्यटकों को इनर लाइन परमिट लेना जरूरी होता है, जबकि विदेशी यात्रियों के लिए प्रोटेक्टेड एरिया परमिट अनिवार्य है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

सीमा क्षेत्र के करीब होने के कारण यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी हैं। हालांकि, यहां तक पहुंचने का सफर थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन जो लोग एडवेंचर और प्रकृति से प्यार करते हैं, उनके लिए यह अनुभव यादगार साबित होता है।डोंग गांव सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव है जहां आप प्रकृति की लय के साथ जीने का असली मतलब समझ सकते हैं।

अपराह्न 4 बजे तक हो जाता है सूर्यास्त

सूर्योदय देखने के लिए पर्यटकों को घने जंगलों और ऊंची-नीची पहाड़ियों से होकर लगभग 4–5 किलोमीटर की ट्रैकिंग करनी पड़ती है। सीमित सुविधाओं के बावजूद, प्रकृति के करीब रहने का एहसास यहां आने वालों को खास बना देता है। डोंग में सूरज जितनी जल्दी उगता है, उतनी ही जल्दी ढल भी जाता है। यहां दोपहर 3 से 4 बजे के आसपास ही सूर्यास्त हो जाता है। इसी वजह से गांव के लोगों की दिनचर्या भी अलग है। वे सुबह जल्दी अपने काम निपटा लेते हैं और दोपहर होते-होते रात के खाने की तैयारी शुरू कर देते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com